बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
PMG
हिन्दी दैनिक
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 26 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 240
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक इंटरव्यू में कहा

सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मदारी नहीं

हिंदू एक हों, देश की सेना को भी मजबूत बनाएं, ताकि कोई उसे जीत न सके

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत के पास शक्तिशाली होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हम अपनी सभी सीमाओं पर बुरी ताकतों की दुष्टता को देख रहा है। भागवत ने हिंदू समाज से एक होने और भारतीय सेना को ताकतवर बनाने की अपील की, ताकि कई शक्तियां एक साथ आने पर भी उसे जीत न सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शक्ति को धर्म के साथ जोडना चाहिए। हमें सद्गुण और शक्ति दोनों की पूजा करनी चाहिए। लोगों की रक्षा, दुष्टों का खात्मा करने के लिए, यही हमारी शक्ति का स्वभाव होना चाहिए।

भागवत ने कहा कि कृषि, औद्योगिक और वैज्ञानिक क्रांतियां खत्म हो चुकी हैं। अब दुनिया को एक धार्मिक क्रांति की जरूरत है और भारत को ही इसका रास्ता दिखाना होगा। आरएसएस प्रमुख ने संघ की वीकली मैगजीन ऑर्गनाइजर को दो महीने पहले बेंगलुरु में आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद एक इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने भारत की सेना, अर्थव्यवस्था, हिंदू समाज, धर्म पर अपनी बात रखी।

हिंदूओं को मजबूत बनना होगा

भागवत ने कहा कि जब कोई विकल्प उपलब्ध न हो, तो दुष्टता को बलपूर्वक मिटाना पड़ता है। हम विश्व व्यापार पर हावी होने के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम चाहते हैं कि हर कोई शांतिपूर्ण, स्वस्थ और सशक्त जीवन जी सके। दुनिया हिंदुओं की चिंता तभी करेगी, जब हिंदू खुद मजबूत होंगे। हिंदू और भारत एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। मजबूत हिंदू समाज ही उन लोगों को साथ लेकर चल सकता है, जो खुद को हिंदू नहीं मानते, क्योंकि एक समय वे भी हिंदू थे। हिंदू समाज को मजबूत करने के लिए काम चल रहा है, लेकिन यह अभी पूरा नहीं हुआ। अगर भारत का हिंदू समाज मजबूत हो जाता है, तो हिंदू अपने आप ही वैश्विक रूप से मजबूत हो जाएंगे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ जिस तरह से पीड़ा व्यक्त की गई है, वह अभूतपूर्व है। यहां तक कि बांग्लादेश के हिंदू भी अब कहते हैं, हम भागेंगे नहीं। हम यहीं रहेंगे और अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे।

महिलाएं स्वयं अपना उद्धार करेंगी

भागवत ने कहा कि संघ के पास कुछ नहीं था। विचार की मान्यता नहीं, प्रचार का साधन नहीं था। समाज में उपेक्षा और विरोध ही था। कार्यकर्ता भी नहीं थे। यह भविष्यवाणी की जाती थी कि यह पैदा होते ही मर जाने वाला है। लेकिन संघ सफल होकर निकला और 1950 तक यह साबित हो गया कि संघ आगे बढ़ेगा। इसी पद्धति से हिन्दू समाज को भी संगठित किया जा सकता है। आपातकाल के बाद संघ की ताकत कई गुना बढ़ गई। हम यह भी मानते हैं कि महिलाओं का उद्धार पुरुष नहीं कर सकते। महिलाएं स्वयं अपना उद्धार करेंगी, उसमें सबका उद्धार हो जाएगा। इसलिए हम उन्हीं को प्रमुखता देते हैं और जो वे करना चाहती हैं, उसके लिए उनको सशक्त बनाते हैं।

एनडीए दलों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को दिल्ली में एनडीए दलों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में भाग लेने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से नेता दिल्ली पहुंचे थे। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज सुनाई पड़ी। साथ ही जाति गणना, सुशासन सहित कई अन्य मुद्दों पर आगे का रोडमैप बना। इस बैठक में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण सहित एनडीए शासित कई राज्यों से सीएम और डिप्टी सीएम मौजूद थे। बैठक में अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे।

एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक से एक दिन पहले पीएम मोदी ने नीति आयोग की बैठक में देश के लगभग सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की थी। हालांकि नीति आयोग की बैठक में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे। रविवार को एनडीए घटक दलों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और जातिगत जनगणना को लेकर प्रस्ताव पेश किया गया।

चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर था, जो पाकिस्तान में आतंकी शिविरों के खिलाफ हाल ही में किए गए सैन्य हमलों को संदर्भित करता है। सम्मेलन में सशस्त्र बलों और पीएम मोदी को इस ऑपरेशन की सफलता के लिए बधाई देने वाले प्रस्तावों को पेश कर पास किया गया, जिसमें राष्ट्रीय आत्मविश्वास को बढ़ाने और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया।

बैठक में अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के निर्णय पर भी चर्चा की गई। समावेशी विकास और डेटा-संचालित नीति निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जाने वाली इस पहल के लिए केंद्र सरकार की प्रशंसा करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया।

खास खबर

कर्नाटक में कोविड संक्रमित बुजुर्ग की हुई मौत, बेंगलुरु में 32 नए केस

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कोविड-19 संक्रमित एक 84 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, वह कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे और 13 मई को व्हाइटफील्ड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए थे। इलाज के दौरान 17 मई को उनकी मृत्यु हो गई। शनिवार को आई रिपोर्ट में उन्हें कोरोना पॉजिटिव पाया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में कुल 38 नए कोविड केस सामने आए हैं, जिनमें से 32 मामले बेंगलुरु से हैं। बढ़ते मामलों के बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जनता से संयम बनाए रखने और अपनी सामान्य दिनचर्या को जारी रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

कोच्चि तट पर डूबा लाइबेरिया शिप

कोच्चि। केरल में कोच्चि तट पर लाइबेरिया का कार्गो शिप एमएससी एल्सा 3 डूब गया। इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी ने सभी 24 क्रू मेंबर्स को रेस्क्यू कर बचाया। शिप पर लदे 640 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड, डीजल, फर्नेस ऑयल समेत कुछ खतरनाक केमिकल्स थे। शिप 23 मई को केरल के ही विझिनजाम पोर्ट से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। 24 मई को दोपहर कोच्चि तट से 38 समुद्री मील की दूरी पर करीब 26 डिग्री तक झुकने की खबर मिली। इमरजेंसी की सूचना मिलते ही कोच्चि में आईसीजी मरीन सब सेंटर ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। देर शाम तक रूस, यूक्रेन, जॉर्जिया और फिलीपींस के 24 क्रू मेंबर्स में से 21 को बचा लिया गया।

सड़क दुर्घटना में जन प्रगति पार्टी के अध्यक्ष और उम्मीदवार की मौत

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी जिले में शनिवार रात एक सड़क हादसे में जन प्रगति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नीरज कुमार और केसरिया विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार ज्ञानती देवी की मौत हो गई। यह हादसा एनएच-27 पर हुआ। इस दुर्घटना में चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं। उनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना एनएच-27 पर डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के जलवा टोला के पास हुई। जन प्रगति पार्टी के कुछ सदस्य लखनऊ में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वह शनिवार रात मोतिहारी से निकले। रास्ते में उन्होंने केसरिया के नया गांव की रहने वाली ज्ञानती देवी को भी अपने साथ ले लिया।

असम में दो जिलों से 11.5 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

कछार। असम पुलिस ने राज्य के दो जिलों से 11.5 करोड़ रुपए कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं और चार मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। असम सीएम हिमंत विसवा शर्मा ने शनिवार रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि असम पुलिस ने कार्बी आंगलोंग और कछार जिलों में मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि कार्बी आंगलोंग पुलिस ने खटखटी चेकपोस्ट पर एक वाहन को रोका और पांच करोड़ रुपए कीमत की 4.899 किलोग्राम मॉर्फिन जब्त कर एक तस्कर को पकड़ा है।

तीन देशों की सीमा पर आए भूकंप के झटके, दहशत में भागे लोग

नई दिल्ली। तीन देशों की सीमाओं पर आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया है। स्थानीय लोग दहशत में घरों से बाहर निकले और सुरक्षित स्थान तलाशने लगे। हालांकि भूकंप बहुत ज्यादा नहीं था, इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। यह भूकंप पहले शनिवार को आया इसके बाद रविवार को भी मामूली झटके महसूस किए गए हैं।

भूकंप की वजह से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा, अफगानिस्तान के उत्तरी क्षेत्र और ताजिकिस्तान के सुदूरवर्ती इलाकों में कंपन महसूस किया गया। भूकंप वैज्ञानिकों का कहना है कि यह इलाका तीन टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने वाले क्षेत्र में आता है, इसलिए यहां अक्सर हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान की सीमावर्ती इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। स्थानीय समयानुसार भूकंप सुबह करीब 9 बजे के आसपास आया। झटकों की वजह से लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश पर्वतीय क्षेत्र के पास बताया जा रहा है जो अक्सर भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। हालांकि फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है।

देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सीनियर जस्टिस बीवी नागरत्ना आज आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बनेंगी। जस्टिस अभय एस. ओका के रिटायरमेंट के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में सदस्य बनाया जा रहा है। इस तरह कॉलेजियम में अब चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना होंगे। जस्टिस नागरत्ना देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में हैं। वह 29 अक्टूबर 2027 को रिटायरमेंट तक इस सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा रहेंगी।

सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि चीफ जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में खाली पदों को भरने और कई हाई कोर्टों में अहम नियुक्तियां करने के लिए सोमवार को अपनी पहली कलीजियम बैठक बुला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस ओका के रिटायर होने के बाद न्यायाधीशों के खाली पदों की संख्या तीन हो जाएगी।

कॉलेजियम सिस्टम 1993 में वजूद में आया था। इसके तहत, सुप्रीम कोर्ट के पांच सीनियर मोस्ट जस्टिस सर्वोच्च न्यायालय और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और प्रमोशन की सिफारिश करते हैं। सरकार कॉलेजियम की सिफारिशें लौटा सकती है। हालांकि, कॉलेजियम के दोबारा सिफारिश करने पर वह आमतौर पर इसे स्वीकार कर लेती है। कई ऐसे मामले भी आए हैं, जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई जवाब नहीं दिया।

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर 19 को मतदान, 23 जून को आएंगे परिणाम

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जहां चुनाव होना है उसमें गुजारात की 2, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। यहां 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे आ जाएंगे। ये उपचुनाव विधायकों के इस्तीफे या मौत की वजह से ये खाली हुई सीटों पर हो रहे हैं।

गुजरात में कादी और विसावदर सीट पर चुनाव होगा। केरल में नीलांबुर, पंजाब में लुधियाना और पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर भी उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी इलाकों में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे जरूरी कदम उठाए जाएंगे।चुनाव आयोग के अनुसार, इन सभी क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतलब वोटिंग की सारी व्यवस्था हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यानी, किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इन उपचुनावों के नतीजे इन राज्यों की राजनीति में कुछ बदलाव ला सकते हैं। देखना होगा कि कौन सी पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल करती है।

ताजमहल को उड़ाने की धमकी...

आगरा। आगरा में केरल से शनिवार की सुबह पर्यटन विभाग के पास आए एक ई-मेल में ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हाई अलर्ट कर दिया गया। सीआईएसएफ, ताजगंज, पर्यटन, ताज सुरक्षा और सर्किल के फोर्स ने बम निरोधक दस्ते, स्निफर डॉग्स के साथ तीन घंटे तक ताजमहल का चप्पा-चप्पा छान मारा। इस दौरान प्रवेश द्वारों पर पर्यटकों को पैन तक नहीं ले जाने दिया गया। तीन घंटे के तलाशी अभियान के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह एक हॉक्स मेल था, साइबर सेल इसकी जांच कर रही है।

आतंकवाद एक वैश्विक कैंसर है और इसका केंद्र पाकिस्तान है

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान की सच्चाई बताने बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल विदेश रवाना हो गया है। ये प्रतिनिधिमंडल 25 मई से 7 जून तक यूरोप के छह देशों- फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, बेल्जियम और जर्मनी जाएगा।

विदेश जाने से पहले रविशंकर ने कहा कि हम दुनिया को बताएंगे कि भारत शांति और सद्भाव में विश्वास रखता है, लेकिन अगर निर्दोष भारतीयों पर हमला होता है तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। अगर हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर कोई उजाड़ेगा तो उसे ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि हम दुनिया को बताएंगे कि आतंकवाद एक वैश्विक कैंसर है और इसका केंद्र पाकिस्तान है। इस आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एकजुट होकर एक ही आवाज में बोलने की जरूरत है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा संदेश स्पष्ट है। पाकिस्तान आज आतंकिस्तान बन गया है। सभी आतंकवादियों की जड़ें पाकिस्तान में पाई जाती हैं। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का हमारा संकल्प पाकिस्तान को कमजोर करेगा और उसके आतंकवाद को खत्म करेगा। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए भारत से सभी 7 प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। इनमें से 6 प्रतिनिधिमंडल अपने-अपने तय देश पहुंच चुके हैं। दो प्रतिनिधिमंडल 21 मई को, एक 22 मई को, तीन 24 मई को और एक 25 मई को विदेश रवाना हो चुके हैं।

हम जाति-आधारित राजनीति के खिलाफ दृढ़ता से खड़े हैं - जेपी नड्डा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा भी शामिल थे। बैठक के बाद जेपी नड्डा ने बताया कि बैठक में जाति जनगणना को लेकर प्रस्ताव पेश किया गया। जेपी नड्डा ने कहा, जातिगत जनगणना के प्रस्ताव से हमने स्पष्ट किया है कि हम जातिगत राजनीति नहीं करते हैं, लेकिन वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित जो छूट गए हैं, उनका मुख्य धारा में समावेश समाज की आवश्यकता है। जातिगत जनगणना के माध्यम से हम इसे आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने इस ऑपरेशन को जहां सेना का शौर्य बताया, वहीं इस बात पर भी बल दिया कि भारत को हमें तीव्र गति से विकसित और सामर्थ्यवान बनाना है, इसके साथ-साथ हमें आत्मनिर्भर भी बनना है, इन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

नक्सलवाद के खिलाफ हालिया कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि बैठक में नक्सलवाद के खिलाफ पूरे देश में जारी मुहिम पर भी चर्चा हुई। उस चर्चा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि नक्सलवाद के खिलाफ हम कैसे लड़ाई लड़ रहे हैं, हमें कैसे सफलता मिल रही है।

जेपी नड्डा ने बताया, हर घर सूर्य योजना के बारे में बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस पर अपनी बात रखी। इस योजना को लेकर बहुत अच्छा काम किया गया है। इस योजना के माध्यम से न ही सिर्फ लोगों को बिजली मिल रही है, बल्कि वे बिजली बेच भी रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर और सक्षम भारत के निर्माण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, रविवार को नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में भाग लिया। एकजुट शक्ति के रूप में, हमने 'विकसित भारत बनाने के अपने सामूहिक संकल्प की पुष्टि की।

मिस इंग्लैंड ने बीच में छोड़ी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता

हैदराबाद। हैदराबाद में मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता चल रही है। इस आयोजन में शामिल होने के लिए कई देशों की प्रतिभागी शामिल होने के लिए भारत में आई हैं। प्रतियोगिता के दौरान मिस इंग्लैंड, मिला मैगी ने आयोजकों के ऊपर आरोप लगाया है। प्रतियोगिता में आयोजकों द्वारा प्रतियोगियों का शोषण और अनैतिक व्यवहार किया जा रहा है। मिस इंग्लैंड ने ब्रिटेन के अखबार द सन के साथ बातचीत करते हुए कहा है। प्रतियोगियों को मनोरंजन की वस्तु की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। धनी-मानी पुरुष प्रायोजकों के सामने दिन भर प्रतियोगियों को मेकअप और गाउन में बैठाकर रखा जाता है। जिस तरह से प्रॉस्टिट्यूट सज संवरकर ग्राहकों के इंतजार में बैठी रहती हैं।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना

नई दिल्ली। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। अब हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह घोषणा नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने की है। उन्होंने कहा है कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लेटेस्ट आंकड़ों पर आधारित है। सुब्रह्मण्यम ने यह जानकारी नई दिल्ली में आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में दी।

बैठक के दौरान 'विकसित राज्य से विकसित भारत 2047 विषय पर केंद्र और राज्यों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ। नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि इस बैठक में मैन्युफैक्चरिंग, सेवाएं, ग्रामीण और शहरी गैर-कृषि क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र, ग्रीन और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सुब्रह्मण्यम ने कहा, भारत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से उसकी अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से आगे बढ़ सकती है। हम टेक-ऑफ स्टेज पर हैं।

अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे

सुब्रह्मण्यम ने कहा, जैसा कि मैं बोल रहा हूं, भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह मेरा नहीं बल्कि आईएमएफ का डेटा है। भारत अब जापान से आगे निकल गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। यदि भारत की आर्थिक प्रगति इसी रफ्तार से चलती रही तो आने वाले 2 से 3 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

अगले साल 4,187 अरब डॉलर होगी

आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (अप्रैल 2025) रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में भारत की जीडीपी करीब 4,187 अरब डॉलर होगी। वहीं, जापान की जीडीपी अनुमानित रूप से 4,186 अरब डॉलर रहने की संभावना है। भारत 2024 तक दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। आईएमएफ का कहना है कि भारत 2025 और 2026 में क्रमश- 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करेगा। इसके विपरीत वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर 2025 में 2.8 प्रतिशत और 2026 में 3 प्रतिशत रहने की संभावना है। यह आंकड़े भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को रेखांकित करते हैं।

वकीलों के मेडिकल इंश्योरेंस के लिए सिब्बल ने अंबानी-अडानी से मांगे 50 करोड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा वकीलों के लिए शुरू की गई 50 करोड़ की सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर एसोसिएशन में आंतरिक विवाद उभर आया है। इस योजना के तहत देश के प्रमुख उद्योगपतियों से धन जुटाया गया है, लेकिन एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने इसे लेकर पुनर्विचार या रद्द करने की बात कही है।

सिब्बल ने वकीलों की चिकित्सा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उद्योगपतियों से फंड इकट्ठा कर 2 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देने की पहल की। योजना के तहत नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से अपोलो समूह की मदद से बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीमा योजना का लाभ लगभग 2,700–2,800 सदस्यों को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए देश के प्रमुख उद्योगपति और रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 10 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा, अनिल अंबानी, गौतम अडानी, एन चंद्रशेखरन (टाटा), समीर मेहता (टोरेंट), जीएम राव, कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल (वेदांता), लक्ष्मी मित्तल जैसे कारोबारियों ने 5 करोड़ दिए।

एसोशिएसन के नए अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में इस योजना को फिर से बातचीत के ज़रिए बदला जाना चाहिए या समाप्त कर देना चाहिए। 2 लाख के बीमा कवर के लिए जो प्रीमियम हम दे रहे हैं वह 5 लाख के कवर की तुलना में कहीं ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना केवल आर्थिक रूप से जरूरतमंद वकीलों के लिए होनी चाहिए, न कि सभी के लिए, जिसमें वे खुद और सिब्बल भी शामिल हैं।

किसी ने कलेक्टर तो किसी ने डॉ. बनने की जताई इच्छा

मरार समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सम्पन्न, 250 से अधिक विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मरार माली समाज बालाघाट के तत्वावधान में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रविवार 25 मई को प्रात: 11 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के उन प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया जिन्होने कक्षा दसवी व 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर समाज को गौरान्वित किया है।कार्यक्रम का आयोजन माता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास बूढ़ी में किया गया।जहा समाज के पदाधिकारियों ने कक्षा दसवीं कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों सहित नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाने वाले, जिला स्तरीय, सम्भाग स्तरीय ,राज्य स्तरीय, व राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता और खेल कूद में बालाघाट जिले व समाज का नाम रोशन करने वाले करीब 250 से अधिक विद्यार्थियों को नगद राशि, पुष्पगुच्छ व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रतिभावान विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपने आगामी लक्ष्य को सामाजिक बन्धुओ के समक्ष रखा। जिसमें किसी विद्यार्थी ने कलेक्टर, किसी ने डॉक्टर ,किसी ने एसपी, तो किसी ने अन्य क्षेत्रों में अपना करियर बनाने की बात कही। वहीं कार्यक्रम में शामिल उपस्थित अतिथियों व पदाधिकारियो ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहने, पे टू सोसायटी का संकल्प लेने, व सामाजिक उत्थान की बात कही। तो वहीं उन्होंने जिले भर से आए सामाजिक बन्धुओ को संबोधित करते हुए आपसी एकता बनाए रखते हुए तालमेल के साथ समाज संगठन को मजबूती प्रदान करने और सभी को मिल जुल कर रहने की समझाईश भी दी। जहां देर शाम सुरुचि भोज के बाद इस सम्मान समारोह कार्यक्रम का समापन किया गया।

12वीं के 95 व 10वीं के 156 बच्चों का किया सम्मान

जिला मरारमाली समाज बालाघाट के द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में कक्षा 10 व 12 के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने वाले विद्यार्थियों तथा नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान कक्षा बारहवी में 80 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले 95 विद्यार्थियों व कक्षा दसवी में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लानेवाले 156विद्यार्थियों सहित नवोदय विद्यालय के लिये चयनित 5 बच्चों का सम्मान किया गया। सम्मान स्वरूप बच्चो को प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि अशोक मरठे प्राचार्य शास. महाविद्यालय खमरिया (जबलपुर),प्रमुख अतिथि पारस ठाकरे सहायक प्राध्यापक पी.जी. कॉलेज बालाघाट थे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश पंचे जिला अध्यक्ष मरारमाली समाज बालाघाट ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में बालाघाट ब्लाक से धनेन्द्र पांचे उ.मा.शिक्षक, प्रज्ञा मानेश्वर शा. प्रबंधक ग्रामीण बैंक, रविकांत पांचे उच्च. माध्यमिक शिक्षक, मनीषा कावरे स्वास्थ्य विभाग उपस्थित रहे। इसी तरह वारासिवनी ब्लाक से नंदलाल तामेश्वर शिक्षक, सुलोचना भंवरे प्राथमिक शिक्षक, लालबर्रा से चिरंजय मानेश्वर सहा सांख्यिकी अधिकारी, सरोज देशमुख प्राथमिक शिक्षक उपस्थित रहे। जबकि कटंगी से आर.पी.मरठे शाखा प्रबंधक सहकारी बैंक, भारती नागेश्वर प्राथमिक शिक्षक, खैरलांजी से दुलीराम भंवरे प्राथमिक शिक्षक, किरनापुर से गणेश मानेश्वर उ.मा.शिक्षक, गणेश देशमुख उ.मा.शिक्षक, पुष्पा खैरवार उच्च.मा. शिक्षक, हस्तकला बाहेश्वर मा. शिक्षक, लांजी से उत्तम देवाहे, गौरी इंगले अतिथि शिक्षक, कलावंती बड़मे आ. कार्यकर्ता, बिरसा परसवाड़ा से सुकरूलाल गाडेश्वर कोल माइंस, धन्नालाल पंचेश्वर माध्यमिक शिक्षक, संजय पंचेश्वर आ. सिविल इंजिनियर, मोहिनी मरठे स्वास्थ्य विभाग,शिवकुमार मानेश्वर प्राचार्य शा.उ.मा. विद्यालय परसवाड़ा, शशांक राणा उ.नि. थाना चांगोटोला शामिल हुये। उक्त कार्यक्रम का मंच संचालक विजय पांचे मा. शिक्षक एवं श्रीमती विंदेश्वरी पंचे मध्यमिक उच्च. शिक्षक ने किया।

बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक लाकर समाज को गौरान्वित किया है

इस दौरान अतिथियों ने अपने उदबोधन में कहा कि बालाघाट जिले के विभिन्न ग्रामीण व शहरी बच्चों ने कक्षा बारहवी एवं 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाकर समाज को गौरान्वित किया है। हमारे लिये बड़े गर्व की बात है कि हमारे बच्चों ने कडी मेहनत करके अधिक अंक अर्जित किये है।एक बेटी ने तो 99 प्रतिशत अंक हासिल किया है। पदाधिकारियों ने कहा कि पढ़ाई जीवन का मूल आधार है। जब तक हम शिक्षित नही होगें तब तक हमारा समाज भी आगे नही बढ पायेगा। इस वर्ष 256 बच्चों का सम्मान हो रहा है और इसी तरह मेहनत जारी रही तो आगामी वर्षो में 500 से अधिक बच्चों को सम्मानित करेगें। अतिथियों ने अपने अपने अनुभव भी साझा किये और महापुरूषो की संघर्ष और मेहनत के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देकर उन्हे प्रेरित किया। पदाधिकारियों ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा की अलख जगाई थी और आज हम सब शिक्षा ग्रहण करके आगे बढ रहे है उसका श्रेय महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले को जाता है। पदाधिकारियों ने कहा कि पढ़ाई के प्रति निरंतर रूझान के कारण ही हमारे बच्चे अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हुये है और आगे भी इसी तरह मेहनत करके अच्छे अंक अर्जित करेगें। यही बच्चे आगे चलकर बडे बडे प्रशासनिक पदो पर हमे दिखाई देगें।सभी पदाधिकारियों ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये उन्हे शुभकामनाएं प्रदान की। इस दौरान जिला मरारमाली समाज के समस्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त सभी दस ब्लाकों से आये हुये सामाजिक पदाधिकारी,कार्यकर्ता,विद्यार्थी व उनके परिजन उपस्थित रहे।

इन विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

जिला मरारमाली समाज बालाघाट के तत्वावधान में कक्षा 12वीं एवं 10वीं के सर्वाधिक अंक लाने वाले प्रथम तीन विद्यार्थियों को पुरूस्कार स्वरूप राशि भी प्रदान की गई। कक्षा बारहवी के गणित संकाय में सर्वाधिक 94 प्रतिशत अंक लाने वाले गीतांश राज पिता राधेश्याम चौधरी निवासी बघोली को एक हजार रूपये का पुरूस्कार, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया गया। इसी तरह गणित संकाय में दितीय स्थान प्राप्त करने वाले मयूरी पिता केवल काटंगकर निवासी आलेझरी को 92 प्रतिशत अंक लाने के कारण द्वितीय पुरूस्कार के रूप में 7 सौ रूपये की राशि, प्रसस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया गया।इसी कड़ी में गीतेश पिता भारत खरे एवं तारणी पिता सेवकराम बाहे ने 90.8 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान पर रहे। जिन्हे भी 500-500 रूपये के पुरूस्कार प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया गया। कक्षा बारहवी के जीव विज्ञान संकाय में शुभम पिता श्यामलाल नागेश्वर निवासी चिकमारा ने 94 प्रतिशत अंक अर्जित किया। जिन्हे एक हजार रूपये पुरूस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जीव विज्ञान संकाय में दीपा पिता डिलन पंचतिलक निवासी पिपरया ने 92.6 प्रतिशत अंक हासिल की है जिन्हे सात सौ रूपये पुरूस्कार, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया गया।इसी संकाय में प्रफुल्ल पिता शमीप्रसाद कावरे निवासी सरेखा भंडेरी ने 91 प्रतिशत अंक हासिल किया है जिन्हे 500 रूपये नगद पुरूस्कार, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कक्षा बारहवी की कृषि संकाय में शोभा पिता सरोज दांदरे निवासी गणेशपुर लालबर्रा ने 93.8 प्रतिशत अंक हासिल की है। जिन्हे 1000 रूपये पुरूस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया गया। इसी तरह कृषि संकाय में रामू पिता रेधुलाल पांजरे निवासी बाहीटोला बैहर ने 91.6 प्रतिशत अंक अर्जित किया है जिन्हे 700 रूपये नगद स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। कृषि संकाय में ही मिनेश पिता छगन नागेश्वर निवासी आमगांव किरनापुर से भी 91.6 प्रतिशत अंक हासिल किया है जिन्हे भी 700 रूपये नगद पुरूस्कार स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र दिया गया। इसी संकाय में राखी पिता नंदलाल कावरे ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त की है जिन्हे 500 रू नगद , पुरूस्कार, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र दिया गया। कक्षा बारहवी की कला संकाय में शिवानी पिता देवराम तामेश्वर निवासी कटंगी ने 83.8 प्रतिशत अंक हासिल की है जिन्हे 1000 रूपये पुरूस्कार, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र दिया गया। इसी संकाय में नीलम पिता ओमकार पंचे निवासी टिमकीटोला किरनापुर ने 80.4 प्रतिशत अंक हासिल की है जिन्हे 700 रूपये नगद, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र दिया गया। इसी तरह कक्षा दसवी की बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली जान्हवी पिता इंद्रकुमार टिकेश्वर निवासी कोडप्पा लांजी को 1000 रू का नगद पुरुस्कार, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। जान्हवी टिकेश्वर ने मध्यप्रदेश की टॉपटेन सूची में 6वें स्थान पर रही है। कक्षा दसवी में रोमा पिता बिहारी खरे निवासी बम्हणगांव ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त की है जिन्हे 700 रूपये नगद पुरूस्कार, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया गया। इसी क्रम में आशीष पिता सरवनलाल तामेश्वर ग्राम अंसेरा ने 97.6 प्रतिशत अंक हासिल किया है। जिन्हे 500 रूपये नगद पुरूस्कार, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सभी ब्लाको मे निःशुल्क कोचिंग प्रारंभ करने का प्रयास हो रहा-सिंगनधुपे

जिला मरारमाली समाज बालाघाट के शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी जी.एल.सिंघनधुपे ने बताया कि जिस तरह बालाघाट में निःशुल्क कोचिंग क्लास चल रही है। उसी प्रकार जिले के सभी ब्लाकों में निःशुल्क कोचिंग प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होने बताया कि निःशुल्क कोचिंग में अध्ययन करने वाले बच्चों ने कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। अब हम निःशुल्क कोचिंग संस्था का दायरा बढाकर सभी 10 ब्लाकों में प्रारंभ करने का प्रयास कर रहे है।

पहले दिन नही तपा– नौतपा, नौतपा पर दिखे गर्मी के ढ़ीले तेवर

जिले के विभिन्न क्षेत्रो में होती रही बूंदाबांदी, नौतपा में तापमान बढ़ने के नही मिले संकेत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मौसम में उतार चढ़ाव की पूर्व गतिविधियों के बीच आज 25 मई रविवार से नौतपा की शुरुआत हो गई।जहा मई माह में लगने वाला यह नौतपा 2 जून तक रहेगा।लेकिन नौतपा में लगने वाली भीषण गर्मी का असर इस नौतपा के पहले दिन देखने नही मिला और नौतपा का पहला दिन बिल्कुल नहीं तपा। जहा नौतपा के पहले दिन सुबहा चुभन देने वाली गर्मी नदारत रही।बताया जा रहा है कि आद्रता भरी हवाएँ सक्रिय होने से उतनी अधिक तेज धूप व भीषण गर्मी नहीं लग रही है। जितनी अमूमन मई माह में लगने वाले नौतपा दिनों में लगती है। आज 25 मई

रविवार से नौतपा की शुरुआत हुई, लेकिन नौतपा के पहले दिन तापमान में किसी तरह की बढ़ोत्तरी देखने नहीं मिली। कहा जाए तो पहले दिन नौ-तपा फ्लाप रहा।वही मौसम में आए इसी बदलाव के बीच मौसम विभाग ने रविवार को नगर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया तो वही न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा जो पिछले दिनों के मुकाबले कम है। मौसम विभाग की मानें तो इस नौतपा में तापमान पूर्व की भाँति बढ़ने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं ।कुल मिलाकर कहा जाए तो नौतपा में लगने वाली भीषण गर्मी चिपचिपी धूप, गर्म हवाएं, लूं सहित झुलसा देने वाला तापमान इस नौतपा में देखने को नहीं मिलेगा। जिसका असर पहले दिन से दिखना शुरू हो गया है।जहां नौतपा का पहला दिन बिल्कुल नहीं तपा और दोपहर को छोड़कर मौसम में हल्की आद्रता बनी रही।उधर मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी कर इस बार नौतपा के तापमान में 28 मई तक इजाफा नही होने की बात कही है।वही नौतपा के इन 9 दिनों में से आगामी 04 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, और बीच बीच मे जिले भर में आंधी तूफान व धूल भरी हवाओ के बीच हल्की बारिश व बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है।

पिछले 2 वर्षों से नही तप रहा नौतपा

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सूर्य घूमते हुए मध्य भारत के ऊपर आ जाता है. जब सूर्य कर्क रेखा के पास पहुंच जाता है तब वह 90 डिग्री की पोजीशन में होता है ।इस वजह से सूर्य की किरणें सीधी पृथ्वी पर पड़ती हैं. इसी कारण तापमान बढ़ जाता है।जिससे मई माह में दिन बड़े होते हैं और रेडिएशन भी ज्यादा हो जाता है। यही वजह है कि पृथ्वी इन दिनों भट्टी की तरह तपती है.पृथ्वी के तपने के कारण ही नौतपा में लोगों को भीषण गर्मी का एहसास होता है।लेकिन पिछले 2 वर्षो की तरह इस वर्ष भी मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया है।जिससे नौतपा नहीं तप रहा है। जिसका असर नौतपा के पहले ही दिन से स्पष्ट देखने को मिला है ।

आवश्यकता है
मेडिकल होलसेल/ रीटेल में कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
अनुभवी एवं कम्प्युटर प्रशिक्षित को प्राथमिकता
-संपर्क करें-
मनीषा मेडिकोज, बालाघाट
मो. 7073101956

जूडो कराटे ट्रेनिंग कैंप का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जूडो कराटे ट्रेनिंग कैंप का आयोजन स्थानीय कमला नेहरू गर्ल्स कॉलेज में किया गया। यहां जबलपुर से आए प्रशिक्षक और छात्राओं ने बालाघाट के छात्र-छात्राओं को जूडो कराटे की ट्रेनिंग दी। जबलपुर से आई छात्रा और प्रशिक्षकों के द्वारा बालाघाट के छात्र-छात्राओं को जूडो से संबंधित आर्ट और कला सिखाई ,जहां कैंप में बताया गया कि किस प्रकार से हम विषम परिस्थितियों में जूडो के माध्यम से अपनी रक्षा कर सकते हैं ,वहीं इस कैंप में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि

भी सम्मिलित हुए । बता दे कि जूडो कैंप का आयोजन बालाघाट जिला कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ द्वारा शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 25 मई रविवार को किया गया । यहाँ कॉलेज प्राचार्य तथा संस्था के संरक्षक अनिल धुवारे उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया संस्था सचिव संतोष पारधी सह सचिव चंद्रकांत पिंपलेवार सदस्य शुभम मानेश्वर द्वारा या प्रशिक्षण जबलपुर से जूडो प्रशिक्षक आबिद हुसैन खान जो की मध्य प्रदेश जूडो संघ के कोषाध्यक्ष तथा सीनियर नेशनल रेफरी तथा उनके खिलाड़ी छात्राओं द्वारा यह प्रशिक्षण दिया गया । यह प्रशिक्षण शिविर मध्य प्रदेश के जनरल सेक्रेटरी नरेश टटवाडे के मार्गदर्शन में बालाघाट कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ द्वारा आयोजित किया गया है । यह कैंप बालाघाट जिले में पहली बार आयोजित किया गया है । जूडो एक ऐसा खेल है जिससे खिलाडियों को प्रतिवर्ष खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा खेल वृत्ति प्राप्त होती है यह खेल खेलो इंडिया नेशनल गेम तथा ओलंपिक में शामिल है।

सूरजलाल करकाडे पुनः चुने गए जिला ऐरडेले तेली समाज के जिलाध्यक्ष

सर्वसम्मति से किया गया मनोनीत,कार्यकारिणी में नए सदस्यों को दी प्राथमिकता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट जिला ऐरडेले तेली समाज संगठन के द्वारा रविवार को आमसभा का आयोजन कर पुन: एक बार फिर सूरजलाल करकाडे को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। आपको बता दे की जिला ऐरडेले तेली समाज संगठन की कार्यकारिणी का कार्यकाल हाल ही में 22 मई को समाप्त हो गया था। जिनकी नई कार्यकारिणी का गठन करने के लिए जिले भर के सामाजिक जनो को 25 मई को नगर के बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में बुलाकर आमसभा आयोजित की गई थी। जिसमें जिले भर के स्व जाती बंधु, समाज के वरिष्ठ जन व महिलाएं शामिल थी। सर्वप्रथम समाज के आराध्य संत श्री जगनाडे महाराज व माता कर्मा की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात समाज संगठन के सचिव रुमनलाल देवारे द्वारा 2022 से लेकर 2025 तक के आय व्यय का लेखा-जोखा एवं तीन वर्षो में किए गए कार्यकाल का उल्लेख किया गया। संगठन के सचिव के द्वारा कार्यकम को आगे बढ़ाते हुए अध्यक्ष मनोनीत करने के लिए पांच सदस्य समिति बनाई गई। जिसमें धनलाल देवारे, शंकर लाखडे, वेदप्रकाश करकाडे, रूमनलाल देवारे, शिवचंद देवारे शामिल रहे। समिति के अध्यक्ष के रूप में धनलाल देवारे को मनोनीत किया गया।समिति के द्वारा सभी सामाजिक जनों की राय ली गई। सर्वसम्मति से सूरज करकाड़े को पुन: जिला अध्यक्ष बनाया गया।

मनोनयन के तुरंत बाद अध्यक्ष ने किया कार्यकारिणी का गठन

उधर पुन: अध्यक्ष मनोनीत किये जाने के बाद सूरज करकाडे द्वारा जिला कार्यकारिणी बनाई गई। जिसमें संरक्षक धनलाल देवारे, वेदप्रकाश करकाडे, देवीलाल ठाकरे, बुधराम देवारे,उपाध्यक्ष शंकर कोलते, सचिव रुमन लाल देवारे, कोषाध्यक्ष तिलक करकाड़े, सहसचिव नवीन देवारे, अनिल देवारे, मिडिया प्रभारी योगेश करकाडे को मनोनीत किया गया।

समाज का भवन बनाना प्राथमिकता - सूरज करकाड़े

पुन: जिला अध्यक्ष मनोनीत होने के पश्चात मीडिया से चर्चा के दौरान जिला अध्यक्ष सूरज करकाड़े ने कहा कि बीते 3 वर्षों में उनके द्वारा पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ समाज के लिए तन मन धन से कार्य किया गया। जिसमें उनके साथ पूरी कार्यकारिणी की टीम और समाज के वरिष्ठ जनों के सहयोग से समाज के लिए जमीन खरीदी गयी। इस दौरान 20 ग्राम समितियां का गठन किया गया इसके अलावा अन्य कार्यक्रम आयोजन संगठन द्वारा किए गए। जिसमें समस्त सामाजिक बंधुओ का भरपूर सहयोग मिला। इस कार्यकाल में उन्होंने कहा जो भरोसा समाज के लोगों ने उन पर दिखाया है उस भरोसे पर खरे उतरते हुए। 3 साल के भीतर समाज का भवन बनकर और अन्य सामाजिक गतिविधियों को बढ़ाकर समाज का नाम जिले में लाने का भरपूर प्रयास करेंगे और वे सभी सामाजिक जनों से यह निवेदन करते हैं कि सामाजिक कार्य में सब मिलजुलकर सहयोग करें और समाज इसी तरह उन्नति के पथ पर अग्रसर करें।

जमीन चाहिए
ठेका पर कृषि भूमि कि आवश्यकता है, पानी, बिजली सर्वोयुक्त कृषि योग्य
केवल बालाघाट/ वारासिवनी क्षेत्र के किसान संपर्क करें
संपर्क करें
8959050199

विक्रय/किराये से देना है
श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है
-संपर्क-
8817024586, 9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हनुमान चौक की जल भराव की समस्या का सीएमओ ने किया निरीक्षण

वर्षों बाद भी जैसी की वैसी बनी हुई है हनुमान चौक में जल भराव की समस्या, वार्ड वासियों ने जताई नाराजगी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर का हृदय स्थल कहे जाने वाले हनुमान चौक में कई दशकों से जलभराव की समस्या बनी हुई है। लेकिन सिस्टम की लापरवाही के चलते आज तक इस समस्या का हल नहीं निकल पाया। कुछ देर की बारिश में ही नाले का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगता है जिसके चलते स्थानीय लोगों के साथ आने जाने वाले लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। इन्ही समस्याओं का जायजा लेने नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा हनुमान चौक में जल भराव की समस्या का निरीक्षण किया गया , जहां वार्ड वासियों ने हनुमान चौक में जल भराव की समस्या को लेकर नाराजगी जाहिर की, उन्होंने कहा कि वर्षों से सिर्फ उन्हें आश्वासन ही मिल रहा है पर समस्या का समाधान नहीं हो रहा उन्होंने समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका से गुहार लगाई है।

आपको बता दे की हनुमान चौक की जल भराव की समस्या आज की नहीं है बल्कि वर्षों से वह समस्या बनी हुई है । जिसके लिए कई नगर सरकार आयी और कई नगर सरकार चली गई, जिन्होंने वार्ड वासी सहित स्थानीय व्यवसाईयों को हनुमान चौक की जल भराव की समस्या से निजात दिलाने की बात कही थी । किंतु आज तक कोई भी नगर सरकार द्वारा हनुमान चौक की समस्या को खत्म नहीं किया गया है। बल्कि इस बार बैठी सत्ता पक्ष की नगर सरकार ने भी हनुमान चौक में जल भराव की समस्या को समाप्त करने की बात कही थी , किंतु कुछ वर्ष बीत जाने के बावजूद भी आज तक हनुमान चौक की जल भराव की समस्या खत्म नहीं हुई है । इसी समस्या से निपटने के लिए कलेक्टर मृणाल मीणा ने नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को हनुमान चौक की समस्या को खत्म करने सहित निरीक्षण के निर्देश दिए , जिसको लेकर 25 मई को मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया ने सुबह के समय हनुमान चौक में चल रहे निर्माण कार्य सहित जल भराव होने पर पानी की निकासी की स्थिति को देखा वही निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानीय निवासी सहित व्यवसाईयों ने जल भराव की समस्या पर नाराजगी भी जाहिर की, जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा अभी भी जल्द ही इस समस्या को खत्म किए जाने की बात कही जा रही है। अब देखना होगा कि आगामी बरसात के समय में समस्या का कुछ हल निकल पाता है या फिर पुन: वर्षों की तरह इस बार भी हनुमान चौक में जल भराव की समस्या जैसी की वैसी बनी रहती है ।

नदी जैसे हालात यहां बन जाते हैं - नीरज मोदी

स्थानीय व्यवसायी नीरज मोदी बताते हैं कि वह रहने वाले बाहर के हैं । लेकिन वर्ष 2003 से हनुमान चौक में ही अपना व्यवसाय कर रहे हैं और यहां थोड़ी सी ही बारिश में हनुमान चौक में जल भराव की स्थिति हो जाती है और नदी जैसे हालात यहां बन जाते हैं यहाँ लगभग शहर के अलग-अलग चौक से पानी आकर जमा होता है । यहां पर पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है । यहां एक से दो घंटे तक जल भरा रहता है । लोग यहां पर परेशान होते रहते हैं ,कई बार यहां स्कूली बच्चे आने-जाने के दौरान फिसल जाते हैं, साथ ही यहां व्यवसाय करने वाले भी परेशान होते हैं । कई बार संबंधित अधिकारी आए और गए पर किसी ने भी इस जल भराव की समस्या का समाधान नहीं किया है । लंबे समय तक एक ही सरकार के रहने से समस्याओं का समाधान नहीं होता, इसलिए सरकार को समय-समय पर बदलना चाहिए जिससे जनता का दबाव जनप्रतिनिधियों पर बना रहे।

कोई भी इंजीनियर सही नहीं है - प्रशांत जैन

प्रशांत जैन बताते हैं कि नगर पालिका में बैठे कोई भी इंजीनियर सही नहीं है जो गाइडलाइन के अनुसार पानी की निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए उस प्रकार से यहां काम नहीं होता है । हनुमान चौक की जल भराव की समस्या जैसी की वैसी बनी हुई है उन्होंने बताया कि पानी के आने का स्रोत दो नालियों से है और पानी एक ही नाली से जाता है, इस कारण से यहां जल भराव की स्थिति बनती है ,जिस प्रकार से कार्य चल रहा है उसको देखते हुए यही लग रहा है कि आगामी समय में भी पानी इसी प्रकार से भरा रहेगा और यहां समस्या जैसी की वैसी ही बनी रहेगी।

जल भराव की समस्या का कुछ उद्धार कर दे - सौरभ अग्रवाल

सौरभ अग्रवाल बताते हैं कि उन्हें एक निजी कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा नगर पालिका का महत्व बताते हुए बताया गया था कि नगर पालिका पूरे शहर को पालने वाली मां होती है तो वह नगर को पालने वाली मां से निवेदन कर रहे हैं कि हनुमान चौक के जल भराव की समस्या का कुछ उद्धार कर दे ,ताकि वह इस प्रकार की समस्या से परेशान ना हो, क्योंकि उनके द्वारा बीते वर्ष भी हनुमान चौक की समस्या को समाप्त करने की बात कही थी किंतु आज भी समस्या जैसी की वैसी बनी हुई है , उन्होंने यह भी बताया कि बीते वर्ष जो समस्या खत्म हुई थी वह कीचड़ की समस्या थी। किंतु पानी के जल भराव की समस्या आज भी जैसी की वैसी है । नगर पालिका लीपा पोती वाला काम करती है, वह ऐसा काम करना बंद करें और जो वास्तव में समस्या है उसका समाधान करें ताकि हनुमान चौक में व्यवसाय करने वाले व्यापारी सहित वार्ड वासी जल भराव की समस्या से निजात पा सके।

जलभराव जैसी स्थिति नहीं बनेगी- बी.डी कतरोलिया

नगर पालिका के सीएमओ बीडी कतरोलिया से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि हनुमान चौक में लंबे समय से जलभराव जैसी स्थिति बनते आई है जिसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने निर्देश भी दिए है कि नालों की सफाई की जाए और जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए,हमारे द्वारा हनुमान चौक के नाले की सफाई की जा रही है और नाले का निर्माण कार्य भी जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे कि जलभराव जैसी स्थिति नहीं बनेगी।

मानेगांव निवासी सुदेश से मोटर चोरी के शक में कई गई थी मारपीट

हत्या के आरोप में रंजीत केटटी और सुरेश हिरवाने गिरफ्तार- न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मानेगांव निवासी सुदेश सिंगरे 45 वर्ष की दो व्यक्ति द्वारा की गई मारपीट से मौत हुई थी इस मामले में भरवेली पुलिस ने मर्ग जांच उपरांत सुदेश सिंगरे की हत्या करने के आरोप में उसी के गांव के दो

व्यक्ति रंजीत केटटी उर्फ मांजू पिता नन्दलाल केटटी 43 वर्ष और सुरेश हिरवाने पिता कुँवरलाल हिरवाने 42 वर्ष दोनो ग्राम मानेगांव के विरुद्ध हत्या के अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपी ने मोटर चोरी के शक में सुदेश सिंगरे से बेरहमी से मारपीट की थी जिससे उसके गले की हड्डी टूट गई था। 25 मई को दोनों आरोपी को विद्वान अदालत में पेश कर दिया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मानेगांव वार्ड नंबर 2 में सुरेश सिंगरे अपने परिवार के साथ रहता था और मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नीऔर एक लड़का शिव शंकर सिंगरे 21 वर्ष का है और वह पढ़ाई कर रहा है । यह भी बताया गया है कि सुदेश सिंगरे शराब पीने का आदी था। घटना 22 मई के दिन सुदेश सिंगरे के साथ दो लोगों ने मारपीट की थी ।इसके बाद से ही उसकी तबीयत खराब हो गई थी। रात्रि 10 बजे सुदेश सिंगरे को तुरंत ही जिला अस्पताल आए थे।किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। इसके बाद सुदेश सिंगरे की लाश उसके परिजनों ने घर ले गए थे। किंतु 23 मई को सुदेश सिंगरे के बेटे रवि शंकर सिंगर ने अपने पिता सुदेश सिंगरे की मारपीट से मौत होने की रिपोर्ट भरवेली पुलिस थाना में की थी। सहायक उप निरीक्षक सोमलाल कावरे ने मृतक सुदेश सिंगरे की लाश जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। बताया गया है कि सुदेश सिंगरे के गला सीना सहित अन्य जगहों में कुछ चोट के निशान पाए गए ।जिससे सुदेश सिंगरे की मारपीट में आई आंतरिक चोट की वजह से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मर्ग जांच दौरान रंजीत केटटी और सुरेश हिरवाने को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तब रंजीत केटटी ने बताया कि दस दिन पहले उसके खेत की मोटर चोरी हो गई थी उसे शक था कि उसकी मोटर सुदेश सिंगरे ने चोरी किया है तब घटना दिनांक को उसने सुरेश हिरवाने के साथ सुदेश सिंगरे को पकड़ कर खेत लेगये और उसे शराब पिलाई और मोटर के सम्बंध में पूछताछ किये तभी विवाद बढ़ गया और दोनो ने सुदेश सिंगरे को बेरहमी से मारपीट कर दिए थे। जिससे उसके गरधन की हड्डी टूट गई थी ।रंजीत केटटी उर्फ मांजू और सुरेश हिरवाने के विरुद्ध सुदेश सिंगरे की हत्या करने के आरोप में धारा 106 भारतीय न्याय सँहिता के तहत अपराध दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिये। 25 मई को दोनों को अदालत में पेश कर दिए जहा से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

ये लापरवाही कही पड़ ना जाए भारी

ट्रांसफार्मर के नीचे लग रही दुकानें, बड़ी दुर्घटना का अंदेशा

कोई ट्रांसफार्मर से सटकर लगा रहा दुकान, कोई ट्रांसफार्मर में ही बांध रहा तिरपाल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। नगर मुख्यालय में शार्ट सर्किट से स्पार्किंग व आगजनी के मामले समय समय पर सामने आते रहते हैं। पिछले दिनों शहर के भटेरा रोड और गोंदिया रोड के ट्रांसफार्मर व सर्विस लाइन में स्पार्किंग की घटना भी सामने आ चुकी है। बावजूद इसके शहर में इनकी अनदेखी कर ट्रांसफार्मर के नीचे ही दुकानें संचालित की जा रही है ।जहा नगर के प्रमुख चौराहों व सडक किनारे लगाए गए विद्युत ट्रांसफार्मरों के नीचे दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर दुकानें संचालित की जा रही है। इन स्थानों पर कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित होने की प्रबल आशंका बन रही है ।जिसपर जिम्मेदारो का कोई ध्यान नही है। वही दुकानदारों की लापरवाही उन्हें बहुत ज्यादा भारी भी पड़ सकती है।

जान की परवाह किए बिना दुकानों का हो रहा संचालन

नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गों में लगे ट्रांसफार्मर के नीचे दुकानें संचालित करने का यह मामला कोई नया नही है ।बल्कि बरसो से नगर के विभिन्न क्षेत्रो के विघुत ट्रांसफार्मर के नीचे या ट्रांसफार्मर से सटाकर दुकानों का संचालन किया जा रहा है ।जहां दुकानदार भी अपनी जान की परवाह किए बिना ऐसे ट्रांसफार्मरों के पास दुकानें संचालित कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में एमपीईबी के अधिकारियों की उदासीनता भी सामने आ रही है। जिनके द्वारा तमाशबीन बनकर दुर्घटना होने का इंतजार किया जा रहा है। हॉलाकि अधिकारियों का कहना है कि यह स्वयं की जागरूकता का विषय है ।जब दुकानदार को मालूम है कि वहां दुकानें लगाने से खतरा हो सकता है, तो उन्हें ट्रांसफार्मर से एक निश्चित दूरी बनाई रखनी चाहिए।

यहां दुकाने हो रही संचालित

जानकारी के अनुसार इन दिनों में लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मरों में चिंगारी और ट्रांसफार्मर के जलने के मामले लगातार घटित हो रहे हैं। इससे करंट फैलने का भी भय बना हुआ है। बावजूद इसके शहर के जय स्तम्भ चौक, गायत्री मंदिर के सामने, भगवान बिरसा मुंडा चौक , मेन रोड सहकारी बैंक के सामने, एलआई चौक, बैहर रोड और गुजरी बाजार पहुंच मार्ग में तो तीन से अधिक स्थानों में ट्रांसफार्मरों से सटकर चाय-पानठेला चायठेला, कपड़ा दुकान, सब्जी दुकान लगाई जा रही है। इनमें गुजरी बाजार चौक में तो ट्रांसफार्मर में ही सब्जी विक्रेता चादर, तिरपाल बांधकर व्यवसाए कर रहे हैं।

नहीं मानते दुकानदार

इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने बताया कि कई बार दुकानदारों को ट्रांसफार्मर व बिजली पोल के नीचे दुकान नहीं लगाने की हिदायत दी जाती है। दुकान भी हटाने कार्रवाई की गई, लेकिन दुकानदार नहीं मानते और कुछ दिन बाद उसी जगह पर दुकान लगा लेते है।

कोई घटना होने पर दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होगा- अंकित मार्को

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जेई बालाघाट टॉउन, अंकित मार्कों ने बताया कि ट्रांसफार्मर से करीब 10-12फीट दूरी तक कुछ भी संचालित नहीं होना चाहिए ।दुकानदारों को ट्रांसफार्मर के नीचे से दुकान हटाने कई बार हिदायत दी गई है। लेकिन दुकानदार ट्रांसफार्मर के नीचे ही दुकान लगा लेते हैं। यह स्वयं की जागरुकता का विषय है। यदि ऐसे में कोई घटना घटित होती है, तो दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होगा।

36वीं जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता सम्पन्न

राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए किया गया खिलाड़ियों का चयन, जूनियर, सब जूनियर और सीनियर खिलाड़ी प्रतियोगिता में हुए शामिल

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। जिला तैराकी संघ बालाघाट द्वारा 36 वी जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन आज 25 मई रविवार को किया गया ।आयोजित इस जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में जिले के जूनियर, सब जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें चयनित खिलाड़ियों को आगामी समय मे खंडवा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा। वारासिवनी रोड डोंगरिया स्थित ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल के स्विमिंग पूल में आयोजित इस 36 वी जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में तैराकी के 17 इवेंट का आयोजन हुआ ।जिसमें 50 मीटर, 100 मीटर, ब्रेक स्टॉक, फ्रीस्टाइल बेस्ट स्टॉक और बटरफ्लाई विधा के हुनर तैराकी खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

04 ग्रुप में 50 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

आपको बताए कि पिछले 35 वर्षो से जिला तैराकी संघ, लगातार, जिले के खिलाड़ियो को तैराकी प्रतियोगिता के माध्यम से आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है ।रविवार को 36 वा आयोजन रहा ।जिले के एक निजी स्कूल के स्वीमिंग पुल में जिला तैराकी संघ की 36 वीं जिलास्तरीय तैराकी प्रतियोगिता की शुरूआत अतिथि पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, संघ अध्यक्ष संजीव भाऊ अग्रवाल, सचिव महेन्द्र सुराना की मौजूदगी में संघ के ध्वजारोहण के साथ की गई ।जिसमे 04 ग्रुप, 8 से 9 वर्ष, 10 से 11 वर्ष, 12 से 14 वर्ष और 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के तैराकों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें 50 बालक, बालिकाओ का शमावेश रहा। प्रतियोगिता का समापन सायंकाल 5 बजे पुरस्कार वितरण के साथ किया गया।

तैराकों ने इन विधाओं में दिखाया हुनर

प्रतियोगिता में प्रतिभागी तैराको को तैराकी प्रतियोगिता की विधा फ्री- स्टाईल, बैक स्टोक, ब्रेस्ट स्टोक, बटर फ्लाई रेले में 25 मीटर, 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर में अपना प्रदर्शन किया है ।जहा तैराकी प्रतियोगिता जबलपुर से पहुंचे एन.आई.एस. तैराकी कोच प्रशांत कुशवाहा, योगेन्द्र सिंह ठाकुर और अनिता पंद्राम के निर्देशन में आयोजित की गई ।जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों का चयन किया।

खंडवा में 1 से 5 जून तक आयोजित होगी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता- सुराना

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला तैराकी संघ सचिव महेन्द्र सुराना ने बताया कि संघ, विगत 36 वर्षो से प्रतियोगिता का आयोजन करते आ रहा है। जिसमें, इस वर्ष 50 प्रतिभागियो ने हिस्सा लिया है। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी, आगामी 01 जून से 05 जून तक खंडवा में आयोजित 53 वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे ।इस दौरान उपाध्यक्ष नितेन्द्र श्रीवास्तव, शिव मुनेश्वर, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, उत्पान सिंह ठाकुर, संजय भोयरकर, मनीष सोनी, मन्नू इसरानी, नीतिन हरिनखेड़े, विनोद तेजवानी सहित अन्य सदस्य और खिलाड़ी मौजूद थे।

अहिल्या बाई होल्कर की त्रिशती जन्म जयंती पर बैहर में हुई व्याख्यान माला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय बैहर में रविवार को मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठयक्रम अन्तर्गत देवी अहिल्या बाई होल्कर की त्रिशती जन्म जयंती के अवसर पर व्याखान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे परामर्शदाताओं व छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता शिवनाथ यादव क्षरा

बताया गया कि अहिल्या बाई होलकर एक ऐसी महान महिला थीं जिन्होंने अपने शासनकाल में न्याय धर्म और कला को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने राज्य में शिक्षा स्वास्थ्य और कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अहिल्या बाई होलकर की सबसे बड़ी विशेषता थी उनकी न्यायप्रियता और धार्मिक सहिष्णुता आज के समय में भी अहिल्या बाई होलकर की विरासत हमें प्रेरित करती हैं। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि एक महिला भी अपने समाज और देश के लिए क्या क्या कर सकती है। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक महेष पटले परामर्शदाता श्री सुरेश यादव कुंदन मेरावी ओमेश्वरी राहंगडाले ज्योति बिसेन व छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक की हुई मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग स्थित ग्राम पंचायत बम्हनी के समीप नाले के पास सड़क की मोड़ाई में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने एवं दीवार से टकरा जाने से 22 वर्षीय युवक मयंक शरणागत की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को मृतक युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झालीवाड़ा (वारासिवनी) निवासी 22 वर्षीय मयंक शरणागत शनिवार की रात 9.30 बजे पल्सर मोटरसाइकिल से समनापुर के समीप स्थित ग्राम में अपने रिस्तेदार को लेने जा रहा था। तभी लालबर्रा से 4 किमी. दूर बम्हनी के समीप स्थित नाले की मोड़ाई में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से मोटरसाइकिल रोड़ से नीचे उतरकर मकान के दीवार से जबरदस्त टकरा गई। जिससे मोटरसाइकिल में सवार युवक मयंक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद मकान में निवास कर रहे लोगों को कुछ टकराने की आवाज सुनाई देने पर वे मकान से बाहर आकर देखे तो युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में दिखाई दिया। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और डायल 100 वाहन की मदद से घायल को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द लेकर आये जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। बताया जा रहा है कि झालीवाड़ा (वारासिवनी) निवासी 22 वर्षीय मयंक शरणागत दो भाई है जिसमें यह छोटा था और पढ़ाई करता था, शनिवार की रात में अपने गांव से मोटरसाइकिल से अकेला समनापुर की ओर किसी रिस्तेदार को लेने जा रहा था। तभी बम्हनी के समीप स्थित नाले की मोड़ाई में उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और बाईक अनियंत्रित होने के कारण रोड़ से नीचे उतरने के साथ ही सीधे मकान की दीवार से टकरा गई। जिससे बाईक में सवार युवक का सिर मकान की दीवार में टकराने एवं शरीर में अंदरूनी मार पड़ने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच की जा रही है - दुर्गाप्रसाद

दूरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते ने बताया कि शनिवार की रात में बम्हनी स्थित नाले के समीप निवासरत लोगों से जानकारी मिली थी कि एक युवक का एक्सीडेंट हो गया है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर घायल अवस्था में झालीवाड़ा (वारासिवनी) निवासी 22 वर्षीय मयंक शरणागत को लालबर्रा अस्पताल लेकर आये तो चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक युवक मोटरसाइकिल से अकेले शनिवार की रात करीब 9.30 बजे समनापुर की ओर किसी रिस्तेदार को लेने जा रहा था तभी उक्त हादसा घटित हुआ है। श्री झिझोते ने बताया कि रविवार की सुबह मृत युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

पहले ही दिन नहीं तपा नौतपा

आसमान में छाया रहा बादल, तापमान में आई गिरावट

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। 25 मई से नौ तपा शुरू हो गया है, लेकिन पहले दिन भीषण गर्मी व आसमान तपने की जो उम्मीद थी वहां न के बराबर रही है। साथ ही यह नौतपा आगामी 2 जून तक रहेगा। वहीं नौतपा के प्रथम दिन रविवार को दिनभर बदलीनुमा मौसम बना रहा यानि की आसमान में बादल छाया रहा जिससे तापमान में गिरावट भी आई है। जबकि नौतपा सूर्य की तेज तपन की वजह से जाना जाता है और नौतपा प्रारंभ होने के 9 दिनों तक सूर्य की किरणे सीधे पृथ्वी पर पड़ती है। जिससे पृथ्वी का तापमान अधिक होता है और तापमान अधिक होने के कारण लू की गर्म थपेड़ों एवं तेज गर्मी से लोग हलाकान हो जाते हैं। साथ ही नौतपा पर पड़ने वाले गर्मी के चलते लोग अपने घरों से निकलने में परहेज करते हैं। साथ ही प्रतिवर्ष नौ तपा के प्रथम दिन तेज धूप के साथ उमस भरी गर्मी का एहसास होता था परन्तु इस वर्ष नौ तपा का पहला दिन नही तपा और बदलीनुमा मौसम बना रहा। वहीं मौसम विभाग के अनुसार 25 मई से 3 से 4 दिनों तक बदलीनुमा मौसम व हल्की बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई थी और नौ तपा के पहले दिन 25 मई को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में आसमान में बदलीनुमा मौसम होने के साथ की ग्रामीण क्षेत्रों में बुंदाबांदी बारिश भी हुई है। जबकि नौ तपा के दौरान गर्मी अपना रौद्र रूप दिखाने के बाद विदाई की ओर जाती है। लेकिन इस बार नौ तपा के पहले ही क्षेत्र तप चुका है इसलिए इस बार नौ तपा में लू वाली गर्मी की वापसी नही होने की उम्मीद जताई जा रही है। आपको बता दें कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तो उसके बाद के 9 दिन पृथ्वी पर अत्यधिक गर्मी लेकर आते हैं। इस अवधि को नौतपा कहा जाता है। इस दौरान सूर्य की किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है और गर्मी चरम पर पहुंच जाती है। लेकिन इस वर्ष पहले ही दिन नौतपा नही तपा है जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि नौतपा के 9 दिनों तक मौसम बदलीनुमा बना रहेगा और अधिक गर्मी का एहसास लोगों को नही होगा। वहीं बार-बार मौसम बदलने एवं बारिश होने से रबी की धान की फसल लगाने वाले किसान चिंतित नजर आ रहे है।

बारिश के पूर्व कच्चे मकानों का मरम्मत कार्य जारी

लालबर्रा/खमरिया (पद्मेश न्यूज)। बारिश का मौसम करीब आते ही खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में लोगों के द्वारा कच्चे मकानों का मरम्मत व कवेलु छाने का कार्य किया जा रहा है एवं कुछ लोग बारिश के दिनों में कच्चें मकानों से पानी न टपके उसके लिए पॉलीथिन से मकानों की छतों को सुव्यवस्थित भी कर रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि विगत दिनों हुई तेज आंधी-तूफान एवं बंदरों की उछल-कूद से कच्चे मकानों की कवेलु टूट-फुट चुकी है एवं सड़न खराब होने के कारण मकान क्षतिग्रस्त हो सकता है। इसलिए बरसात के पूर्व उसे ठीक करना अति आवश्यक है नही तो बारिश के दिनों में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आगे बताया कि पुराने मिट्टी के कच्चे मकान में ठंडक बनी रहती है जिससे तेज चिल्लाती गर्मी में तापमान का एहसास नहीं होता है। लेकिन वर्तमान में पीएम आवास योजना के चलते लोग अपने पुराने पुस्तैनी मकानों को तोड़ कर पक्के सीमेंटयुक्त मकान का निर्माण कुछ लोग ने कर लिया है एवं जिन लोगों को योजना का लाभ जैसे-जैस मिल रहा है उनके द्वारा भी सीमेंट के पक्के मकान का निर्माण किया जा रहा है। वही कुछ जगहों पर इन कच्चे मकान आज भी व्यवस्थित है जहां पर ग्रामीण लोग अपने गाय, भैंस, बकरी, पशुओं को बांध रहे है एवं स्वयं भी निवास कर रहे है। जहां उन्हे ठंडक मिलती है परंतु वर्तमान में पक्के मकान बनने के कारण कवेलु का चलन कम हो गया है। जिसके कारण मिट्टी के कवेलु नही मिल रहे है फिर भी ग्रामीणजन बारिश के पूर्व कवेलु की व्यवस्था कर अपने घर का मरम्मत कार्य करवा रहे है।

कक्षा 5 वी और 8 वी की पुनः परीक्षा 2 जून से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा कक्षा 5 वीं और 8 वीं में जो छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण हो चुके है उन्हे दोबारा परीक्षा में शामिल होने का अवसर प्रदान किया गया है। जिनकी परीक्षा आगामी 2 जून से प्रारंभ होगी, जिसका टाईमटेबल राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा जारी कर दिया गया है। साथ ही शिक्षा विभाग भी कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं बोर्ड की पुनः परीक्षा संपन्न करवाने के लिए तैयारी पूरी कर ली है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं बोर्ड कक्षाओं की पुनः परीक्षा के लिए 7 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जहां 2 जून को प्रातः 10 बजे से कक्षा 5 वीं की हिन्दी/अंग्रेजी एवं कक्षा 8 वीं की हिन्दी/अंग्रेजी प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा प्रारंभ हो जायेगी और छात्र-छात्राएं अपने-अपने विषय का प्रश्नपत्र हल करेगें। जिसकी तैयारी सभी 7 परीक्षा केन्द्रों में पूरी कर ली गई है और जो बच्चें अनुत्तीर्ण या फिर एक या दो विषय में फेल हो चुके थे। ऐसे बच्चों की स्कूल में कक्षाएं लगाकर उन्हे पढ़ाकर उनकी दक्षता को मजबूत भी किया गया है ताकि वे पुनः परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर आगे की पढ़ाई कर सके। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा गत माह कक्षा 5 वीं, 8 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है जिसमें जो बच्चें अनुत्तीर्ण हो चुके है या फिर अनुपस्थित रहे है। ऐसे बच्चों को उत्तीर्ण करने के लिए दोबारा अवसर प्रदान किया गया है, जिनकी पुनः परीक्षा आगामी 2 जून से आयोजित की गई है। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं की पुनः परीक्षा संपन्न करवाने के लिए 7 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जिसमें शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल खमरिया, सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उमावि. अमोली, शास. उमावि. कनकी, शास. उमावि. बिरसोला, शास. उमावि. नेवरगांव ला. एवं शास. उमावि. जाम शामिल है। श्री तुरकर ने बताया कि 2 जून को प्रातः 10 बजे से कक्षा 5 वीं, 8 वीं की हिन्दी मीडियम के बच्चों की हिन्दी एवं अंग्रेजी मीडियम के बच्चों की अंग्रेजी विषय के प्रथम प्रश्नपत्र के साथ पुनः परीक्षा शुरू हो जायेगी जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। साथ ही यह भी बताया कि कक्षा 5 वीं का 3 जून को गणित, 4 जून को पर्यावरण, 5 जून को अंग्रेजी/हिन्दी। इसी तरह कक्षा 8 वीं का 3 जून को गणित, 4 जून को विज्ञान, 5 जून को सामाजिक विज्ञान, 6 जून को अंग्रेजी/हिन्दी, 9 जून को संस्कृत विषय के पेपर के साथ पुनः परीक्षा संपन्न हो जायेगी। श्री तुरकर ने बताया कि यह परीक्षा प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होकर 12 बजे संपन्न होगी एवं परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर जल्द परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज का हुआ नगरागमन

श्रध्दालुजनों ने ढोल नगाड़ों के साथ किया स्वागत, महाराज के दर्शन कर शिष्यों ने प्राप्त किया आशीर्वाद

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज का 25 मई रविवार को सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे के निज निवास पर आगमन हुआ। इस अवसर पर द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज के अनुयायियों के द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत-सत्कार किया गया। वहीं जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज की नगरामन की खबर लगते ही उनके मानने वालों की भीड़ सी लग गई एवं बड़ी संख्या में उन पर श्रध्दा रखने वाले लोग मिलने के पहुंचे। स्वामी जी के द्वारा अपना दरबार लगाकर श्रध्दालुओं को सत्य मार्ग पर चलकर धर्म-कर्म करने, गौ माता की सेवा करने, धर्म को आगे बढ़ाने, बच्चों को अच्छे संस्कार देने सहित अन्य जनहितैषी बातें कही गई और सभी श्रध्दालुओं को अपना आशीर्वाद दिया। चर्चा में द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज ने बताया कि भारत भूमि का प्राण धर्म है यहां पर प्रत्येक स्त्रोत धर्म के आधार पर ही निर्धारित किए जाते हैं। हमारे इस भारतवर्ष में गौ माता, गीता, गायत्री व गंगा का अत्यंत ही महत्व है और इनका संरक्षण व संवर्धन होना अत्यंत आवश्यक है। मेरी इस यात्रा का उद्देश्य ही धर्म जागरण है, हमारी गौ माता भगवान के अवतरण का मूल कारण है जिनका संरक्षण व संवर्धन अत्यंत आवश्यक है और गौ माता का संरक्षण उनके जिंदाबाद के नारे लगाने से या यात्राएं निकालने ने नही होगा बल्कि इनके हित व संरक्षण के लिए कानून बनना चाहिए। गौशालाओं का निर्माण होना चाहिए क्योंकि गाय को हमारे धर्म में माता का दर्जा मिला हुआ है। हम उन्हें गौ माता के नाम से संबोधित करते हैं, यदि हमारी माता सड़क पर घूमते रहेगी उसे आवारा कहकर संबोधित किया जायेगा तो यह हमारे लिए गवारा नहीं है। यदि माता को घर ना मिले तो यह दुर्भाग्य की बात है इसलिए हमारा उद्देश्य यह है कि भारतवर्ष में 1008 गौशालाओं का निर्माण होना चाहिए। आगे स्वामी प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज ने बताया कि वर्तमान में राष्ट्र धर्म की चर्चा हो रही है, जिसे इस तरह से प्रासंगिक किया जा रहा है जिसे देश में अलग-अलग अवधारणाओं से हमारे धर्म पर आघात पहुंचाया जा रहा है। वर्तमान में कुछ दिनों पूर्व ही जम्मू कश्मीर की घटना जहां पर धर्म पूछ कर हमारे सनातनी भाइयों की आतंकियों के द्वारा हत्या की गई। इसके विरोध में सरकार के द्वारा सेना को खुली छूट देकर आतंकियों को सबक सिखाया गया और विश्व में भारत के रक्षा कौशल शौर्य का प्रदर्शन किया गया। इस संदर्भ में मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह का वक्तव्य आया है जिसमें उनकी गलत धारणाएं नहीं थी। बल्कि उनके वक्तव्य को गलत ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है क्योंकि कुछ लोगों को भारत सरकार के द्वारा किया गया कार्य पसंद नहीं आ रहा है। मूल में देखा जाये तो नीति ठीक है उसके साथ ही सरकार की नियत भी देखी जानी चाहिए तो विजय शाह की नियत सही थी। उनके कहने का अर्थ बस यह था कि जिस धर्म के लोगों के द्वारा धर्म पूछ कर हत्याएं की जाती है इस धर्म को मानने वाली हमारे देश की बेटी के द्वारा राष्ट्रहित में ऐसे आतंकियों को सबक सिखाया है। स्वामी प्रज्ञानंद महाराज जी ने बताया कि राष्ट्र धर्म कि पहचान, अधीर को सम्मान, वर्तमान को समाधान, विश्व को सही दिशा-निर्देश दिये जाये इसकी चेष्टा होनी चाहिए। इस अवसर पर श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पत्नी को हुकुम का गुलाम बनाने के लिए बाघिन के दांत और पंजे काटे, तंत्र क्रिया होती पहले ही धराया

भोपाल। पिछले महीने सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में एक बाघिन का शव मिला था। वन विभाग की टीम ने उसे देखकर अंदाजा लगाया था कि इसकी मौत स्वाभाविक रुप से हुई हैं। लेकिन दांत और पंजे कटे होने के कारण संदेह के बाद जांच में जो खुलासा हुआ वो चौंकाने वाला है। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वो पत्नी को बश में करने के लिए तांत्रिक के कहने पर बाघिन के दांत और नाखून काटे थे। चूँकि तांत्रिक ने कहा था तंत्र मंत्र से पत्नी हुकुम की गुलाम हो जाएगी। क्रिया होती इससे पहले ही धरा गया। इस मामले में दो आरोपियों को पकड़ा गया है। उन्होंने माना कि वे सिर्फ अपनी पत्नियों को काबू में करने के लिए एक जादू-टोना करना चाहते थे। राज कुमार और झाम सिंह ने बताया कि एक तांत्रिक ने उन्हें सलाह दी थी कि बाघ के पंजों में वैवाहिक जीवन में दबदबा बनाने का रहस्य है। सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व के एक इलाके में 26 अप्रैल को पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली, जिसके बाद उन्होंने आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने बाघिन के पंजे, तीन दांत और खाल कई जगहों से बरामद की। कुमार ने बताया कि उसे कहा गया था कि अगर वह बाघ के पंजों से कुछ रस्में करेगा, तो उसे अपनी पत्नी को वश में करने की शक्ति मिल जाएगी। उसका कहना था कि उसकी बीवी बात नहीं मानती है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कुमार और सिंह कुछ अन्य लोगों के साथ मछली पकड़ने गए थे। तभी उन्होंने बाघिन की लाश देखी। वे उसके पास जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन तभी उन्होंने एक और बाघ को पास में बैठे देखा। इसलिए वे डर कर पीछे हट गए। लेकिन, ये दोनों अगले दिन फिर आए और उन्होंने बाघिन के पंजे और नुकीले दांत काट दिए। उनका मन तब भी नहीं भरा। जब तांत्रिक ने उनसे कहा कि उन्हें रस्म पूरी करने के लिए खाल की भी जरूरत है, तो वे फिर से गए और खाल का एक टुकड़ा काट लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस इलाके में जादू-टोना में विश्वास करना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने ऐसे मामले बताए जहां बाघों और तेंदुओं का शिकार काला जादू करने के लिए किया जाता है। लेकिन, उन्होंने यह भी माना कि पत्नी को काबू में करना इस मामले में एक चौंकाने वाला था। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा, यह चौंकाने वाला है और दिखाता है कि अंधविश्वास लोगों को किस हद तक ले जा सकता है। एक जांच अधिकारी ने कहा, यह रिश्तों की समस्याओं को हल करने का कैसा अजीब तरीका है। हम में से कई लोग वैवाहिक समस्याओं से जूझ रहे होंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम मरी हुई बाघिन के पंजे काटते फिरें। यह बिल्कुल बेतुका है। आरोपियों को 3 मई को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें पूछताछ के लिए वन विभाग की हिरासत में भेज दिया। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस अजीब प्रथा में अन्य लोग भी शामिल थे। वे उस तांत्रिक को भी ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आरोपियों ने पहले भी इस तरह की हरकतें की हैं। वे यह भी जानना चाहते हैं कि क्या वे किसी बड़े गिरोह का हिस्सा हैं।

नगर में अज्ञात नकाबपोशो का फैला आतंक : घर में घुसकर लूटने का करते है प्रयास

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में अज्ञात असामाजिक तत्व नकाबपोशो के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि बीते दिनों उनके द्वारा सराफा व्यापारी के पुत्र के साथ लूट का प्रयास किया गया। तो वहीं नगर के वार्ड नंबर १० गोलीबारी चौक के समीप में एक नया मामला प्रकाश में आया है। जिसमें अज्ञात नकाबपोशों के द्वारा पिछले करीब ४ दिनों से सुमित टांडेकार के घर में घुसने का प्रयास एवं घुसकर वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया गया। जहां परिवार के लोगों के द्वारा इनका डटकर सामना किया गया जिससे वह वारदात को अंजाम नहीं दे पाए। यह घटना पर विराम शुक्रवार को व्यापारी पुत्र के साथ हुए लूट के प्रयास के बाद से थम गया है। किंतु उसके पहले लगातार किए गए प्रयास से टांडेकर परिवार ही नहीं आस पड़ोस में भी भय का वातावरण बना हुआ है। जिनके द्वारा पुलिस प्रशासन से की गई शिकायत पर गंभीरता से कार्यवाही करने की मांग की जा रही है।

पहले दरवाजा खटकाया फिर २ दिन बाद घर में घुसे नकाबपोश

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोलीबारी चौक से नदी मार्ग पर वार्ड नंबर १० निवासी सुमित टांडेकर के मकान में अज्ञात नकाबपोश बीते करीब ४ दिनों से बनी हुई है। जहां पर नकाबपोशो के द्वारा २० और २१ मई को उनके घर का दरवाजा खटखटाया गया। जिसे उन्होंने नहीं खोला परंतु यह लोग २२ मई को घर में घुसने का प्रयास किया जिस पर परिवार के द्वारा तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। परंतु शिकायत के बाद भी २३ मई को यह नकाबपोश घर में घुसे थे जिन्हें पकड़ने का प्रयास किया गया तो वह मौके से फरार हो गए। हालांकि इस दौरान परिवार की सजगता से उक्त व्यक्ति किसी भी वारदात को अंजाम नहीं दें सके। इस दौरान घटना की जानकारी प्रतिदिन वार्डवासियों को दी जाती रही उन्हीं के सहयोग से अज्ञात नकाबपोशों को भगाने का कार्य किया जाता रहा। जिससे वार्ड में अब दहशत का माहौल बना हुआ है जो चिंता का विषय है,कि इस प्रकार बाहरी लोग नगर के परिवारों के मकान में घुसने का प्रयास कर रहे हैं। जिसकी शिकायत के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा उक्त अज्ञात नकाबपोशो को पकड़ने में नाकाम दिख रहा है। तो वहीं शुक्रवार की रात्रि में भी दो मोटरसाइकिल से चार नकाबपोशा के द्वारा सराफा व्यापारी के पुत्र से लूट करने की नीयत से पीछा किया गया। हालांकि व्यापारी के पुत्र की सजगता ने उन्हें उस समय भी असफल कर दिया यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है जिसमें स्पष्ट उन्हें आते जाते और खड़े रहते देखा जा सकता है। ऐसे में पुलिस प्रशासन पर प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं कि आखिर अज्ञात नकाबपोशो पर पुलिस अंकुश क्यों नहीं लगा पा रही है। इन दोनों घटना के सामने आने से क्षेत्र में भय का वातावरण निर्मित हो रहा है लोग मकान में भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पुलिस ने व्यापारियों से सीसीटीवी कैमरे लगवाने कराई मुनादी

घटना के बाद शनिवार की शाम वारासिवनी पुलिस ने वाहन के माध्यम से नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण कर लाउडस्पीकर से मुनादी की गई। जिसमें पुलिस ने व्यापारियों से अपील की हैं की जो सक्षम लोग है वे लोग अपनी दुकान और घरो के सामने सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। ताकि कोई भी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जिससे आरोपी भी पकड़ में आ सके।

नकाबपोशो को पकड़ने का प्रयास किया तो भागने लगे और बाहर से दरवाजा बंद कर दिये-सरिता टांडेकर

सरिता टांडेकर ने बताया कि २ दिन तक कुछ लोग घर के अंदर आ रहे थे यह गुरुवार और शुक्रवार की बात है। जब उन्हें हमने पकड़ने का प्रयास किया तो वह भागने लगे उनके द्वारा मकान का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया गया। जिसे हमने जैसे तैसे खुलाया और चौक तक दौड़ कर गए जिसमें उनका चेहरा देखे हैं यदि वह सामने आएंगे तो हम पहचान लेंगे।

यह लोग पहले घर के सामने आए थे गाड़ी रोड़ पर खड़ी थी और आधा घंटे तक इधर उधर राउंड मार रहे थे उनकी नजर हमारे घर तरफ ही थी और फोन पर बात कर रहे थे।

ऐसे अज्ञात नकाबपोशो से जान का खतरा भी बना हुआ है-सुनीता टांडेकर

सुनीता टांडेकर ने बताया कि हमारे घर मंगलवार और बुधवार को किसी व्यक्ति ने दरवाजा खटखटाया हम उस समय बाहर नहीं निकले रात का समय था। फिर गुरुवार को दरवाजा धकेल कर घर के अंदर घुस गए वह कितने लोग थे यह तो पता नहीं पर यह पैदल आए थे और बाइक बाहर खड़ी थी। इनके द्वारा कुछ बोला नहीं गया अब क्या कारण है पता नहीं पर मंगलवार से लगातार तीन चार दिन हो गया आ रहे हैं। हमने यह जानकारी मोहल्ले में भी बताएं थाने में भी बताएं पुलिस भी आई थी। केवल शनिवार को यह नहीं आए हैं ६ लोग हैं दहशत रहती है । कभी कोई कुछ कर दे इसका डर है।

अज्ञात नकाबपोशो के उपर पुलिस कार्यवाही करना चाहियें-सुमित टांडेकर

सुमित टांडेकर ने बताया कि हमारे घर में ऐसा कुछ है नहीं हम रोज कमाने खाने वाले व्यक्ति है। मंगलवार से यह लोग आ रहे हैं इनकी कोई जानकारी हमारे पास है नहीं यह सब क्यों आते हैं पता नहीं। एक चेहरा मैंने देखा हूं पहचान लूंगा हमने मामले की शिकायत भी कर दी है दो बाइक में ६ लोग रहते है। हमारे द्वारा थाने में शिकायत २२ मई को की गई है केवल कल शनिवार को नहीं आए हैं शिकायत के बाद भी यह लोग आए थे। यही डर रहता है कि कोई अप्रिय घटना ना हो घर में बच्चे हैं परिवार है।

पानी की मोटर चोर कमलेश उइके गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कटंगझरी निवासी राहुल फूलमारी की पानी की मोटर चोरी के आरोप में पुलिस ने कमलेश उइके को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पानी की मोटर बरामद की है। मामले में कमलेश उइके को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार २४ मई को प्रार्थी राहुल पिता रमेश फुलमारी उम्र ३० वर्ष निवासी वार्ड न. ६ पटेलटोला कटंगझरी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी की ग्राम कंटगझरी रहता हूँ। ग्राम कटंगझरी में मैं एवं मेरा भाई शैलेन्द्र डोंगरे के साथ भाई की रसोई संचालन करते है। मैंने अपने ढ़ाबे के सामने मो. अनीश शेख के खेत में बने कुँआ में अपनी मोटर १ एचपी की किसान कपंनी की पानी मोटर लगाई थी। २४ मई की सुबह करीबन ११ बजे कुँये से पानी चलाने के लिये मोटर चालू किया था। उसके बाद में अपने ढ़ाबे के काम में लग गया। फिर रात्रि करीबन ८ बजे ढाबे में पानी खत्म हुआ तो मैं मोटर चालू करने गया तो वहाँ पर मोटर नही थी। मैं आस पडोस में मोटर की तलाश किया किन्तु मोटर का कहीं भी पता नही चला। मेरी १ एचपी किसान कपंनी की पानी की मोटर जिसकी कीमती करीबन ७५०० रुपये की है। मेरी पानी की मोटर को अनीश शेख के कुँये से किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। मामले में पुलिस ने अपराध कायम कर विवेचना में लिया। तत्पश्चात आरोपी की पतासाजी के दौरान मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कटंगझरी सिवरबह्म ढाबा के पास आरोपी खडा है जो कही भागने की फि राक में है। मुखबीर की सूचना पर पुलिस तत्काल मुखबीर के बताये स्थान पर पहुंचा । बतायें हुलिया का व्यक्ति दिखाई दिया जिसे घेराबंदी कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम कमलेश उइके पिता सालिकराम उइके उम्र २४ वर्ष निवासी वार्ड नं. १० सिवारबला कटंगझरी का होना बताया। जिससे चोरी की घटना के संबंध में पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने ढाबे के सामने झाड़ियो से चोरी की मोटर पम्प बरामद किया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३,२ के तहत दर्ज अपराध में कमलेश उइके को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

भाजपाइयों ने थाना प्रभारी से की मुलाकात

नकाबपोश पर कार्यवाही एवं बाहरी व्यक्तियों की पहचान करने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी प्रतिनिधि मंडल के द्वारा २५ मई को नकाबपोशो पर कार्यवाही एवं बाहरी व्यक्तियों की पहचान करने को लेकर थाना प्रभारी से मुलाकात की गई। यह चर्चा भाजपा के जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें विगत दिनों नगर में सराफा व्यापारी के पुत्र के साथ अज्ञात असामाजिक नकाबपोशो के द्वारा की गई लूट की वारदात के प्रयास एवं नगर के वार्ड नंबर १० निवासी टांडेकर परिवार में लगातार चार दिनों से नकाबपोशो के द्वारा घर में घुसने की बात को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा कर जानकारी देते हुए मामले में अज्ञात नकाबपोश के खिलाफ कठोरता कार्यवाही करने की मांग की गई । वहीं नगर में लगातार बढ़ रहे बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति पर ध्यान आकर्षण करवाया गया कि क्षेत्र में लगातार लोगों के मकान में किराए से बाहरी लोग रहने के लिए आ रहे हैं । वहीं कई लोग नगर में घूम घूम कर व्यापार भी कर रहे हैं पिछले कई घटनाओं में ऐसे ही बाहर के आए व्यक्तियों का हाथ सामने आ चुका है जिसके लिए पहचान होनी जरूरी है । वहीं पुलिस के द्वारा भी नगर पालिका के माध्यम से सहयोग करने की अपील की गई। जिसमें नगर में मुनादी कराई जाने की बात उपस्थित पार्षदों के द्वारा की गई। साथ ही विभिन्न बिंदुओं पर भी चर्चा कर कार्यवाही करने अपील की गई। पद्मेश से चर्चा में पार्षद संदीप मिश्रा ने बताया कि भाजपा प्रतिनिधि मंडल के द्वारा थाना प्रभारी से मुलाकात करने के लिए आया हुआ था। क्योंकि हाल ही में दो दिन पूर्व सराफा व्यापारी और फिर वार्ड नंबर १० जहां का मैं पार्षद हूं। वहां टांडेकर परिवार में नकाबपोशो ने जो लूट का प्रयास किया गया। यह जानकारी जैसे ही हमें पता चली तो तत्काल संज्ञान लेकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की गई और थाने में आकर थाना प्रभारी से मुलाकात की गई है। यह गंभीर विषय है और अभी हम देख रहे हैं कि नगर में बाहरी व्यक्तियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। तो वहीं किराए से मकान लेकर भी कई लोग रह रहे हैं। ऐसे में उक्त व्यक्तियों की पहचान होनी चाहिए यही सब विषय को लेकर हमारे द्वारा थाना प्रभारी से चर्चा की गई हैं। जिन्होंने कार्यवाही करने की मंशा जाहिर की है और हमें आशा है कि वह इस पर ध्यान देंगे। इस अवसर पर मोनू लिमजे, दीपक जैन, अमन खोसला, मिथून बुर्डे, नंद किशोर पांडे, जगदीश नेमा, मुकूल गौर, मयंक मिश्रा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

प्रमोशन के सवा साल बाद भी राप्रसे अफसरों को नहीं मिला पद

अपर कलेक्टर बनने के बाद भी काम कर रहे जाइंट कलेक्टर का

भोपाल। सवा साल पहले लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले अपर कलेक्टर बने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सरकार की अनदेखी के कारण संयुक्त कलेक्टर की नौकरी करने को मजबूर हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने तीस अधिकारियों को अपर कलेक्टर बनने का आदेश जारी करने के बाद दो तीन अधिकारियों को छोड़ किसी अन्य अपर कलेक्टर की नवीन पदस्थापना नहीं की है। इस कारण ये अधिकारी अपने पुराने जिलों में ही मार्च 2024 से अब तक जॉइंट कलेक्टर के बजाय अपर कलेक्टर का काम करने को मजबूर हैं। अब जबकि तबादलों पर प्रतिबंध हटा है तो ये अधिकारी अपनी नवीन पदस्थापना का इंतजार कर रहे हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा के संयुक्त कलेक्टर स्तर के अधिकारियों को अपर कलेक्टर के पद पर प्रमोट करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने सवा साल पहले 8 मार्च को आदेश जारी किए थे। लोकसभा चुनाव के लिए 16 मार्च से लागू हुई चुनाव आचार संहिता के पहले जारी इस आदेश के बाद संयुक्त कलेक्टर बने अफसरों को उम्मीद थी कि चुनाव होने के बाद उन्हें अपर कलेक्टर के पद पर जिलों में पदस्थापना मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका है और एक दो अफसरों को छोड़ बाकी को अपर कलेक्टर की जिम्मेदारी पाने का इंतजार है। वे पुराने पदस्थापना वाले जिलों में अपर कलेक्टर बनने के बाद भी संयुक्त कलेक्टर का काम करने को मजबूर हैं। यह बात भी सामने आई है कि कई जिलों में अपर कलेक्टर के पद रिक्त हैं और एडिशनल चार्ज देकर काम कराया जा रहा है लेकिन सरकार इन पदों की योग्यता रखने वाले अधिकारी पदस्थ नहीं कर रही है।

प्रकाश नायक ही बन पाए अपर कलेक्टर

राज्य प्रशासनिक सेवा के जिन अफसरों को सरकार ने प्रमोट कर अपर कलेक्टर का वेतनमान देना शुरू किया था उसमें से प्रकाश नायक ही अपर कलेक्टर बन पाए हैं जो इस समय भोपाल में हैं। इसके अलावा वरुण अवस्थी नगर निगम भोपाल में अपर कमिश्नर हैं जो संयुक्त कलेक्टर और अपर कलेक्टर दोनों स्तर के अफसरों के लिए है। पूर्व सीएम शिवराज के ओएसडी रहे भूपेंद्र परस्ते को मंत्रालय में उपसचिव और आदित्य शर्मा को भी उपसचिव बना दिया है। इस तरह दो दर्जन से अधिक अधिकारी अपर कलेक्टर बनने के बाद भी जाइंट कलेक्टर या उसके समकक्ष पद पर काम कर रहे हैं।

जिले में लगातार बढ़ते जा रहे सर्पदंश के मामले

खेत में काम कर रही महिला को सांप ने काटा, जिला अस्पताल में चल रहा संगीता का उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । मौसम में बदलाव और समय-समय पर हो रही बे मौसम बारिश के चलते बिलों में छिपे जहरीले जीव जंतु बाहर निकलकर आम जनों को नुकसान पहुँचा रहे हैं ।जहां जिले में इन दिनों सबसे ज्यादा मामले सर्पदंश के आ रहे हैं पिछले एक सप्ताह से रोजाना आ रहे सर्पदंश के इन्हीं मामलों के बीच सर्पदंश का ताजा मामला भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम हीरापुर का है। जहां खेत में काम कर रही एक महिला को अज्ञात साँप ने काटकर अस्वस्थ कर दिया ।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है ।सर्पदंश से अस्वस्थ हुई महिला का नाम ग्राम हीरापुर निवासी 30 वर्षीय संगीता पति अशोक बसेने बताया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार संगीता ग्रहणी है। जो कि अपने पति अशोक का खेती बाड़ी के काम में हाथ बताती है ।बताया जा रहा है कि संगीता अपने पति के साथ खेत में उड़द दाल काटने के लिए गई थी ।जहां शनिवार की शाम करीब 5बजे उड़द दाल काटते समय किसी अज्ञात सांप ने उसके बाएं हाथ में काटकर उसे अस्वस्थ कर दिया ।जिसकी जानकारी उसने अपने पति को दी ।जिसपर पति अशोक बसेने ने उसे मोटरसाइकिल में बैठाकर जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है।

मधुमक्खी के हमले में हार्वेस्टर चालक और खेत मालक घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बेनी में २५ मई को मधुमक्खी के हमले में हार्वेस्टर चालक और खेत मालक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब हार्वेस्टर चालक सरदूल बाहे हार्वेस्टर में डीजल भरा रहा था तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड आया। जिसने मौके पर उपस्थित लोगों पर हमला कर दिया जिसमें सरदूल बाहे और रमेश पाराशर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र में किसानों के द्वारा रबी की फसल लगाई गई है जिसकी कटाई करने का दौर प्रारंभ हो गया है। जहां पर किसानों के द्वारा स्वयं परिवार या मजदूरी लगाकर या हार्वेस्टर जैसी विभिन्न मशीनो से फसल कटाई का कार्य करवाया जा रहा है। ऐसे ही ग्राम पंचायत बेनी के किसान रमेश पिता धर्मचंद पाराशर उम्र ७० वर्ष के द्वारा रबी की फसल की कटाई करवाने के लिए हार्वेस्टर खेत में बुलाया गया था। जहां खेत में हार्वेस्टर संचालन करने वाली टीम किसान के परिजन सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इस दौरान फसल कटाई की तैयारी की जा रही थी जिसमें फसल काटने के लिए ले गए हार्वेस्टर में चालक सरदूल पिता सिकंदर बाहे उम्र ४० वर्ष खरका हरियाणा निवासी के द्वारा हार्वेस्टर के डीजल टैंक में डीजल डालने का कार्य किया जा रहा था। यह घटना करीब सुबह १२ बजे की थी जहां पर अचानक कहीं से मधुमक्खी के झुंड अपने खेत में उपस्थित लोगों पर हमला कर दिया। जहां मौके पर उपस्थित लोग भागने लगे इस दौरान हार्वेस्टर में डीजल डाल रहे सरदूल बाहे और किसान रमेश पाराशर मधुमक्खियां की पकड़ में आ गए। जिन्हें मधुमक्खी ने गंभीर रूप से घायल कर दिए। उक्त दोनों व्यक्तियों को घटना के बाद तत्काल सिविल अस्पताल में लाया गया जहां उनका उपचार जारी है।

मेरे मन की बात- मौजूदा हालातो के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों को दोषी ठहरना क्या उचित है....?

हमारी आजादी और हमारे संविधान की हीरक जयंती मनाने के बाद आज भी हम देश के कुछ मौजूद हालातो के लिए हमारे पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहरा रहे हैं, यह कहां तक उचित है? जबकि हम जानते हैं कि हर प्रधानमंत्री तत्कालीन राजनीतिक सामाजिक और देश की आर्थिक स्थिति के अनुरूप महत्वपूर्ण फैसले लेते हैं उनमें उनका या उनके राजनीतिक दल का कोई हित समाहित नहीं होता है किंतु आज की यह परंपरा ही बन गई है कि स्वयं को श्रेष्ठ प्रशासक या प्रधानमंत्री साबित करने क लिए आज श्रेष्ठ कार्यों से नहीं बल्कि अपने मुखारविंद से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री की आलोचना की जाती है।

आज भी ऐसे कई अवसर आते हैं जब देश के मौजूदा शासकों द्वारा हमारे प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना की जाती है यही नहीं हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तक को पाकिस्तान के मौजूदा संदर्भ में नहीं बक्शा जा रहा आज भी देश के विभाजन के लिए गांधीजी को ही दोषी माना जा रहा है जबकि हमारा इतिहास गवाह है कि तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों ने गांधी को देश विभाजित करने के लिए मजबूर किया था।

यहां सबसे उल्लेखनीय महत्वपूर्ण बात यह है कि हम हमारे पूर्वज राज नायकों की आलोचना करके हमारी नई पीढ़ी को क्या सीख दे रहे हैं क्या हम चाहते हैं कि हमारी नई पीढ़ी हमारे इस इतिहास से प्रेरित होकर राजनीति में उनका दामन थाम ले जो कांग्रेस विरोधी हैं आखिर हमारे इन प्रयासों से क्या होगा क्या देश का सच्चा और सही इतिहास उनके सामने आ पाएगा आखिर आज भी इस तथ्य से कौन इनकार कर सकता है कि कांग्रेस देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है और देश की ए जड़ी में उसका अहम योगदान है यह बात में किसी राजनीति या किसी दल विशेष से लगाओ की वजह से नहीं कह रहा हूं मैं तो महज जो तत्कालीन वास्तविकता थी उसे नई पीढ़ी की जानकारी के लिए सामने रख रहा हूं।

देश का प्रधानमंत्री कोई भी किसी भी डाल से जुड़ा शख्स हो किंतु उसे पद पर रहते देश को सामने रखकर काम करना पड़ता है फिर वह चाहे जवाहर लाल हो या चरण सिंह या अटल जी या मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी सभी अपने-अपने तरीके से काम करते हैं और मेरा ऐसा मानना है कि सभी का नजरिया स्वयं या अपने दल के हित का नहीं बल्कि देश के हित का रहा है और वही नजरिया आज हमारे मौजूदा प्रधानमंत्री जी का भी है जो अपने देश की अतीत से चली आ रही गरिमा को अखंडित और बरकरार रखना चाहते हैं।

इसलिए आज के समय की सबसे पहले और हम जरूर हमारे नजरिए में सुधार की है क्योंकि देश के शासन के सर्वोच्च पद पर विराजित शख्स न परिवार का होता है और ना समाज का वह सिर्फ और सिर्फ देश का होता है वह जो भी फैसला लेता है तब उसके सामने देश होता है समाज या परिवार नहीं और इसके लिए हर समीक्षक में निर्विकार भाव या पूर्वाग्रह विहीन होना बहुत जरूरी है तभी हम किसी का भी सही समीक्षा के निकट पहुंच सकते हैं और यह भी समझ लेना चाहिए कि हम बुद्धिजीवी हैं राजनीतिजीवी नहीं तभी हम हर ओर से निष्पृद रह पाएंगे।

आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर,परिवार,संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने,उनके फैसलों पर अमल करनें,आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख,अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गों को नजरअंदाज कर, एकला चलो रे!वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथों में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है,इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क़ के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी ज़रूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस!यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता- पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आखि़र वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिज़ाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेज़ी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोज़गार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मज़बूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाज़ा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज़्यादा क़रीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है, हर कोई

बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुज़ुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुज़रते दौर के साथ ये स्थिति और मज़बूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मज़बूत होते हैं, वो आसानी से खत्म नहीं होते, लिहाज़ा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे।परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे जो रेखांकित करने वाली बात है।

साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा।अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए।शेयर करना स्वभाव होना चाहिए क्योंकि, बस एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलना सीख लो।सहनशीलता अच्छी होनी चाहिए। सामंजस्य बैठाना भी आता हो।

साथियों मेरा यह निजी अनुभव है कि, मेरा परिवार सयुंक्त परिवार और इसीलिए मैंने इस प्रश्न का उत्तर देना चाहा। सभी का उचित सम्मान होना चाहिए, विशेष रूप से छोटे बड़ों का हमेशा सम्मान करें। कार्यों का उचित विभाजन हो, जिससे टकराव ना हो। पुरानी कहावत है कि- जहाँ चार बर्तन होते है, वहां टकराव होता है, ये खटपट भी मधुर होनी चाहिए। बाहर की चुगलखोरी एवं चापलूसी को बिल्कुल ध्यान न दे, क्योंकि यह हमारे भारतवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है वो तो करेंगे ही।अंत में सबसे जरूरी-

परिवार में प्यार, नहीं तो।
उपर लिखी सारी बातें बेकार।।
करो दिल से सजदा तो इबादत बनेगी।
बड़े बुजुर्गों की सेवा अमानत बनेगी।।
खुलेगा जब तुम्हारे गुनाहों का खाता।
तो बड़े बुजुर्गों की सेवा जमानत बनेगी।।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं। घर तब तक नहीं टूटता जब फैसला बड़ों के हाथ में होता है, हर कोई बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देर नहीं लगती। आधुनिक युग कोई परिवार में बड़ों के लिए तरसे, कोई बड़ों पर गुस्से से बरसे की ओर चल पड़ा है।

कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि
संगीत माध्यम सीए(एटीसी)
-एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीत: आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्त्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता

प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल को प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक।

इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं।

आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है। आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है।

शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। इन संगीत प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार एवं संगीतकारों के लिये यह उनकी बौद्धिक सम्पदा है। यह दिन इन बौद्धिक संपदा से जुड़े अधिकारों के संरक्षण के महत्त्व को रेखांकित करता है, जो रचनाकारों और आविष्कारकों को उनके काम के लिए पुरस्कृत करने में मदद करता है एवं उनके उचित पारिश्रमिक को सुनिश्चित करता है। वैश्विक स्तर पर, युवा लोग नवाचार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपनी ऊर्जा और सरलता, अपनी जिज्ञासा और सरलता का उपयोग करके बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन कर रहे हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है। तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

-ललित गर्ग

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ।

उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया।

शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हरवा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हरवा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

पेप्सी बाटलिंग प्लांट के बाद अब कैंपा कोला,भूगर्भ जल का दोहन

बिहार के बेगूसराय की बिहार इंडस्ट्रियल एरिया डवलपमेंट आथोरिटी (बियाडा) क्षेत्र के आठ दस किलोमीटर के दायरे में पिछले तीन वर्षों के दौरान भूगर्भ जल का स्तर 20 से 30 फीट तक गिर गया है। ऐसा पेप्सी कंपनी के बाटलिंग प्लांट के कारण हो रहा है। भूगर्भ शास्त्री और स्थानीय नागरिकों का भी यही मानना है। यहां हर दिन 12 लाख लीटर पानी निकाला जा रहा है। इस कारण इस इलाके का जलस्तर लगातार गिर रहा है। कहते हैं प्लांट में मोटे मोटे आठ बोरिंग हुए थे, जिसमें दो ने पिछले साल से ही काम करना बंद दिया है। भूजल के लगातार दोहन से जल स्तर लगातार गिर रहा है। तीन साल पहले 15 से 20 फीट पर जल स्तर था, अब यह 40 से 50 फीट है। बोरिंग ने काम करना बंद कर दिया है और चापानल से भी कम पानी आ रहा है। आस पास के एक दर्जन गांवों के तीस से चालीस हजार लोग इस फैक्टरी का विरोध कर रहे हैं। अब तो जल भी दूषित हो गया है और पानी बदबू में भी आ रहा है। लोग चाहते हैं कि प्लांट बंद हो जाए या प्लांट अपने लिए दूसरी व्यवस्था करे। लोगों का कहना है कि पानी से बदबू भी आने लगा है।इसी बीच यह खबर है कि बेगूसराय में कैम्पा कोला की यूनिट बेगूसराय जिले के ग्रोथ सेंटर में स्थापित की जाएगी।इस परियोजना में कंपनी 1200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और यहां सॉफ्ट ड्रिंक्स का उत्पादन किया जाएगा। दावा यह किया जा रहा है कि बिहार में रिलायंस ग्रुप की पहली औद्योगिक यूनिट होगी, जो राज्य के औद्योगीकरण में एक नई दिशा तय करेगी।लोगों का कहना है कि पेप्सी प्लांट का सोशल ऑडिट होना चाहिए कि बेगूसराय के भू जल का करोड़ो लीटर उपयोग करने के बाद इस प्लांट से बेगूसराय के कितने बच्चों को रोजगार मिल रहा है। उसमें बेगूसराय की भागीदारी निश्चित होनी चाहिए उसके बाद ही केम्पा कोला को प्लांट लगाने की अनुमानित मिलनी चाहिए। जमीन जाए बेगूसराय का प्रदूषण झेले बेगूसराय रोजगार पाए सिर्फ बाहरी। गांव वाले लगातार गिरते भू-जल स्तर की शिकायत लेकर स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह के पास पहुंच रहे हैं । इसके बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, देखिए यहां के जनमानस, यहां के किसान, यहां के निवासी, चार साल हुआ है, पेप्सी का प्लांट जब से खुला है। अभी यहां गांव के किसान लोग हस्ताक्षर अभियान करा रहे हैं। पेप्सी के प्लांट के कारण जो भूजल स्तर गिरा है इससे सभी को कठिनाई हो रही है। पानी पीने में कठिनाई हो रही है साथ ही किसान को भी पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी पेप्सी के प्लांट को लेकर अपना विरोध जताया है, उनका कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस प्लांट का उद्घाटन करने आए थे तो उन्होंने कहा था कि पेप्सी गंगा से जल लेकर अपना उत्पादन करेगा और पानी हार्वेस्ट किया जाएगा, लेकिन न तो वो गंगा से जल ले रहे हैं और न ही हार्वेस्ट कर रहे हैं। प्लांट बंद करना होगा। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 अप्रैल 2022 को इस प्लांट का उद्घाटन किया था। लोगों को लगा था कि बेगूसराय का विकास होगा, लेकिन उद्घाटन के 3 साल बाद ही लोग चाह रहे कि प्लांट बंद हो जाए। जल स्तर में यह कमी सिर्फ पेप्सी के बॉटलिंग प्लांट वरुण बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड के आसपास ही नहीं, बल्कि असुरारी, बथौली, मालती, पपरौर, हवासपुर, बीहट से लेकर पकठौल तक के गांव में हो गई है। लोग परेशान हैं, लेकिन इनकी कोई सुन नहीं रहा है। पिछले डेढ़ साल से आंदोलन जारी है। जब स्थानीय लोगों की बात किसी ने नहीं सुनी तो व्यापक पैमाने पर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है। बेगूसराय स्थित बियाडा बरौनी की 55 एकड़ की जमीन पर है यह प्लांट। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रियम रंजन ने बताया कि 2022 में यहां पेप्सी प्लांट लगा। जब से प्लांट लगा है, जल संकट शुरू हो गया है। सिंचाई तक आफत हो गई है। जिस प्लांट को दक्षिण भारत, यूपी के हरदोई, बिहार के हाजीपुर से भगाया गया, हाजीपुर में अभी भी पानी की समस्या बरकरार है, उस प्लांट को हमारे माथे पर थोप दिया गया। हम लोग ऐसे ही पानी से जूझ रहे हैं। बेगूसराय वाले पहले ही दुनिया के प्रदूषित शहरों में है। एक पानी बचा था, उसकी भी स्थिति गड़बड़ा रही है। पानी में आयरन सहित ऐसे कई केमिकल मिल रहे हैं जो शरीर, त्वचा और जीवन के लिए हानिकारक हैं। पेप्सी से रोजगार तो मिला नहीं, ऊपर से हम लोग जल संकट झेल रहे हैं।तालाब सूखा है, हमारा पानी ही निकाल कर पूरी दुनिया को पहुंचाया जा रहा है। यह उत्तर भारत का सबसे अधिक क्षमता का बॉटलिंग प्लांट है।

-कुमार कृष्णन

तेल तिलहन बाजार में सरसों, मूंगफली, बिनौला की कीमतों में तेजी रही

नई दिल्ली। देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह में तेलों की कीमतों में सुधार दर्ज हुआ है। सरसों तेल-तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई, जबकि कच्चे पामतेल और पामोलीन तेल की कीमतों में गिरावट आई है। बाजार के सूत्रों के मुताबिक इस बार किसानों की कमजोर आवक और मांग बढ़ने के कारण महसूस किया जा रहा है कि इस मौसम में सरसों की आवक में कमी होने की वजह से देश के सरसों तेल के बाजार में मांग प्रभावित हो रही है। इसके अलावा अपनी मांग की वजह से कच्ची घानी की सरसों तेल महसूस हो रही है। अन्य तेलों में भी मांग बढ़ने के कारण कमी आई है, जैसे ब्रांडेड कच्ची घानी तेल और सोयाबीन तेल। इस स्थिति में, बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार आया है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 110 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,710 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 4,450-4,500 रुपये और 4,200-4,250 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रहे। इसी प्रकार, सोयाबीन इंदौर तेल का भाव भी 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। सोयाबीन दिल्ली एवं और सोयाबीन डीगम तेल के दाम क्रमशः 50-50 रुपये का सुधार दर्शाते क्रमशः 13,300 रुपये और 9,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव भी मजबूत बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की मजबूती के साथ 5,800-6,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 और 10 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 14,200 रुपये क्विंटल और 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, सीपीओ 225 रुपये की गिरावट के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,025 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 50 रुपये बढ़कर 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गूगल सर्च के लिए यूजर्स को मिलेगा नया एआई मोड

नई दिल्ली। गूगल सर्च के लिए यूजर्स को अब नया एआई मोड ऑफर किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नया फीचर यूजर्स को जेमिनी एआई से पावर्ड चैटबॉट जैसा रिस्पॉन्स देगा। गूगल ने इस फीचर को डिवेलपर कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया। इस फीचर के आने से यूजर्स को सर्च पेज पर चैट-बेस्ड इंटरफेस में टॉगल करने का ऑप्शन मिल गया है। यह गूगल के इन्फर्मेशन ऑफर करने के तरीके में बदलाव है। इससे पता चलेगा कि कंपनी ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल को एआई की दुनिया में कड़ी टक्कर देने के मूड में है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि यह ज्यादा अडवांस्ड रीजनिंग के साथ सर्च का पूरी तरह से रीइमैजिनेशन है। उन्होंने कहा कि हम अब एआई प्लेटफॉर्म शिफ्ट के एक नए फेज में एंटर कर रहे हैं जहां दशकों की रिसर्च अब वास्तविकता बन रही है। गूगल का यह ऐक्शन चैटजीपीटी जैसे जनरेटिव एआई टूल के लिए एक रिएक्टिव रिस्पॉन्स है, जो सवालों का नैचरल लैंग्वेज में उत्तर देते हैं और अलग-अलग वेब पेजों पर क्लिक करने की जरूरत को कम करते हैं। इस बदलाव ने पहले ही बहुत नुकसान पहुंचाया है। ऐपल के एक एग्जिक्यूटिव ने हाल में कहा था कि सफारी ब्राउजर में गूगल सर्च ट्रैफिक 20 सालों में पहली बार कम हुआ है। गूगल के ऐड-बेस्ड बिजनेस मॉडल के लिए यह एक झटका है। एआई मोड अब मेन गूगल सर्च इंटरफेस के अंदर एक टैब के तौर पर उपलब्ध हो गया है। यह यूजर्स को चैटजीपीटी जैसा चैटबॉट अनुभव करता है। यह फीचर गूगल के मेन एआई मॉडल जेमिनी से पावर्ड है। गूगल के मुताबिक नया यूजर इंटरफेस बेहतर रीजनिंग और कॉन्टेक्स्ट-बेस्ड सवालों को सपोर्ट करता है। फीचर्स के अगले सेट में यूजर्स को अपनी खुद के फोटो को अपलोड करने और शॉपिंग के दौरान आउटफिट्स को वर्चुअली ट्राई करने का ऑप्शन मिलेगा। गूगल के सर्च प्रोडक्ट के वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि कंपनी इस बात पर भी विचार कर रही है कि ऐड्स को एआई मोड में कैसे इंटीग्रेट किया जाए। उन्होंने कहा कि हम इसे उस कॉन्टेंट का हिस्सा मानते हैं जिसे लोग वाकई में पसंद करते हैं। गूगल ओपनएआई की बराबरी करने की कोशिश कर रहा है, जिसने 2022 में अपना चैटजीपीटी लॉन्च किया था और यह कुछ ही समय में पॉप्युलर एआई प्रोडक्ट बन गया। हाल के महीनों में जेमिनी ने भी उपयोगकर्ताओं को अपनी तरफ खींचा है, लेकिन यह अभी भी यूजर अडॉप्शन में चैटजीपीटी से पीछे है। गूगल माइक्रोसॉफ्ट से भी पीछे है, जिसने ओपनएआई पर अरबों खर्च किए और अपने मॉडल को बिंग और ऑफिस ऑफरिंग में डाला।

भारतीय फार्मा इंडस्ट्री की पहुंच अमेरिका और यूरोप में

नई दिल्ली। भारतीय फार्मा इंडस्ट्री ने विश्वास जताया है, जब तकनीकी उन्नति और डीलों में जागरूकता के साथ वह अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर के माहौल में भी दिखाई दे रही है। भारतीय दवा कंपनियां दिखा रही हैं तेजी से विकास की राह पर हैं। निवेशकों के संकेतों के अनुसार सुवेन फार्मास्युटिकल्स के एग्जीक्यूटिव ने अप्रैल माह में एक बड़ी डील के लिए विदेशी कंपनी के अधिकारियों से संचार किया था। इसके साथ ही अनेक भारतीय कंपनियां नई तकनीकों को अपना रही हैं, जिससे उन्हें अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में मजबूती मिल सके। इसी बीच अमेरिकी कंपनीयां भारत के सीडीएमओ के प्रति रुचि जता रही हैं जिसका संकेत है विदेशी निवेशकों का भारत की फार्मा इंडस्ट्री में विश्वास। यह कदम भारत को अपनी निर्भरता को घटाने और वैश्विक स्तर पर पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों में कमी के संकेत के बाद एक्सपर्ट्स अमेरिकी दवा कंपनियों के लिए भारत में भी नए हिस्सेदार खोजने का सुझाव दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने कामों में तेजी से आगे बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में आपको ध्यान देना होगा। आप किसी बात को लेकर जिद व अहंकार ना दिखाएं। आप अपनी कला व कौशल से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। रचनात्मक कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी से किए हुए वादे को भी समय रहते पूरा करना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपने आवश्यक कामों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको कुछ नए लोगों पर जल्दी भरोसा करने से बचना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको किसी सरकारी योजना में इन्वेस्टमेंट करने से पहले उसके नियमों का पूरा ध्यान देना होगा। आप अपने डेली रूटीन को बेहतर करने की कोशिश करें। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती रहेगी। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको लंबे समय बाद मिलने का मौका मिल सकता है। जिसमें आप पुराने गिले शिकवे ना उखाड़ें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप अपनी अच्छे सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आपके बॉस से आपको कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। यदि आप किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें। आप अपने घर किसी नये इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। पुण्य कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपका आत्मविश्वास भी खूब बढ़ेगा। आपकी पद व प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। मित्रों का आप पर पूरा समर्थन बना रहेगा। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने वाले लोगों को दिल खोलकर निवेश करने से अच्छा लाभ मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बहुत ही सूझबूझ दिखाकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पकड़कर चलने की आवश्यकता है, तभी आपके काम पूरे होंगे। पारिवारिक सुख और शांति बनी रहेगी। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको कार्यक्षेत्र में छोटो की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। आप अपने माता-पिता से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपका धन को लेकर कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। नौकरीपेशा लोग कामों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको आक्रोश में आकर कोई बात करने से बचना होगा। खर्चों पर आपको पूरा ध्यान देने की आवश्कता है। आपका आत्मविश्वास मजबूत रहने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ छुटकारा मिलेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेने की आवश्यकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य को पकड़कर चलने के लिए रहेगा। बड़ों का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थी किसी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिसमें उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप मित्रों के साथ किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। भूमि और वाहन की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको कोई निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचना होगा। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। दान-धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको अपने मन में सामंजस्यता की भावना बनाए रखनी होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाकर रखने की आवश्यकता है। आप अपने घर के रिनोवेशन को कराने की भी प्लानिंग कर सकते हैं। संतान को पढ़ाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं। आपको अपनी सेहत में लापरवाही करने से बचना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। व्यवसाय कर रहे लोगों को इस महीने कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको किसी बड़े लक्ष्य पर फोकस करके चलने की आवश्यकता है। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। आपको भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा।

शब्दजाल - 7910

ची	अ	मे	रि	क्रि	पा	तू	हॉ	की	प	बा
न	र	ग्बी	प	के	डो	ने	श्चि	या	इ	स्के
अ	दा	जा	ला	ट	ग	स	द	ह	प	ट
वा	ग	टे	पा	ब	टू	फु	प	वे	लि	बॉ
ली	ना	अ	ब	न	जा	ल	ट	स	प	ल
बॉ	इ	इ	मो	ल	प	वा	त	बॉ	यु	बा
ल	जी	ल	ह	व	टे	रि	स	ल	ल	ग
र	रि	भा	र	त	प	नि	स	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	टे	ज	स	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	न	सिं	ब्रा	स	अ	प	श
बां	स	ल	लॉ	रु	स	जू	डो	प	क	र

शब्द जाल में उन 10 खेलों के नाम ढूंढिए, जो विश्व भर में खेले जाते हैं. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हॉकी, बेसबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, रग्बी, वालीबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केट बॉल, जूडो

शब्दजाल - 7909 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 6854

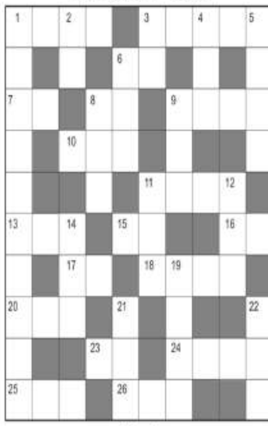

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शशिकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथियावाड़ पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेषाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. "मैं ऐसा क्यों हूँ" गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'दे जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारुख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिलीं' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6853

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.37 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.50 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.06 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.29 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.44 ब.से.
शनि	मीन में	धनु	20.00 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.05 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.51 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	01.24 बजे से
		मेष	02.55 बजे से
		वृष	04.35 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 146 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 12.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 08.24 बजे को समाप्त।
योग शोभन 07.02 बजे तदनन्तर अतिगण्ड 02.55 बजे रात्र को समाप्त।
करण शकुनि 12.12 बजे तदनन्तर चतुष्पद 22.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21°08'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872356
जूलियन दिन 2460821.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद तारीख 27
विशेष वट सावित्री व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जीवन का रहस्य

राजा सुषेण के मन में कुछ प्रश्न थे, जिनके उत्तर की तलाश में वह एक महात्मा के पास पहुंचे। महात्मा ने कहा, 'अभी मेरे पास समय नहीं है। मुझे अपनी वाटिका बनानी है।' राजा भी उनकी मदद करने में जुट गए। इतने में एक घायल आदमी भागता-भागता आया और गिरकर बेहोश हो गया। महात्मा जी ने उसके घाव पर औषधि लगाई। राजा भी उसकी सेवा में लग गए। जब वह आदमी होश में आया तो राजा को देखकर चौंक उठा। वह राजा से क्षमा मांगने लगा। जब राजा ने इसका कारण पूछा तो उसने बताया कि वह राजा को मारने के इरादे से निकला था, लेकिन सैनिकों ने उसके मंसूबों को भांप लिया और उस पर हमला कर दिया। वह किसी तरह जान बचाकर भागता हुआ इधर पहुंचा है। महात्मा जी के कहने पर राजा ने उसे क्षमा कर दिया। लेकिन तब राजा ने महात्मा से प्रश्न किया, 'मेरे तीन प्रश्न हैं। सबसे उत्तम समय कौन-सा है, सबसे बढ़िया काम कौन सा है और सबसे अच्छा व्यक्ति कौन है।' महात्मा बोले, 'हे राजन, इन तीनों प्रश्नों का उत्तर तो तुमने पा लिया है। फिर भी सुनो। सबसे उत्तम समय है वर्तमान। आज तुमने वर्तमान समय का सदुपयोग करते हुए मेरे काम में हाथ बंटाया और वापस जाने को टाला, जिससे तुम बच गए। अन्यथा वह व्यक्ति बाहर तुम्हारी जान ले सकता था। और जो सामने आ जाए, वही सबसे बढ़िया काम है। आज तुम्हारे सामने बगीचे का कार्य आया और तुम उसमें लग गए। वर्तमान को संवार कर उसका सदुपयोग किया। इसी कर्म ने तुम्हें दुर्घटना से बचाया। और बढ़िया व्यक्ति वह है, जो प्रत्यक्ष हो। उस आदमी के लिए अपने दिल में सद्भाव लाकर तुमने उसकी सेवा की, इससे उसका हृदय परिवर्तित हो गया और तुम्हारे प्रति उसका वैर भाव धुल गया। इस प्रकार तुम्हारे सामने आया व्यक्ति, शास्त्रानुकूल कार्य व वर्तमान समय उत्तम हैं।' जीवन के इस रहस्य को जान कर राजा महात्मा के सामने नतमस्तक हो गए।

सूडोकू नवताल- 7163

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -7162 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 8378

बाएँ से दाएँ

1. कंठ, गला-3
3. पक्षियों का शौर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. माँ की माता-2
8. प्यार, प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा, तरी-3
13. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली, एक फल-2
23. उपासना, शीश झुकाना-3
24. प्राणेन्द्रिय, नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा, सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर, इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. माँ के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश, एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा, रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. नाट्य, कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8377 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं, वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों का यह कहना है। वैश्विक अनिश्चितताओ के बीच बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार गिरावट में रहे थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों की वजह से बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार का प्रदर्शन सुस्त रहा है। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और अमेरिका के बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर चिंताओं के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी बढ़ी। इससे भारत सहित अन्य उभरते बाजारों पर दबाव पड़ा। इस सप्ताह 28 मई को भारत के अप्रैल के औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़े और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े आने हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की सुधार की स्थिति के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा

कि इसके अलावा मानसून की प्रगति पर जानकारी भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बॉन्ड बाजार के घटनाक्रम, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता से भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी। मई के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान और कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों के अंतिम दौर का भी बाजार पर प्रभाव पड़ेगा। सप्ताह के दौरान बजाज ऑटो, अरविंदो फार्मा और आईआरसीटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आएंगे। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि आगे बाजार का रुख मजबूत रहने की उम्मीद है। वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों तिमाही नतीजे बाजार को समर्थन प्रदान करेंगे। निवेशकों की नजरें इस सप्ताह जारी होने वाले इन आंकड़ों पर रहेगी। इस सप्ताह भारत और अमेरिका के जीडीपी वृद्धि के आंकड़े भी आएंगे। विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार के भागीदार सबसे पहले रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरण और राजकोषीय नीति के लिए इसके निहितार्थ पर प्रतिक्रिया देंगे। अमेरिकी अर्थव्यवस्था, विदेशी निवेश प्रवाह और व्यापार वार्ताओं को लेकर जारी अनिश्चितता को देखते हुए भारतीय बाजार में निकट भविष्य में एकीकरण का दौर देखने को मिल सकता है।

केंद्र सरकार ने पेंशन योजना में किया बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2025 कोअपने कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) नाम से एक नई पेंशन योजना शुरू की थी। इस योजना में कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित पेंशन का वादा किया गया है। यूपीएस ने एनपीएस से अलग होने का विकल्प दिया है। एनपीएस में पेंशन की राशि निश्चित नहीं होती थी, जबकि यूपीएस ने कर्मचारियों को ज्यादा निश्चितता प्रदान की है। यूपीएस में सरकारी कर्मचारियों को उनकी अंतिम 12 महीनों की औसत बेसिक सैलरी का 50 फीसदी मासिक पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों को कम से कम 25 साल की नौकरी पूरी करनी होगी। यूपीएस योजना में शामिल होने के लिए कर्मचारियों को 30 जून तक अप्लाई करना होगा। फॉर्म ए2 और फॉर्म ए1 भरकर योग्य कर्मचारियों को यूपीएस के लिए अप्लाई करना होगा। आखिरी तारीख निकल जाने पर अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। वापस एनपीएस में जाने का विकल्प उपलब्ध नहीं है। यूपीएस योजना के लिए योग्य कर्मचारीः वर्तमान कर्मचारी एनपीएस के तहत आने वाले, 10 साल सेवा पूरी करने वाले रिटायर हुए कर्मचारी, अंतिम निर्णय देने वाले विधवा जीवन साथी और 56(जे) नियमों के तहत राज्य से रिटायर हुए कर्मचारी। यूपीएस निश्चित और सुरक्षित पेंशन की योजना है और इसे चुनने का मौका केंद्र सरकारी कर्मचारियों को 30 जून तक है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क रियायत की पेशकश बहुत छोटी- अधिकारी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत ने वाहन क्षेत्र के लिए शुल्क रियायत की पेशकश की है, जिसे अधिकारियों ने बहुत छोटी बताया है। इस पेशकश में वाहन क्षेत्र के लिए आयात शुल्क में 10 से 15 साल की अवधि में कमी और कोटा इंजन की क्षमता और वाहन की कीमत पर निर्भरता है। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए बातचीत के समापन की घोषणा की है। यह व्यापार करार 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात सुगम बनाएगा। इससे कुल व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा के 60 अरब डॉलर से दोगुना करने का है। दोनों पक्षों के कोटा के तहत वाहन आयात पर शुल्क की दर 100 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगी। इससे टाटा-जेएलआर जैसी कंपनियों को लाभ होगा। टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) ने पहले कहा था कि यह समझौता भारत में जेएलआर के प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि इससे भविष्य की कारों को लाभ होगा और ग्राहकों को वैश्विक कारों और वैश्विक कीमतों तक बहुत तेजी से पहुंचने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू ने एफटीए को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताया है।

पालडोंगरी की हुडकी पहाड़ी बनी शराबियों एवं नशेड़ियों का अड्डा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी आमगांव मार्ग पर स्थित ग्राम पालडोंगरी के समीप हुडकी पहाड़ी इन दिनों शराबियों एवं नशेड़ियो का अड्डा बना हुआ है। बतादे कि हुड़की पहाड़ी में आवले के वृक्ष लगे हुये तथा पंचायत के द्वारा भी यहां बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया है। लेकिन कुछ असमाजिक तत्वों एवं शराबियों, नशेड़ियो के द्वारा इस स्थान को अपने शौक पानी अड्डा बना लिया गया है। किसी भी समय इस स्थान पर असामजिक तत्वों को देखा जा सकता है जो कि शराब सहित गांजा आदि पीने के लिये उक्त स्थान का उपयोग करते दिखाई दे सकते है। इस स्थान की जांच की जाये तो यहां पर बडी मात्रा में शराब की बोतले, डिस्पोजल गिलास, प्लास्टिक पीने के पानी की बोतले, शराब के कैन, बियर की बोतले सहित अनेको नशें करने वाली वस्तुऐं देखी जा सकती है। वहीं उक्त असमाजिक तत्वों, शराबियों, नशेड़ियों के द्वारा इन बोतलों को उसी स्थान फेंक दिया जाता है या फोड़ दिया जाता है जिसके चलते उक्त स्थान पर दुसरा कोई व्यक्ति जाये तो इन कांच की बोतलों से घायल हो जाता है, वहीं इस स्थान पर मवेशी भी चरते नजर आते है जिन्हे भी नुकसान होता है। उक्त शराबी और नशेड़ी इस स्थान पर शराब, नशा आदि कर के मजा तो लेते है और दुसरो के लिये सजा बना देते है। शासन प्रशासन को चाहिये की उक्त विषय को संज्ञान में लेकर इन शराबियों, नशेड़ियों पर अंकुश लगाया जाये।

पालडोंगरी में गांजे का व्यापार

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पालडोंगरी में गांजे का भी व्यापार होता है जिसकी जद में लांजी सहित आस पास के युवा जकड़े हुये है। विगत लम्बे समय से पालडोंगरी में गांजा तस्करी सहित गांजा विक्री की जाती है। इस गांजे को पीने और लेने के लिये लांजी सहित आस पास के युवा पालडोंगरी पंहुचते है लेकिन आज दिनांक तक इस गांजा तस्कर के विरूद्ध किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नही होना संदेह से परे है।

5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा 2 जून से

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा आगामी 2 जून से 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसको लेकर समय सारणी भी घोषित कि जा चुकी है। ऐसे छात्र छात्राऐं जिन्हे कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विभिन्न विषयों में अनुत्तीर्ण प्राप्त हुई है उन सभी छात्र छात्राओं की पुनः परीक्षा 2 जून से 9 जून तक आयोजित की गई। समय सारणी के अनुसार कक्षा 5वीं की पुनः परीक्षा सत्र 2024-25 के तहत प्रातः 10 बजे से दोपहर 12ः30 बजे तक आयोजित होगी। जिसके तहत 2 जून को प्रथम भाषा हिन्दी, अंग्रेजी, उर्द मराठी, 3 जून को गणित अथवा संगीत दृष्टि बाधितों हेतु, 4 जून को पर्यावरण अध्ययन, 5 जून को द्वितीय भाषा अंग्रेजी, भाषा हिन्दी, उर्दू मराठी है अथवा हिन्दी जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है। 6 जून को अतिरिक्त भाषा हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी । इसी प्रकार कक्षा 8वीं पुनः परीक्षा वर्ष 2024- 25 के तहत 2 जून को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12ः30 बजे आयोजित होगी। जिसमें 2 जून को प्रथम भाषा हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और मराठी, 3 जून को गणित अथवा संगीत दृष्टि बाधितों हेतु, 4 जून को विज्ञान, 5 जून को सामाजिक विज्ञान, 6 जून को द्वितीय भाषा अंग्रेजी जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी, उर्दू, मराठी है अथवा हिन्दी जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है। 9 जून को तृतीय भाषा संस्कृत, हिन्दी, मराठी सहित अन्य विषयों के तहत परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को लेकर शिक्षा मण्डल के द्वारा दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है। भीषण गर्मी को देखते हुये परीक्षा केन्द्रों में शुद्ध शीतल पेयजल, ओ आर एस घोल आदि बच्चो तक पंहुचाने के लिये कहा गया है। केन्द्रो में पंखो की व्यवस्था, स्वास्थ्य संबधी विषम परीस्थिती परिलक्षित होने की स्थिती में निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर पंहुचाने की समुचित व्यवस्था की जानी है। इन्ही सभी निर्देशों के तहत उक्त परीक्षाऐं आयोजित की जावेगी।

पीएनबी के बैंक मैनेजर, बैंक कृषि अधिकारी के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

फर्जी दस्तावेज के आधार पर 95 लाख से अधिक के गबन का आरोप

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुरैना में पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक अजय कुमार भट्ट और बैंक कृषि अधिकारी कुनाल नाग के खिलाफ राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने मिली शिकायत की जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है। दोनों पर कूटरचित और फर्जी दस्तावेज के आधार पर 95 लाख 31 हजार रुपए के गबन का आरोप है। जानकारी के मुताबिक आरएल जोनवार ब्रांच मैनेजर पंजाब नेशनल बैंक बागचीनी मुरैना और एस के जुत्शी मण्डल प्रमुख, अरेरा हिल्स भोपाल द्वारा ईओडब्ल्यू में कूटरचित एवं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लगभग 97 लाख रूपये से अधिक के केवायसी लोन निकाले जाने की शिकायत की गई थी। ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि 6 जनवरी 2007 से 21 मार्च 2011 की अवधि के दौरान पंजाब नेशनल बैंक शाखा बागचीनी जिला मुरैना में पदस्थ शाखा प्रबंधक अजय कुमार भट्ट एवं बैंक कृषि अधिकारी कुनाल नाग एवं अन्य द्वारा बड़ा घोटाला किया गया है। आरोपियों ने मिलीभगत करते हुए 50 हितग्राहियों के केसीसी खातों में कूटरचित एवं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 95 लाख 31 हजार रुपए केसीसी ऋण दर्शाकर राशि उसका गबन कर लिया। इन 50 हितग्राहियों में 45 हितग्राहियों का तो अस्तित्व नहीं हैं। हालांकि जांच में 5 हितग्राहियों का अस्तित्व में होना पाया है, लेकिन उनके द्वारा भी इस तरह का लोन लेने से इनकार किया गया है। प्रथम दृष्टया में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 409, 467, 468, 120 बी, भादवि एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित अधिनियम 2018 की धारा 13 (1) क सहपठित धारा 13 (2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 60 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर के बाजार चौक स्थित दशन क्लिनिक लांजी में 25 मई को न्यूरोलाजिस्ट डॉ कुशल अग्रवाल के द्वारा निशुल्क जांच शिविर का आयोजन सुबह 11 से शाम 5 बजे तक किया गया था जहां डॉ अग्रवाल के द्वारा लगभग 60 मरीजों को निःशुल्क उपचार कर उन्हे आवश्यक समझाईश दी गई। बतादे कि डॉ कुशल अग्रवाल न्यूरालाजिस्ट है जो कि मुख्यतः मिर्गी, फिट,सर दर्द, लकवा स्ट्रोक, मायग्रेन, नसों की तकलीफ, सुन्न होना, याददाश्त की तकलीफ, पार किनसन (चलने मे तकलीफ), टीटी आना, गर्दन दर्द, कमर दर्द सहित अन्य दिमाग संबधी रोगों का उपचार करते है। इन्ही बिमारियों से संबधित लगभग 60 से अधिक मरीज उक्त शिविर में पंहुचे जहां डॉ अग्रवाल एवं उनकी टीम के द्वारा उपचार आदि कर मरीजों को आवश्यक समझाईश दी गई। डॉ अग्रवाल ने इस संबध में कहा कि उक्त बिमारियों सें संबधी किसी भी प्रकार की तकलीफें होती है तो तुरंत डाक्टर्स से संपर्क करे लापरवाही ना बरते।

अरब सागर में उठ रहा समुद्री तूफान शक्ति, अलर्ट जारी

नौतपा में गर्मी की बजाय आंधी-बारिश...भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों म अलर्ट, 28 मई तक ऐसा ही मौसम

भोपाल। ग्रहों के राजा सूर्य ने रविवार से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर लिया और इसके साथ ही नौतपा की शुरुआत हो गई है। नौतपा को सबसे तीव्र गर्मी के दिनों के रूप में देखा जाता है, लेकिन इस बार नौतपा नहीं तपेगा। आमतौर पर हर साल गर्मी के मौसम का सर्वाधिक तापमान इन्हीं दिनों में दर्ज किया जाता है। इसलिए इसे सबसे ज्यादा गर्मी वाले 9 दिन माना जाता है, लेकिन कई बार इन दिनों में बारिश भी देखने को मिलती है और इस बार तो मई की शुरुआत से ही शहर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। इस बार आंधी-बारिश वाला मौसम रहेगा। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन यानी, 28 मई तक मप्र में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत 40 जिलों में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। आंधी की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अरब सागर में एक तूफान जिसे शक्ति नाम दिया गया है, वह एक्टिव होने वाला है। जिससे देश के कई राज्यों में तेज बारिश होगी। मध्य प्रदेश के मौसम पर भी तूफान का असर होने की संभावना है। जिससे प्रदेश भी बारिश से तर हो जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, अरब सागर के पूर्व-मध्य हिस्से में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। यह सिस्टम आने वाले 36 घंटों में और ताकतवर हो सकता है। बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

नौतपा में बारिश

मई के महीने में पूरे प्रदेश में तेज गर्मी का असर रहता है। वहीं, नौतपा में भीषण गर्मी रहती है। इस बार अब तक आंधी-बारिश वाला मौसम ही रहा है। लगातार 24 दिन से प्रदेश में कहीं न कहीं बारिश हुई या फिर आंधी चली है। नौतपा के शुरुआती दिनों में भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पुष्टि की है कि पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर मंडरा रहा कम दबाव वाला क्षेत्र अगले 36 घंटों में डिप्रेशन में तब्दील हो सकता है। चक्रवात शक्ति के पश्चिमी तट की ओर बढ़ने की संभावना है। जिससे मध्य प्रदेश, दक्षिण और पश्चिम भारत के कई राज्यों में आंधी तूफान के साथ भारी बारिश का अनुमान है। समुद्र पर ऊंची-ऊंची लहरें उठेंगी और जोरदार आंधी भी चलेगी। मौसम वैज्ञानिक दिव्या ई सुरेंद्रन ने बताया कि अरब सागर के दक्षिणी कोंकण तट पर लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। जिसके कारण अधिकतर राज्यों में बारिश हो रही है। इसके साथ ही आज सुबह मानसून ने केरल में दस्तक भी दे दी है। जबकि केरल में मानसून पहुंचने का सामान्य समय एक जून है। ऐसे में मध्य प्रदेश में भी आने वाले 7 दिनों तक आंधी-बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई गई है।

15 जून तक आ सकता है मानसून

शनिवार को मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर उज्जैन, रतलाम, शाजापुर, देवास, बड़वानी, नर्मदापुरम, बैतुल सहित 47 जिलों में आंधी तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल, सीधी, सिंगरौली में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में 15 जून तक मानसून आने की उम्मीद है।

शादी का पंडाल लगाने से पहले लेनी होगी फायर एनओसी

5 हजार वर्गफीट के मकान भी होंगे दायरे में

भोपाल। मप्र में किसी को शादी के लिए पंडाल लगाना है या किसी राजनीतिक दल को सभा करनी है या फिर कोई सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन होना है, तो आयोजकों को सबसे पहले फायर एनओसी लेनी पड़ेगी। उसी के बाद बाकी अनुमतियां दी जाएंगी। जो आयोजक इस नियम का पालन नहीं करेंगे, उन्हें 10 हजार रुपए का जुर्माना और 3 महीने के कारावास की सजा होगी। 5 हजार वर्गफीट पर बने शैक्षणिक संस्थान, व्यवसायिक और व्यापारिक प्रतिष्ठान, औद्योगिक गोदामों के लिए भी एनओसी लेना जरूरी होगा। दरअसल, मध्यप्रदेश में फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एक्ट (कानून) लागू होने वाला है। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसे 3 जून को पचमढ़ी में होने वाली कैबिनेट मीटिंग में रखा जा सकता है। इसके बाद फायर एक्ट के बिल को विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। नया कानून बनने के बाद आम लोगों पर टैक्स का भार आएगा। नगर निगम और नगर पालिकाएं प्रॉपर्टी टैक्स के सरचार्ज के रूप में फायर टैक्स वसूलेंगे।

प्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट ही लागू नहीं

प्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट ही लागू नहीं है। अब नए एक्ट का जो ड्राफ्ट तैयार किया है, उसमें अग्निशमन सेवाओं का एक नया कैडर बनाया जा रहा है। इसका अपना एक अलग संचालनालय (डायरेक्टोरेट) होगा। डायरेक्टोरेट के गठन के बाद प्रदेश को अग्निशमन सेवा से जुड़े एक्सपर्ट अधिकारी मिलेंगे। नेशनल बिल्डिंग कोड 2016 के मुताबिक, इमारतों में अग्निशमन उपकरण लगाना जरूरी है। भवन मालिक यदि उपकरण नहीं लगाते तो उनके खिलाफ अधिकारी कार्रवाई करने के लिए सक्षम होंगे। एक्ट के अनुसार किसी बिल्डिंग में फायर सेफ्टी का इंतजाम नहीं करने या आग लगने की स्थिति में 10 हजार रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। इसके साथ ही अब 9 मीटर ऊंचाई वाले भवनों को भी फायर एनओसी लेना होगी। अब तक 15 मीटर ऊंचाई वाले भवनों के लिए ही यह जरूरी है। शैक्षणिक संस्थान, संस्थागत, सभा, व्यवसायिक- व्यापारिक, औद्योगिक गोदाम के लिए 500 मीटर से अधिक के क्षेत्र में फायर एनओसी अनिवार्य रहेगी।

कमिश्नर और डायरेक्टर की होगी नियुक्ति

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का कमिश्नर ही फायर एंड इमरजेंसी सर्विस का कमिश्नर होगा। सरकार एक डायरेक्टर को भी नियुक्त करेगी। यह ऐसा व्यक्ति होगा, जिसके पास अनुभव, जानकारी और इस क्षेत्र में अच्छे काम का रिकॉर्ड हो। यह डायरेक्टर, कमिश्नर के अधीन रहकर काम करेगा।

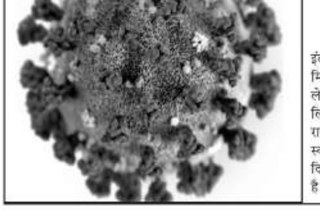

राजधानी के सरकारी ओपीडी में 20 फीसदी कोरोना जैसे लक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना केस को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। कल प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में कोरोना के दो नए केस मिले थे। वहीं आज रविवार को भी कोरोना के दो पॉजिटिव केस सामने आए है। इसे मिलाकर इंदौर में दो दिन में चार केस हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के ज्वाइन डायरेक्टर डॉक्टर संजय मिश्रा ने कोरोना को लेकर निर्देश जारी किया है। सभी अस्पताल तैयारी पुख्ता रखें। ऑक्सीजन प्लांट की भी रिपोर्ट तैयार करें। कोरोना जांच के लिए सभी सेंटर में तैयारी दुरुस्त रखे। विभाग ने अस्पतालों से आरटीपीसीआर टेस्ट सेंटर की रिपोर्ट मांगी है। प्रदेश की राजधानी भोपाल के सरकारी ओपीडी में 20 फीसदी कोरोना जैसे लक्षण सामने आए हैं। इन मरीजों में बुखार, गंध और स्वाद का जाना, बदन दर्द, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई दे रहे है। सामान्य तौर पर 07 से 10 दिनों में मरीज ठीक हो रहे है। जानकारी के अनुसार देश में कोविड 19 के वेरिएंट एनबी1.8.1 और एफएल 1.8.1 के मरीज है। रिपोर्ट की मानें तो देश में कोरोना के कुल 350 एक्टिव केस है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

तबादलों से माननीयों को परहेज

बंगले के बाहर लागाया बोर्ड- तबादलों के लिए न करें संपर्क

भोपाल। मप्र में सरकारी अधिकारियों-कर्मचरियों के लिए इस समय तबादलों का सीजन चल रहा है। इस कारण सांसद और प्रदेश सरकार के मंत्री अपने यहां ट्रांसफर के लिए आने वाले आवेदकों से परेशान हैं। परेशान इतने है कि अपने बंगलों पर जगह-जगह पम्पलेट लगा दिए हैं- ट्रांसफर के लिए संपर्क ना करें... ऑनलाइन आवेदन करें। वहीं सुनवाई नहीं होने से कर्मचारी भी परेशान हैं...। भोपाल के चार इमली और 74 बंगले इलाके में जब कोई मंत्री का बंगला पास से गुजरता है, तो दरवाजों और दीवारों पर ये पोस्टर दिख जाते हैं। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार समेत कई मंत्रियों ने ये नोटिस लगवा दिए हैं। लेकिन दूसरी तरफ, दूर-दूर से कर्मचारी भोपाल आकर सुबह से शाम तक बाहर खड़े रहते हैं। कारण ये कि वे मंत्री से मिलकर ट्रांसफर की अर्जी देना चाहते हैं, लेकिन मिलने का मौका ही नहीं मिल रहा।

सरकार कहती है कि ट्रांसफर प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है, लेकिन कर्मचारियों को भरोसा नहीं है। उनका कहना है कि जब तक मंत्री जी से मिलकर बात नहीं होगी, तब तक ट्रांसफर आगे नहीं बढ़ेगा। यही वजह है कि ऑफलाइन कॉपी लेकर मंत्री बंगलों के बाहर लाइन लगी रहती है। कई कर्मचारी सुबह-सुबह पहुंचते हैं और देर शाम तक वहीं इंतजार करते हैं। मंत्री और अफसरों की ओर से कहा जा रहा है कि अब सबकुछ ऑनलाइन होगा, कोई ऑफलाइन सुनवाई नहीं होगी। लेकिन कर्मचारी कहते हैं कि जब वेबसाइट ठीक से काम नहीं कर रही है और कोई सुनवाई नहीं हो रही, तो आखिर कहां जाएं? ट्रांसफर की उम्मीद लेकर लोग गांव-गांव से भोपाल आ रहे हैं, लेकिन बंगलों के बाहर सिर्फ पम्पलेट मिल रहे हैं, मंत्री नहीं।

डिप्टी सीएम से स्वास्थ्य मंत्री तक...परेशान

दरअसल, मप्र में माननीय इन दिनों उन कर्मचारियों से परेशान हैं, जो चौखट पर ट्रांसफर की अर्जी लेकर पहुंच रहे हैं। वहीं परेशान मंत्री जी ने अपने स्टाफ से पूरे बंगले पर पम्पलेट चिपकवा दिए हैं। ट्रांसफर वालों से वो मिलना ही नहीं चाहते... चार इमली से लेकर 74 बंगलों में बैठने वाले मप्र के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के साथ कई कैबिनेट मंत्रियों के बंगलों पर इस तरह के प्रिंटआउट लगा दिए गए हैं। गौरतलब है कि, मप्र में तबादलों के लिए 1 मई से 30 मई तक का समय निर्धारित किया गया है। 3 साल बाद तबादलों से छूट मिली तो तबादला आवेदनों की संख्या भी तय सीमा से अधिक पहुंच गई है। तबादलों की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है, लेकिन लोगों का मानना है कि ऑफलाइन अनुमति के बिना काम नहीं हो पाएगा। यही कारण है कि आवेदक ऑनलाइन आवेदन जमा करने के बाद भी एप्लिकेशन की कॉपी लेकर मंत्रियों के बंगलों पर पहुंच रहे। आवेदक सांसदों तक गुहार लगा रहे हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश में इन दिनों मंत्रियों के पास कर्मचारी अपने मनपसंद और सहूलियत वाली जगह ट्रांसफर की अर्जी लेकर पहुंच रहे हैं। इनसे परेशान होकर मंत्रियों ने अपने स्टाफ से पूरे बंगले की बाहरी दीवारों और गेट पर पर पम्पलेट चिपकवा दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, तबादलों की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और डिजिटल तरीके से हो रही है, लेकिन लोगों का मानना है कि, मंत्री जी से ऑफलाइन मिले बिना काम नहीं हो पाएगा या काम बीच में अटक जाएगा, इसलिए सुबह से ही मंत्री जी से मिलने के लिए कर्मचारियों की लाइन लग जाती थी। इससे परेशान होकर ही मध्य प्रदेश के मंत्रियों ने यह पोस्टर लगाए हैं। मप्र में तबादला नीति लागू होना मानो जनप्रतिनिधियों के लिए आफत बन गया हो। उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने अपने कार्यालय के बाहर एक पम्पलेट चस्पा किया है। पम्पलेट पर लिखा है कि कृपया स्थानांतरण के लिए संपर्क न करें, सांसद ने इसके साथ शस्त्र लाइसेंस के लिए संपर्क न करने का भी एक सूचना चस्पा करवाई है। वर्ष 2025 में तबादला के लिए शासन द्वारा जारी नई पालिसी में 30 मई तक का समय तय हुआ है, जिसमें विभाग अपने कर्मचारियों के ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके बाद सामान्य तौर पर होने वाले और विशेष परिस्थितियों में होने वाले ट्रांसफर ही होंगे। बस इसी तय तारीख के चलते दफ्तर में लगी कतार के बाद परेशान होकर सांसद ने दो सूचना चस्पा कार्रवाई है।

विजय शाह को 28 तक ऑनलाइन भेजे जाएंगे प्रस्ताव

विवादित बयान मामले के चलते जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह भले ही दफ्तर और कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं लेकिन अपने विभाग के तबादलों को ओटीपी देखकर मंत्री शाह ही मंजूरी देंगे। विभाग प्रदेश भर से मिले तबादला प्रस्तावों की एक रिपोर्ट तैयार कर मंत्री को ई-ऑफिस के जरिए भेजेगा और इसके बाद मंत्री के मोबाइल पर आने वाले ओटीपी के बाद ही ट्रांसफर का अनुमोदन किया जा सकेगा। मौजूदा हालातों को देखते हुए विभाग तबादलों की यह रिपोर्ट मंत्री को तीन दिन बाद भेजेगा ताकि 28 मई को सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी की रिपोर्ट पेश होने के बाद कोर्ट के फैसले के आधार पर निर्णय लिए जा सके। 30 मई तक होने वाले तबादलों के बीच जनजातीय कार्य विभाग के तबादलों को लेकर हर कोई जानना चाहता है कि आखिर दफ्तर और कार्यक्रमों से दूरी बनाकर चल रहे मंत्री शाह के विभाग के तबादला आदेश उनके अनुमोदन के बगैर जारी कैसे होंगे। हालांकि सूत्रों और विभाग के अफसरों का कहना है कि तबादला आदेश जारी करने में मंत्री का रोल महत्वपूर्ण रहेगा। उनके अनुमोदन के बाद ही तबादला आदेश जारी होंगे। यह अनुमोदन मंत्री सीधे ई ऑफिस के जरिए आने वाली हर फाइल में करेंगे या एक साथ सभी तबादलों के प्रस्ताव मंगाकर एक बार में ओटीपी के जरिए इसका अनुमोदन करा लिया जाएगा। इसका फैसला होना अभी बाकी है और अधिकारी सरकार और कोर्ट के रुख का इंतजार इस मामले में कर रहे हैं। मंत्रालय के अफसरों के अनुसार फिलहाल मंत्री के पास इससे संबंधित प्रस्ताव नहीं भेजे जा रहे हैं।

एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम बनाएगी किसानों को मालामाल

- खेती में अमूल चूल परिवर्तन लाने की तैयारी में शिवराज...देश के 730 जिलों में चलेगा अभियान

भोपाल। खेती-किसानी को लाभ का धंधा बनाने के लिए सरकार कई कार्यक्रम चला रही है। इसी कड़ी में अब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान खेती किसानी में कुछ नया करने जा रहे हैं। जिसके तहत खरीफ सीजन की खेती से पहले उन्होंने एक नए अभियान की शुरूआत करने की पहल की है। जिसे विकसित कृषि संकल्प अभियान नाम दिया गया है। देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खेती किसानी में आमूल चूल परिवर्तन और नई क्रांति लाने के लिए एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम का मंत्र देकर विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की है। उनका दावा है कि इस अभियान के बाद खरीफ सीजन की खेती एक अलग ही रफ्तार पकड़ेगी उसका असर देखने को मिलेगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम का जो मंत्र है उसे मैदान पर उतारा जाएगा। इसलिए इस अभियान को देश के 730 जिलों में 65,000 से अधिक गांव में चलाने की घोषणा की गई है। जिसका मतलब है लैब टू लैंड वैज्ञानिक शोध को सीधे खेतों तक ले जाना। इस अभियान के तहत आईसीएआर के वैज्ञानिक, कृषि वैज्ञानिक और कृषि विभाग के अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञ गांव गांव जाएंगे किसानों से संवाद करेंगे और बेहतर खेती कम लागत में बम्पर उत्पादन का मंत्र देंगे। इस अभियान को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का मानना है कि ये अभियान खरीफ सीजन की खेती में क्रांति लेकर आएगा जिससे किसानों की आय बढ़ेगी और खेती में फायदे ही फायदे होगे।

29 मई से 12 जून तक चलेगा अभियान

कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि ये अभियान खरीफ सीजन की खेती के ठीक पहले शुरू होगी, जो कि 29 मई से 12 जून तक चलेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिक गांव-गांव खेतों तक पहुंचेंगे हर जिले में करीब तीन रथ चलेंगे, एक दिन में एक रथ तीन गांव को कवर करेगा और वहां के किसानों से मिलेंगे उनकी समस्याएं सुनेंगे उनके जो नवाचार होंगे वो भी सुने जाएंगे और उनकी हर समस्या का निदान भी वहीं किया जाएगा। अगर किसी समस्या का निदान नहीं होता है तो उनका फीडबैक लेकर के रिसर्च के लिए दिया जाएगा।

खेतों में खेती की समस्याओं का समाधान

कृषि से संबंधित जो सरकार की योजनाएं हैं, कृषि से संबंधित जो विभाग हैं जैसे हॉर्टिकल्चर, मत्स्य विभाग, वेटरनरी विभाग, उसका हर मैदानी अमला उस रथ में साथ रहेगा और किसानों को शासकीय योजना का लाभ लेने का तरीका और जो समस्याएं हैं उनका निराकरण वहीं करेगा। इसके अलावा परंपरागत खेती में जो दिक्कतें आती हैं, जो रोग लगते हैं, उनकी बारीकियों को भी ध्यान से सुना जाएगा और उसमें क्या कुछ कर सकते हैं उसके बारे में बताया जाएगा।

महिला से गैंगरेप, सरिया डालकर बच्चेदानी निकाली, पीड़ता की तड़प तड़प कर मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के आदिवासी अंचल खालवा में एक महिला के साथ दो दरिंदों ने सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया। उसके बाद उसके निजी अंग में सरिया डालकर उसकी बच्चेदानी बाहर निकाल ली। बलात्कार की शिकार महिला की तड़प तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जिस तरह से पीड़ता के साथ क्रूर व्यवहार किया गया है। उससे मानवता शर्मसार हो गई है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार शनिवार को पीड़िता की 16 साल की बेटी ने घटना की सूचना दी। बेटी ने सूचना में बताया, हरि पालवी उम्र 35 वर्ष के घर उसकी मां लहुलहान हालत में पड़ी है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

अब एक जिले में पदस्थ कर्मचारी दूसरे जिले में अटैचमेंट लेकर नहीं कर सकेंगे काम

कर्मचारियों को मूल कार्यालय में लौटने के आदेश, नहीं तो होगी कार्रवाई

भोपाल । परिवहन विभाग द्वारा एक जिला कार्यालय में पदस्थापना प्राप्त कर्मचारियों का दूसरे जिले में प्रतिनियुक्ति पर काम करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है, साथ ही ऐसे सभी कर्मचारियों को तुरंत मूल कार्यालय में काम पर लौटने के आदेश दिए हैं, साथ ही कहा है कि अगर आदेश का पालन नहीं किया जाता है तो ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह देखने में आया है कि विभाग के जिला स्तरीय कार्यालयों में अन्य जिले के कार्यालयों से कर्मचारी संलग्न होकर कार्यरत हैं। जिस कारण से कर्मचारियों की कमी के कारण मूल कार्यालय का कार्य प्रभावित होता है और आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए राज्य शासन परिवहन विभाग के सभी संभागीय, क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन कार्यालयों में संलग्न कर्मचारियों के संलग्नीकरण को तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए एक पक्षीय कार्यमुक्त करता है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अगर आदेश के बाद भी कोई कर्मचारी मूल पदसथापना पर कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गृह जिले और कमाई के ऑफिस से नहीं छूटता मोह

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि परिवहन मुख्यालय हमेशा जरूरत के हिसाब से सभी कार्यालयों में कर्मचारियों की पदस्थापना करता है, लेकिन अक्सर कर्मचारी अपने ग्रह जिले में जाने के लिए या जहां उनकी कमाई होती है, वहां जाने के लिए अपनी पदस्थापना मूल कार्यालय से बदलवाकर दूसरे जिले में करवा लेते हैं। इसमें ऊपर बैठे अधिकारी भी शामिल होते हैं, जो इसकी अनुमति दे देते हैं। राज्य शासन के मौजूदा आदेश के बाद इस पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी।

विभागों की आर्थिक स्थिति का होगा आकलन

- बैंक खातों में जमा राशि का वित्त विभाग ने मांगा हिसाब-किताब

भोपाल। मप्र में सरकार विभागों की आर्थिक स्थिति का आकलन करेगी। इसके लिए प्रदेश सरकार के अलग-अलग विभागों की ओर से बैंकों में कितनी राशि जमा करके रखी गई है। इसकी जानकारी राज्य शासन ने विभाग प्रमुखों से मांगी है। सरकार ने यह जानकारी विभागों से 31 मार्च 2025 की स्थिति में मांगी है। इसलिए तीन दिन के भीतर फाइनेंसियल डिटेल भेजी जाए। इसके बाद विभागों के वित्तीय सलाहकारों और वित्त अधिकारियों के साथ वित्त विभाग द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी। इसके साथ ही कहा है कि सरकार द्वारा बजट में प्रस्तावित नई योजनाओं पर लिए गए नीतिगत फैसलों के चलते भविष्य में कितने फंड की जरूरत होगी, इसकी भी जानकारी दी जाए। इसके साथ ही सरकार द्वारा लोन और एडवांस के बारे में भी विस्तार से जानकारी देने के लिए कहा गया है। वित्त विभाग ने कहा है कि सभी विभाग यह ब्यौरा जल्द से जल्द भेजें ताकि इसकी रिपोर्ट सरकार के साथ ऑडिटर जनरल को भी भेजी जा सके।

संचालक बजट ने सभी विभागों के बजट नियंत्रण अधिकारी, एसीएस, प्रमुख सचिव, सचिव व विभागाध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि वर्ष 2024-25 में हुए खर्च और अन्य जानकारी देने के लिए पूर्व में भी विभागों को निर्देश जारी किए गए थे और इसके लिए 2 मई तक की छूट भी दी गई थी लेकिन विभागों की ओर से जानकारी आना बाकी है। सरकार ने यह जानकारी विभागों से 31 मार्च 2025 की स्थिति में मांगी है। इसलिए तीन दिन के भीतर फाइनेंसियल डिटेल भेजी जाए। इसके बाद विभागों के वित्तीय सलाहकारों और वित्त अधिकारियों के साथ वित्त विभाग द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी।

ऑडिटर जनरल भी मांग चुके हैं जानकारी

गौरतलब है कि सरकार के कामकाज के हिसाब की गलतियां पकडने और उसमें सुधार कराने की जिम्मेदारी निभाने वाले महालेखाकार भी इस तरह की जानकारी राज्य सरकार से मांग चुके हैं। ऑडिटर जनरल द्वारा 31 मार्च की स्थिति में पहले अप्रैल में ही जानकारी देने को कहा गया था लेकिन विभागों की ओर से ब्यौरा नहीं मिला तो इसकी टाइम लिमिट बढ़ाकर 2 मई कर दी। इसके बाद भी अभी तक विभाग जानकारी नहीं दे सके हैं।

यह प्रमुख जानकारी देना जरूरी

ऑफबजट लायबिलिटीज, अनपेड बिलों की लायबिलिटीज, फंड आपरेटेड आउटसाइड गवर्नमेंट अकाउंट्स, विभागों की बैंकों में जमा राशि, पंचायत राज संस्थाओं को दिए गए ग्रांट पर बकाया, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में निवेश की राशि का ब्यौरा, बजट में प्रस्तावित नई योजनाओं पर लिए गए नीतिगत फैसलों के चलते भविष्य में कितने फंड की जरूरत, सिंचाई परियोजनाओं पर हुए खर्च की स्थिति कितना भुगतान हुआ कितना होना बाकी, बिजली योजनाओं पर हुए खर्च का ब्यौरा, अपूर्ण कार्यों की सूची और होने वाला खर्च, सरकार द्वारा विभिन्न विभागों को कितना अनुदान दिया गया, रिजर्व फंड की स्थिति। पिछले वित्त वर्ष में दिए गए लोन और एडवांस की डिटेल, लोन और एडवांस की ऋणी समूहवार और क्षेत्रवार जानकारी, निगम मंडल, कम्पनियों, सहकारी संस्थाओं को सरकार द्वारा कितना लोन दिया गया, पिछले सालों में हुए खर्च और उसके समायोजन की पूरी रिपोर्ट, सरकार ने अनुदान किस काम के लिए दिया?

मप्र के नेताओं ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

भोपाल। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड के जरिए देश को संबोधित किया। मध्य प्रदेश के नेताओं ने पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। जबलपुर में सेना के जवानों और भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर कुली भाईयों ने हाथों में तिरंगा लेकर कार्यक्रम का श्रवण किया।

एमपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने भोपाल के खटलापुरा मंदिर में मन की बात का श्रवण किया। वीडी शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सिंदूर ऑपरेशन के बाद देशभर में तिरंगा यात्रा ने देशभक्ति का वातावरण बनाया। वोकल फॉर लोकल पर फोकस रहा। मध्य प्रदेश में लोकल टूरिस्ट में बढ़ोत्तरी हुई। ड्रोन दीदी को स्काई वॉरियर्स के नाम में जाना जाएगा। वीडी शर्मा ने 21 जून को योग दिवस को लेकर तैयारियां के बारे में जानकारी भी दी। उन्होंने इकोनॉमी को लेकर कहा कि भारत आज चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। हम तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। पीएम मोदी के भोपाल दौरे को लेकर कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर के आदर्श शासन व्यवस्था पर आगे बढ़ रहे है।

सिंदूर रंग की साड़ी में नजर आएंगी महिलाएं

अहिल्याबाई की जयंती को ऐतिहासिक बनाने का काम किया जा रह है। 2 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं आएंगी। महिलाओं के लिए ड्रेस कोड भी रखा गया है। सिंदूर रंग की साड़ी में सभी महिलाएं नजर आएंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पोस्ट पर कहा कि कांग्रेस ट्विटर पर ही रहेगी। बीजेपी जमीनी स्तर पर काम करती है। भाजपा काम में विश्वास करती है। उनके बारे में ज्यादा कमेंट करने की जरूरत नहीं। भाजपा अपना काम कर रही है।

जबलपुर में सेना के जवानों ने सुनी मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को लेकर सेना के जवानों में भी खासा उत्साह नजर आया। जबलपुर के वन एसटीसी सेंट्रल स्कूल के बत्रा ऑडिटोरियम में सैकड़ो की तादाद में जवानों ने एक साथ कार्यक्रम को सुना। भारतीय सेना के मध्य भारत कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत के साथ ही प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भारतीय सेना के शौर्य पराक्रम और साहस की जमकर सहाना की। इस मौके पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि यूं तो वे हर बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनते आ रहे हैं लेकिन इस बार का एपिसोड उनके लिए बेहद खास है क्योंकि उन्होंने सैनिकों के साथ मिलकर इस बार कार्यक्रम को सुना। मंत्री राकेश ने कहा कि मन की बात एक कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के बीच एक सेतु के रूप में काम करता है।

रानी कमलापति स्टेशन पर के प्लेटफार्म नंबर एक पर भव्य नजारा देखा गया। सांसद आलोक शर्मा ने 200 से ज्यादा कुली भाइयों और उनके परिवार के साथ मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। ट्रेन से उतरे यात्रियों ने कार्यक्रम को सुना। वहीं सांसद आलोक ने कुली भाइयों की समस्या भी सुनी। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी कुली भाइयों की जो भी समस्या है उनको दूर किया जाएगा। आलोक शर्मा ने कहा कि कुली भाइयों को समाज में उचित स्थान मिले। साथ ही उनको केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले, उसके लिए हम विशेष तैयारी कर रहे हैं। स्वास्थ्य बीमा का लाभ हमारे हर कुली भाई को मिले और उनके परिवार को भी लाभ मिले, हम उचित व्यस्था करेंगे।

फील्ड वर्करों को किया पुरस्कृत

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रविवार को धार के पीजी कालेज में आयोजित सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम संकल्प-प्रयास से आशा एक कदम जागरूकता की ओर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राज्यपाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन जागरूकता अभियान के तहत किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने कहा सिकल सेल पीड़ित को दवाइयां खाना है बाहर का खाना नहीं खाना है। दोनों सिकल सेल के कैरियर विवाह नहीं करे, ठंडे पानी से नहीं नहाए और व्यायाम करें। सिकल सेल पीड़ित आयुष की भी दवाइयां ले। धार जिले में 25 हजार कैरियर जांच में पाए गए है। सिकल सेल कैरियर पीड़ित स्टूडेंट्स से राज्यपाल ने बात की और उन्हें व्यायाम करने की समझाइश दी। राज्यपाल ने फील्ड पर सिकल सेल के लिए बेहतर कार्य करने वालों को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक एवं जन जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने सिकल सेल उन्मूलन के लिए अभियान चलाया

शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया का प्रभाव बहुत बड़े क्षेत्र में है। प्रधानमंत्री मोदी ने सिकल सेल उन्मूलन के लिए अभियान चलाया है। उनके संकल्पना को पूरा करने के लिए राज्यपाल लगातार प्रयास कर रहे हैं। भोपाल में भी लगातार बैठक कर रहे हैं। फील्ड में भी देखने का काम वह कर रहे हैं। आज एक कार्यशाला थी, आने वाले समय में ज्यादा से ज्यादा काम सिकल सेल एनीमीया पर कर सके और धार जिले से उन्मूलन कर सके यही इसका उद्देश्य था।

खंडवा में महिला का रेप कर निकाल ली बच्चेदानी

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण यादव ने लगाया आरोप

भोपाल। खंडवा जिले में एक महिला के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी बच्चेदानी निकलने का मामला सामने आया है इसके बाद से कांग्रेस नेताओं ने सरकार को जमकर घेरा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव और विधायक आरिफ मसूद ने रविवार को पीसीसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खंडवा जिले में हुई रेप की घटना को लेकर सरकार से सवाल किया।

उन्होंने कहा कि खंडवा में एक महिला के साथ दुष्कर्म कर बच्चेदानी निकाल दी गई। उसकी मौत हो गई। यह क्षेत्र बीजेपी नेता और मंत्री विजय शाह का है और अब कांग्रेस देखना चाहती है कि वे इस गंभीर मुद्दे पर क्या कार्रवाई करते हैं। वहीं, विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि अगर कोर्ट को ही सब निर्णय लेने है, तो सरकार का अस्तित्व ही क्यों?

सबसे ज्यादा यौन शोषण वाला राज्य मप्र

अरुण यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का ऐसा राज्य बन चुका है, जहां सबसे ज्यादा यौन शोषण के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह साफ संकेत है कि प्रदेश में सरकार की कानूनी व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है।

विजय शाह पर कोई एक्शन नहीं

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को हुए 10 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अब तक मंत्री विजय शाह के विवादित बयान के बावजूद सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। सवाल यह उठता है कि सरकार आखिर किसे बचाने की कोशिश कर रही है? उन्होंने यह भी कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने खुद कहा है कि विजय शाह को गलती माफी के लायक नहीं है, तब भी सरकार की चुप्पी संदेह पैदा करती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो कांग्रेस विपक्ष को मिले संवैधानिक अधिकारों का पूरा उपयोग करेगी और हर वैधानिक कदम उठाने में पीछे नहीं हटेगी।

मुम्बई और पंजाब के बीच मुकाबला आज

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच अंतिम लीग मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनों का लक्ष्य जीत के साथ ही शीर्ष दो में जगह बनाने का प्रयास करना रहेगा। प्लेऑफ में शीर्ष शीर्ष दो में जगह बनाने वाली टीम को फाइनल के लिए एक अतिरिक्त अवसर मिलता है। अभी अंक तालिका में पंजाब किंग्स 17 अंकों के साथ ही दूसरे स्थान पर है पर अगर वह मुंबई से हारी तो उसके 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना पड़ेगा। पंजाब को शीर्ष दो में तभी जगह मिलेगी जब वह मुम्बई से जीत जाये और अन्य अन्य दोनो टीमें गुजरात टाइटंस और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने -अपने अंतिम लीग मुकाबले हार जाये।

पंजाब किंग्स को पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना

पड़ा था जिससे उसके शीर्ष दो में बने रहने की संभावनाएं कम हुई। अब उसे मुंबई इंडियंस पर किसी भी हाल में जीत हासिल करनी होगी। मुंबई इंडियंस का नेट रन रेट प्लेऑफ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे अच्छा है।ऐसे में अगर वह पंजाब किंग्स से जीत जाती है तो उसे शीर्ष दो में जगह मिल सकती है पर इसके लिए उसे गुजरात टाइटंस और आरसीबी की हार की उम्मीद करनी होगी।

पंजाब किंग्स को मुम्बई के खिलाफ मैचे में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करनी होगी। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 200 से अधिक रन का बचाव नहीं कर पायी थी। इस मैच में पंजाब के बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी से सतर्क रहना होगा। बुमराह ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार गेंदबाजी कर 16 विकेट लिए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर जैसे गेंदबाज भी पंजाब के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयासा करेंगे। बल्लेबाजी में मुम्बई के पास रोहत शर्मा और सूर्यकुमार यादव , तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य पर निर्भर करेगी। पंजाब के पासा अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज है जो मुम्बई के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं देंगे। दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है, ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं। **दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -**

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), श्रीजीत कृष्णन (विकेटकीपर), बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु शर्मा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, पी. अविनाश, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजई, प्रियांश आर्य, आरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, अर्शदीप सिंह, वी. विजयकुमार, यश ठाकुर, कुलदीप सेन जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे, काइल जैमीसन।

श्रीकांत मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में हारे

क्वालालंपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत को यहां हुए मलयेशियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत को आधे घंटे से अधिक समय तक चले पुरुष एकल खिताबी मुकाबले में चीन के ली शी फेंग ने सीधे गेम में 11-21, 9-21 से हरा दिया। इससे श्रीकांत के पास आया खिताब जीतने का अवसर निकल गया।

श्रीकांत ने मलयेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करते हुए छह साल में पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के फाइनल में प्रवेश किया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने क्वालिफायर से लेकर फाइनल तक अच्छा प्रदर्शन किया था पर फाइनल में वह चीनी खिलाड़ी के सामने टिक नहीं पाये।

श्रीकांत ने इससे पहले सेमीफाइनल में विश्व के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को 21-18, 24-22 से हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग के फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ जीत हासिल की थी। इसके अलावा क्वार्टर फाइनल में पोपोव को 24-22, 17-21, 22-20 से पराजित किया जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में गुयेन को 23-21, 21-17 से हराया था।

मॉर्गन और नासिर बोले, शुभमन को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी देना सही फैसला

लंदन। इंग्लैंड के दो पूर्व कप्तानों इयोन मॉर्गन और नासिर हुसैन ने कहा है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी देना एक सही फैसला है। मॉर्गन के अनुसार शुभमन में नेतृत्व के स्वाभाविक गुण हैं और वह किसी भी फैसले पर सवाल उठाने में नहीं डरते हैं। मॉर्गन ने कहा कि उन्होंने साल 2020 और 2021 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में शुभमन के साथ खेला है। तभी उन्होंने पाया था कि शुभमन में कप्तानी के गुण हैं। भारतीय टीम को अगले माह शुभमन की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट से संन्यास ले लिया था। मॉर्गन का मानना है कि भारतीय टेस्ट टीम के लिए यह दौरा आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम में तीन में बल्लेबाजों शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और

केएल राहुल होंगे के अलावा भी भारतीय टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं।

वहीं नासिर हुसैन ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी भारतीय टीम की बल्लेबाजी मजबूत है। उन्होंने कहा कि इस टीम में प्रतिभाशाली युवाओं को अवसर मिला है। साथ ही कहा कि शुभमन को कप्तानी इसलिए दी गयी है क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पूर्व कप्तान ने शुभमन की प्रशंसा की पर साथ ही कहा है कि घरेलू धरती पर उन्होंने काफी रन बनाये हैं पर अब तक विदेशी धरती पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। आईपीएल में उनकी कप्तानी अच्छी रही है। उन्होंने आठ साल के बाद टीम में करुण नायर की वापसी को भी अहम बताया है। साथ ही कहा कि भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी हैं पर इसके बाद भी उसे कमजोर नहीं माना जा सकता है।

आरसीबी इस प्रकार पहुंच सकती है शीर्ष दो टीमों में

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार के बाद से ही उसके शीर्ष दो टीम में रहने की संभावना कम हुई है पर समाप्त नहीं हुई है। आरसीबी के पास अभी भी अवसर बचा है पर उसे मंगलवार को होने वाले अंतिम लीग मैच में जीत हासिल करनी होगी और अन्य दो टीमों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। हैदराबाद के खिलाफ हार से आरसीबी तीसरे स्थान पर खिसक गयी है। आरसीबी के अब 13 मैचों से 17 अंक हैं। वहीं पंजाब किंग्स के भी इतने ही अंक हैं पर पंजाब की टीम नेट रन रेट में बेंगलुरु से बेहतर होने के कारण उससे आगे हैं। ऐसे में आरसीबी को अब मंगलवार को अपने बचे हुए लीग मैच में ही जीत दर्ज करनी होगी। अगर वह इस मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को हरा देती है, तो उसके 19 अंक हो जाएंगे। इस प्रकार वह एक बार फिर अंक तालिका में शीर्ष दो में पहुंच सकती है पर इसके साथ ही उसे अंक तालिका में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के मुकाबलों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। अभी गुजरात टाइटंस 18 अंक के साथ नंबर एक पर है उसका एक मैच बाकी है। इसमें अगर वह जीती तो उसके 20 अंक हो जाएंगे। वहीं इसी प्रकार अगर पंजाब किंग्स अगर अपने दोनों मैच जीत ले तो उसके 21 अंक हो जाएंगे। ऐसे में आरसीबी अपना अंतिम मैच जीतकर भी शीर्ष दो से बाहर हो जाएगी।

वहीं मुंबई इंडियंस प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम है। उसके अभी 13 मैच से 16 अंक हैं। अगर वह अपना अंतिम मैच जीते तो उसके 18 अंक हो सकते हैं। इसके बाद भी वह शीर्ष-2 में नहीं आ पायेगी। मुंबई इंडियंस तब ही शीर्ष दो में पहुंच सकती है जब शीर्ष 3 में मौजूद टीमों में से कोई दो अपने सारे लीग मैच हार जाएं। आईपीएल के नियमों के अनुसार, अंक तालिका की शीर्ष-2 टीमों के बीच क्वालीफायर-1 का मुकाबला होता है। इसका विजेता सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है। वहीं क्वालीफायर-1 हारने वाला दूसरे क्वालीफायर में एलिमिनेटर मैच के विजेता से खेलता है।

राहुल को टी20 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रखे भारतीय टीम- पीटरसन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर केविन पीटरसन ने केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन के अनुसार राहुल को 2026 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखे। इसके साथ ही उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये।

भारतीय टीम में अभी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। चयनकर्ताओं के पास राहुल के अलावा ऋषभ पंत, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे अच्छे विकल्प हैं। राहुल 2022 विश्व कप के बाद से ही भारतीय टी20 टीम में शामिल नहीं हैं पर पीटरसन का मानना है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी वापसी के लिए मजबूत दावेदारी की है। ऐसे में वह विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे बेहतर हैं।

पीटरसन ने कहा, "मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना चाहूंगा। मुझे लगता है कि आपके पास बहुत सारे सलामी बल्लेबाज हैं।" इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, "राहुल जिस तरह से अब क्रिकेट खेल रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने और भारत के लिए विकेटकीपिंग करने के लिए मेरी पहली पसंद बन गये हैं।"

उन्होंने हाल में एकदिवसीय में भी शानदार प्रदर्शन किया था। राहुल ने पिछले साल के मध्य से लेकर आखिर तक बहुत सकारात्मक तरीके से खेला है। इसमें वह मैच विजेता बल्लेबाज के तौर पर भी उभरे हैं। इसके अलावा मैंने बल्लेबाजी के बारे में उसके साथ बहुत सारी शानदार बातचीत की है। इसमें वह बेहत गंभीर नजर आये। उन्होंने कहा, "आपको बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए हर प्रारूप के मुताबिक अपने खेल को लगातार विकसित करना होता है। एक उम्र पर पहुंचने के बाद यह बहुत कठिन होता है लेकिन राहुल ने अपने को बदला है।" अगला टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। पिछले आईपीएल में 250 के आसपास का स्कोर आम बात थी, लेकिन पिचों की धीमी प्रकृति ने इस सत्र में बल्लेबाजी को मुश्किल बना दिया है। पीटरसन को इससे कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग के दौरान लाये गये बदलाव पर काम कर के खेल में सुधार किया जा सकता है।

बांग्लादेश-पाक सीरीज में सुरक्षा के लिए तैनात रहेगी सेना

ढाका । बांग्लादेश की टीम क्रिकेट सीरीज पहुंचने पाकिस्तान तो पहुंच गयी है पर उसे वहां आतंकवाद का खतरा सता रहा है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी टीम की सुरक्षा को लेकर परेशान है। जिसके बाद से ही उसने क्रिकेट सीरीज के दौरान सेना की सुरक्षा मांगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अब पाक और बांग्लादेश के बीच सीरीज के दौरान सेना तैनात रहेगी। शुरुआत में, बांग्लादेश को पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे पर सुरक्षा कारणों से अब को देखते हुए अब तीन टी20 मैच ही होंगे। पीसीबी के अनुसार सभी मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में रखे गये हैं।

पंजाब किंग्स-दिल्ली कैपिटल्स मुकाबले में बने ये रिकार्ड

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कई बड़े रिकार्ड भी बने हैं। इस मैच में पंजाब की टीम ने पहले बल्लेबाज करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 206 रन बनाए थे। इसके बाद 207 रनों के लक्ष्य को दिल्ली कैपिटलस ने 19.3 ओवर में ही 6 विकेट पर हासिल कर एक नया रिकार्ड बना दिया। ये तो तीसरी बार है जब जयपुर के स्टेडियम में किसी टीम ने 200 रनों का लक्ष्य हासिल किया है। इससे पहले इसी सत्र में राजस्थान ने गुजरात जबकि 2023 के आईपीएल में हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ 200 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास में तीसरी बार सबसे अधिक रनों का लक्ष्य हासिल किया है। दिल्ली ने इसी सत्र मे विशाखापत्तनम में लखनऊ के खिलाफ 210 रन का अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया था। वहीं दिल्ली कैपिटल्स ने साल 2017 में गुजरात लायंस के खिलाफ 209 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। जयपुर में आईपीएल के इस सत्र में केवल 60 फीसदी कैच ही पहकड़े गए हैं जो अन्य सभी स्थलों के मुकाबले सबसे कम है। इसके अलावा यहां अब तक इस सत्र में सबसे ज्यादा 28 कैच गिरजे हैं। इसके अलावा 16 से 20 ओवर में सबसे ज्यादा 421 रन दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स ने बनाये हैं।

इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को एक पारी और 45 रनों से हराया

नॉटिंघम। स्पिनर शोएब बशीर की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए चार दिवसीय मैच को एक पारी और 45 रनों से जीत लिया। 22 साल बाद दोनो टीमों के बीच हुआ ये मुकाबला तीन दिनों में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड की ओर से बशीर ने 9 विकेट लेकर जिम्बाब्वे को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जैक क्रॉली 124, बेन डकेट 140 और ओली पोप 171 के शतकों की सहायता से 6 विकेट पर 565 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसके बाद जिम्बाब्वे ने 265 रन बनाए। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 97 गेंदों में 139 रन बनाये। बेनेट ने अपनी पारी में 26 चौके लगाये पर अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं

मिलने से टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। फॉलो-ऑन खेलते हुए विलियम्स 50 और सिकंदर रजा 44 की पारियों से जिम्बाब्वे ने 255 रन बनाये। जिससे टीम दूसरी पारी में भी 255 रनों पर ही सिमट गयी। बशीर ने मैच में कुल नौ विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इस मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने अपनी ओर से काफी प्रयास किया पर वे इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

विराट और अनुष्का ने रामलला के दर्शन किये

अयोध्या। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली संन्यास के बाद से ही धर्म कर्म में लगे हुए हैं। विराट ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ ही अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किये हैं। विराट और अनुष्का ने हनुमान गढ़ी मंदिर में भी पूजा अर्चन की। इसके बाद दोनो ही बेहद खुश दिखे। पुजारी ने उन्हें फूल माला पहनाकर टीका लगाया। दोनों ने मंदिर में माथा टेका और पूजा-अर्चना की। हनुमान गढ़ी मंदिर के दर्शन के बाद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें अनुष्का और विराट मंदिर में प्रार्थना करते

हुए नजर आ रहे हैं। इसके पहले ये दोनो वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के आश्रयम भी पहुंचे थे। विराट ने कुछ समय पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद दोनों वृंदावन पहुंचे थे। इस दौरान दोनो को भगवान के नाम जप करते हुए देखा गया था। इस जोड़े ने प्रेमानंद महाराज से कई सवाल भी किये थे जिसके जवाब भी इन्हें मिले थे। विराट और अनुष्का की शादी साल 2017 में हुई थी और इनके दो बच्चे हैं।

प्लेऑफ मुकाबलों से पहले हेजलवुड आरसीबी से जुड़े

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले 29 मई से शुरू होने वाले हैं। प्लेऑफ का पहला क्वालिफायर और एलिमिनेटर मैच मुल्लांपुर में खेला जाएगा जबकि दूसरा क्वालिफायर और फाइनल अहमदाबाद में होगा। प्लेऑफ में गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा। प्लेऑफ से ठीक पहले आरसीबी के तेज गेंदबाज जोश

हेजलवुड फिट हो गये हैं और टीम के साथ जुड़ गये हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टार और अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एक बार फिर आरसीबी के साथ जुड़ गए हैं। प्लेऑफ के लिए हेजलवुड की वापसी से आरसीबी उत्साहित

हेजलवुड ने अब तक आईपीएल 2025 में कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें उन्होंने 8.44 की शानदार इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 18 विकेट लिए हैं। उनकी गेंदों का सामना करना विरोधियों के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में इस गेंदबाज शामिल होने से टीम की ताकत बढ़ी है।

हेजलवुड की वापसी इसीलिए भी अहम हैं क्योंकि वह 11 जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम में होने के बाद भी प्लेऑफ खेल रहे है जबकि कई अन्य खिलाड़ी डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों को देखते हुए स्वदेश लौट गये हैं।

जोकोविच ने 100 वां एटीपी खिताब जीतकर फेडरर और कोनर्स की बराबरी की

जिनेवा। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने जिनेवा ओपन के फाइनल में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच ने इसी के साथ ही अपना

100वां एटीपी खिताब जीता है। जोकोविच ने खिताबी मुकाबले में ह्यूबर्ट को 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। सर्बियाई खिलाड़ी ने पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे सेट में जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया। 100 एटीपी खिताब जीतने के बाद जोकोविच बेहद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैंने काफी प्रयास किये थे। इसी के साथ ही अब जोकोविच ने स्विटजरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और अमेरिका के जिमी कोनर्स के 100 खिताब जीतने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। कोनर्स ने सबसे अधिक 109 खिताब जीते हैं जबकि फेडरर के नाम 103 खिताब हैं। इसी जीत के बाद अब जोकोविच का लक्ष्य फ्रैंच ओपन जीतना रहेगा।

क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर बनाने टी20 क्रिकेट लीग शुरु कर रहा कीनिया

नैरोबी । अफ्रीकी देश कीनिया अब अपने क्रिकेट ढांचे को बेहतर बनाने के लिए एक टी20 क्रिकेट लीग शुरु करने जा रही है। ये लीग सितंबर में शुरु होगी। लीग का पहला सत्र 25 दिन का होगा जिसमें छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। इसमें दुनिया भर के कम से कम पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया जा सकता है। क्रिकेट कीनिया और और कंपनी एओएस स्पोर्ट के बीच इस लीग के आयोजन को लेकर एक समझौता हुआ है। कीनिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कैनेडी ओबुया ने कहा, 'यह बहुत बड़ा आयोजन होगा। यह रोमांचक होगा। यह रोमांचकारी होगा। इससे कीनिया में क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी और वह तेजी से आये

बढ़ेगा। कीनिया की तरफ से 90 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'किसी भी मैच के लिए एक टीम को चार विदेशी खिलाड़ियों को ही अंतिम एकादश में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं अन्य सभी खिलाड़ी स्थानीय होंगे। कीनिया की टीम का वर्तमान समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर एक समय वह अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए जानी जाती थी। वह साल 2003 में एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। अब ओबुया की तरह ही कई अन्य क्रिकेटरों को भी भरोसा है कि इस लीग से कीनियाई क्रिकेट आगे बढ़ेगा। भारत में आईपीएल शुरु होने के बाद से ही दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान सहित कई देशों में क्रिकेट लीग शुरु हुई है।

केंद्र सरकार पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव पर करे विचार - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वह पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव करने पर विचार करे। यह एक्ट बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह देश में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक नीति बनाए यानी स्कूलों में बच्चों को यौन संबंध और प्रजनन के बारे में सही जानकारी दी जानी चाहिए।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। सरकार को महिला और बाल विकास मंत्रालय के जरिए से जवाब देना है। कोर्ट ने कहा है कि सरकार एक कमेटी बनाए। यह कमेटी इस मुद्दे पर विचार करेगी और 25 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट

पेश करेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट फैसला लेगा। यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला से जुड़ा है। इस महिला के पति को पीओसीएसओ एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने उस महिला के साथ संबंध बनाए जब वह 14 साल की थी। कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है।

कोर्ट ने इस मामले में दो सीनियर वकील को नियुक्त किया था। उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी सहमति से संबंध बनाने वाले किशोरों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीओसीएसओ एक्ट नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के लिए जरूरी है, लेकिन अगर इसे किशोरों के आपसी संबंधों में सख्ती से लागू किया जाता है, तो इसके नतीजे अच्छे नहीं होंगे। इससे उन किशोरों और उनके परिवारों को नुकसान हो सकता है।

सीनियर वकीलों के सुझावों को मानते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस मामले में शामिल किया और नोटिस जारी किया। वकीलों ने यह भी कहा कि दिल्ली और मद्रास जैसे कई हाईकोर्ट ने इस मामले में अलग राय रखी है। उन्होंने पीओसीएसओ एक्ट के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कहा है कि इसका मकसद आपसी सहमति से बनने वाले रोमांटिक रिश्तों को अपराध बनाना नहीं है।

बता दें दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फरवरी में एक लड़के को राहत दी और उसके खिलाफ मामले को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून का ध्यान शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने पर होना चाहिए, न कि प्यार को दंडित करने पर। कोर्ट ने कहा कि प्यार एक मौलिक मानवीय अनुभव है, और किशोरों को भावनात्मक संबंध बनाने का अधिकार है। कानून को इन रिश्तों को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने के लिए विकसित होना चाहिए, जब तक कि वे सहमति से हों और जबरदस्ती से मुक्त हों।

राजस्थान के पहाड़ी इलाके से पकड़ाया जासूस, पाकिस्तानी महिला से की थी शादी

-जांच एजेंसियों को शक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला से संपर्क में था

डीग। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उकसे पीओके में आतंकियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इस कार्रवाई में कई आतंकवादी मारे गए थे। भारत ने साफ कहा है कि इस ऑपरेशन में किसी सैन्य अड्डे या आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया था। इस कदम के बाद से सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और निगरानी बढ़ा दी गई है। इसी दौरान शनिवार को सुरक्षा एजेंसियों ने डीग जिले से एक युवक को पाकिस्तान का जासूस होने के शक में हिरासत में लिया है।

सुरक्षा एजेंसियों की सख्त निगरानी के चलते राजस्थान के भरतपुर के डीग जिले के पहाड़ी क्षेत्र स्थित गंगोरा गांव से ए युवक को इंटेलिजेंस ब्यूरो ने हिरासत में लिया है। उस पर पाकिस्तान को खुफिया जानकारी देने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया है कि कासिम ने पाकिस्तान की एक महिला से शादी की थी और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वह उसी महिला से संपर्क में था।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि कासिम पहले दिल्ली में रह रहा था, लेकिन हाल ही में वह अचानक अपने गांव लौट आया। इसके कुछ समय बाद उसने पाकिस्तान का वीजा बनवाया और पाकिस्तान जाकर एक महिला से शादी कर ली। एजेंसियों को शक है कि इसी दौरान वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़ा और भारत के खिलाफ जासूसी करने लगा। आईबी टीम फिलहाल उससे पूछताछ कर रही है। एजेंसी यह जानने का प्रयास कर रही है कि उसने पाकिस्तान के लिए किस प्रकार का काम किया, किन-किन जानकारियों को लीक किया, और किन अन्य व्यक्तियों से उसका संपर्क था। इस मामले ने एक बार फिर देश में सक्रिय पाक जासूसी नेटवर्क पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत सरकार ने पाकिस्तान सीमा पर निगरानी को और सख्त कर दिया है। सीमा पर जवानों की संख्या बढ़ा दी है और आधुनिक तकनीकी उपकरणों की मदद से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है, ताकि घुसपैठ या जासूसी जैसी घटनाओं को समय रहते रोका जा सके।

गौरव गोगोई ने सीएम पर साधा निशाना, कहा- सबूत न दे पाना उनकी कमजोरी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उन आरोपों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिनमें कहा गया था कि उनके और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध हैं। गोगोई ने आरोपों को बेबुनियाद और सबूतविहीन बताया है और कहा है कि मुख्यमंत्री का बार-बार सबूत देने में असफल रहना उनकी कमजोरी को दर्शाता है।

गोगोई ने अपने लोकसभा क्षेत्र जोरहाट के माजुली इलाके में मीडिया से बात करते हुए कहा, जब कोई मुख्यमंत्री कुछ कहता है, तो हम उम्मीद करते हैं कि वह साक्ष्यों के साथ कहे। भाजपा आईटी सेल की पोस्ट और मुख्यमंत्री की टिप्पणी में फर्क होना चाहिए। सबूत न देना उनकी कमजोरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने पहले भी इस तरह के झूठे आरोप लगाए हैं, लेकिन जब बात एक राज्य के मुख्यमंत्री की होती है, तो जवाबदेही जरूरी है।

गोगोई की 'नॉकआउट पंच' रणनीति

गोगोई ने अपने जवाब में मुक्केबाज़ी की भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा, नॉकआउट पंच अंत में दिया जाता है। सबको धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी वह रणनीतिक चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन समय आने पर पूरा जवाब दिया जाएगा। इसी के साथ ही मुख्यमंत्री हिमंत के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने 10 सितंबर तक सबूत सामने लाने की बात कही थी, गोगोई ने चुटकी लेते हुए कहा, क्या यह कोई फिल्म है जिसकी रिलीज डेट पहले से तय है?

मान सरकार का फरमान, पंजाब के स्कूलों में पढ़ाई जाएगी तेलुगू भाषा!

चंडीगढ़। पंजाब राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों को एक पत्र जारी किया इसके बाद पत्र को लेकर विवाद शुरू हो गया। दरअसल इसमें समर कैंप के दौरान स्कूली बच्चों को तेलुगू भाषा सिखाने का उल्लेख है। पत्र में कहा गया है कि समर कैंप में सरकारी स्कूलों के कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों की भागीदारी तय की जानी है और उन्हें तेलुगू की बुनियादी जानकारी और ज्ञान प्रदान किया जाना है। एक यूनियन के नेता ने कहा कि सबसे पहले तो हमारे शिक्षकों को तेलुगू भाषा नहीं आती है, तो वे बच्चों को कैसे सिखाएंगे? भाषा बुरी नहीं है, लेकिन हमें उस देश की भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिसमें हम रहते हैं। विशेषकर हमारी पंजाबी हर जगह बोली जाती है। भारत में पंजाबी की लिपि गुरमुखी है, तो पाकिस्तान में शाहमुखी है।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार तेलुगू भाषा को लागू करना ही चाहती है, तो उन्हें तेलुगू बोलने वाले शिक्षकों को पंजाब लाना चाहिए। हमारे बच्चे पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में पूरा ध्यान नहीं दे रहे हैं, और चौथी भाषा तेलुगू में कैसे ध्यान देंगे? कुछ दिनों में स्कूल बंद कर दिए जाएंगे। हम इस भाषा को इतने कम समय में कैसे लागू कर सकते हैं?

उन्होंने कहा कि यह सरकार तीन साल से सत्ता में है। अगर उन्हें तेलुगू भाषा लागू करनी होती, तो वे तब इस बारे में सोचते। सरकार के फरमान सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं है। सीमावर्ती क्षेत्रों के स्कूलों के लिए सीमा भत्ता भी बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। पंजाब में भी चार-पांच प्रकार की बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें मालवई, माझा या दोआबा प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मंत्रिगण भी अंग्रेजी में पत्र जारी करते हैं, पंजाबी में नहीं। जब वे भी पंजाबी मातृभाषा का पूर्ण प्रचार नहीं करते, तो आम लोग कैसे करेंगे?

कोरोना का कहर शुरु : महाराष्ट्र-कर्नाटक समेत कई राज्यों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। एक बार फिर कोरोना का कहर शुरु होता दिखाई दे रहा है। यूपी, एमपी, दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कई राज्य हैं जहां कोरोना पांस पसारना शुरु कर दिया है। कहीं कहीं मौत की भी खबरें आई हैं। कई राज्यों में कोरोना के नए वेरिएंट के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शनिवार को कोविड-19 के केसों को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई थी। इतनी राहत की बात है कि ज्यादातर नए मामले हल्के हैं और घर पर ही लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है। कुछ राज्यों ने कोरोना को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

कोरोना के 23 मामले सामने आए थे। केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली में कोरोना के मरीज पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक नए वेरिएंट एनबी.1.8.1 का एक और एलएफ.7 के चार केस भारत में पाए गए हैं। डब्ल्यूएचओ ने इन दोनों वेरिएंट की पहचान बताई थी। हालांकि यह नहीं कहा था कि ये वेरिएंट बहुत खतरनाक हैं। इन वेरिएंट की वजह से चीन और एशिया के अन्य हिस्सों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं।

उत्तराखंड में दो केस, दिल्ली में अलर्ट

उत्तराखंड में कोरोना के दो मामले सामने आए हैं। मरीजों को ऋषिकेश एम्स में भर्ती करवाया गया है। हालांकि प्रदेश सरकार का कहना है कि कोरोना के मामले बेहद हल्के हैं और किसी तरह के डर की कोई बात नहीं है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि ये मरीज राज्य के बाहर से ही संक्रिमित होकर आए थे। कोरोना के 23 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। संक्रमण रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अडवाइरी जारी की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना से किसी तरह की घबराने की बात नहीं है। सरकार स्थिति पर पूरा ध्यान दे रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।

कर्नाटक सरकार ने जारी की एडवाइजरी

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि कोविड के नए मामलों को लेकर डर वाली कोई बात नहीं है। इस साल कर्नाटक में कोरोना के कुल 35 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं बीते 15 दिनों में केस तेजी से पाए गए हैं। शनिवार को बेंगलुरु में कोरोना से संक्रमित एक 84 साल के शख्स की मौत हो गई थी। वहीं बेंगलुरु में एक 9 महीने का बच्चा भी कोरोना संक्रमित पाया गया है। जानकारी के मुताबिक बच्चे की हालत स्थिर है।

हरियाणा भी अलर्ट

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों को तैयार रहने का आदेश दिया गाय है। लेकिन लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। 23 मई की रिलीज के मुताबिक हरियाणआ में चार केस पाए गए थे। दो गुरुग्राम और दो फरीदाबाद में। किसी भी मरीज की कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है।

कई राज्यों में मिले केस

उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक 55 साल की महिला को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसे घर पर ही क्वारंटाइन में रखा गया है। इसके अलावा शुक्रवार को चार लोग गाजियाबाद में कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। महाराष्ट्र के ठाणे में कोरोना के आठ नए मरीज शनिवार को पाए गए। वहीं एक मरीज की मौत हो गई। ठाणे में कोविड के कुल 18 ऐक्टिव केस हैं। इनमें से केवल एक अस्पताल में है बाकी का इलाज घर पर ही चल रहा है। शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक हैदराबाद में कोविड का एक केस पाया गया था। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में कोरोना के चार मरीज पाए गए।

सेना के शौर्य ने हर हिंदुस्तानी का सिर गर्व से ऊंचा किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 122वें एपिसोड के ज़रिए देशवासियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को बदलते भारत की तस्वीर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट खड़ा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना के शौर्य ने हर हिंदुस्तानी का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य ऑपरेशन नहीं, बल्कि हमारे साहस, संकल्प और आत्मनिर्भर भारत की शक्ति का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया। यह उनका अदम्य साहस था और इसमें शामिल थी भारत में बने हथियारों, उपकरणों और टेक्नोलॉजी की ताकत। उसमें आत्मनिर्भर भारत का संकल्प भी था। इस अभियान के बाद पूरे देश में वोकल फॉर लोकल को लेकर नई ऊर्जा नजर आ रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वदेशी हथियारों और तकनीक का जबरदस्त प्रदर्शन हुआ, जिसने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत किया। देशभर में इस अभियान को लेकर जनमानस में जोश देखने को मिला है तिरंगा यात्राओं से लेकर बच्चों की पेंटिंग्स और कविता लेखन तक हर कोई अपनी तरह से सेना को सलाम कर रहा है।

पीएम मोदी ने नक्सलवाद-प्रभावित इलाकों में हो रहे सकारात्मक बदलावों का भी उल्लेख किया। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के काटेझरी गांव का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि पहली बार इस गांव में बस पहुंची है, जिससे माओवादी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की

उपलब्धता का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। साथ ही दंतेवाड़ा जिले की शिक्षा में हुई प्रगति पर भी पीएम मोदी ने खुशी जाहिर की। गिर के जंगलों में शेरों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि पर भी पीएम मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में यह संख्या 674 से बढ़कर 891 हो गई है। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों और स्थानीय लोगों की भागीदारी की सराहना की।

पीएम मोदी ने ड्रोन दीदी योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि अब गांवों की महिलाएं ड्रोन ऑपरेटर बनकर खेती में क्रांति ला रही हैं। तेलंगाना की महिलाएं अब 50 एकड़ तक फसलों पर दवा का छिड़काव कर रही हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नया आत्मविश्वास आया है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम मोदी ने देशवासियों को इससे जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग जीवन जीने का तरीका बदल सकता है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे योगआंध्र अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इस अभियान में 10 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी का यह मासिक कार्यक्रम अब देश-विदेश में लोकप्रियता हासिल कर चुका है। यह 22 भारतीय भाषाओं, 29 बोलियों और 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित होता है।

महिला से गैंगरेप, सरिया डालकर बच्चेदानी निकाली, पीड़िता की तड़प तड़प कर मौत

- निर्भया जैसी वारदात खंडवा जिले के एक गांव में

भोपाल। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के आदिवासी अंचल खालवा में एक महिला के साथ दो दरिंदों ने सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया। उसके बाद उसके निजी अंग में सरिया डालकर उसकी बच्चेदानी बाहर निकाल ली। बलात्कार की शिकार महिला की तड़प तड़प कर मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जिस तरह से पीड़ता के साथ क्रूर व्यवहार किया गया है। उससे मानवता शर्मसार हो गई है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार शनिवार को पीड़िता की 16 साल की बेटी ने घटना की सूचना दी। बेटी ने सूचना में बताया, हरि पालवी उम्र 35 वर्ष के घर उसकी मां लहुलहान हालत में पड़ी है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां पर महिला अर्धनग्न अवस्था में अचेत पड़ी हुई थी।

पुलिस ने ग्रामीणों से जब इस बारे में जानकारी ली। उन्होंने पुलिस को बताया घटना के समय महिला के साथ सुनील धुर्वे उम्र 26 वर्ष तथा हरी पालवी उम्र 35 वर्ष मौजूद थे। दोनों पुरुष महिला के पूर्व परिचित थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछतांक्ष शुरू की। पुलिस अधीक्षक खंडवा राजेश रघुवंशी के अनुसार महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की बात सामने आई है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुलिस जब मौके पर पहुंची थी। महिला की मौत हो चुकी थी। शरीर में जगह-जगह चोट के निशान थे। निजी अंगों से खून बह रहा था। महिला की बच्चेदानी बाहर निकली पड़ी थी। पुलिस को संदेह है, बच्चेदानी को सरिए की सहायता से बाहर निकाला गया है। महिला के दो बच्चे हैं। दोनों आरोपी, महिला के परिचित थे। शुक्रवार को सभी शादी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

पीड़ता हरि के साथ उसके घर पहुंची थी। वहां पर दोनों आरोपियों ने शराब पी। उसके बाद महिला के साथ दरिंदगी की। खंडवा पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

निजी जीवन के निर्णय लेने का तेज प्रताप को अधिकार - तेजस्वी यादव

पटना । राजद नेता तेज प्रताप को पार्टी से निकाले जाने पर उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है, न हम इसे बर्दाश्त करते हैं। जहां तक बात मेरे बड़े भाई की है, तो राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है। निजी जीवन के निर्णय लेने का उनका अधिकार है।

बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है, न हम इसे बर्दाश्त करते हैं। हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं, जनता के सुख-दुख में हम भाग ले रहे हैं, जनता के मुद्दे को उठा रहे है। हम नेता विरोधी दल हैं।

उन्होंने तेज प्रताप से जुड़े मामले पर कहा जहां तक मेरे बड़े भाई की बात है, राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है। निजी जीवन के निर्णय लेने का उनका अधिकार है। राष्ट्रीय अध्यक्ष दल के नेता हैं, उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी भावनाएं स्पष्ट कर दी है। हम ऐसी चीजों को पसंद नहीं करते हैं।

उधर, लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी तेज प्रताप को पार्टी से निष्कासित करने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जो परिवेश, परंपरा, परिवार और परवरिश की मर्यादा का ख्याल रखते हैं, उन पर कभी सवाल नहीं उठते हैं, जो अपना विवेक त्याग कर मर्यादित आचरण व परिवार की प्रतिष्ठा की सीमा को बारंबार लांघने की गलती, धृष्टता करते हैं, वो खुद को आलोचना का पात्र खुद ही बनाते हैं।

हादसे का शिकार हुआ आईएनएस ब्रह्मपुत्र एक बार फिर जल्द लौटेगा समुद्र की लहरों पर

मुंबई,। पिछले साल जुलाई में मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में हुए एक गंभीर हादसे का शिकार हुआ भारतीय नौसेना का स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र एक बार फिर समुद्री लहरों पर जल्द उतरने को तैयार है। वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोत के 'फ्लोट और मूव क्षमताओं को बहाल करने का कार्य इस साल के अंत या 2026 की शुरुआत तक पूरा हो सकता है, जबकि इसकी 'फाइट'यानी युद्ध क्षमता जून-जुलाई 2026 तक दोबारा सक्रिय हो सकती है। कई लोगों को आशंका थी कि भारी नुकसान के कारण यह पोत दोबारा सेवा में नहीं लौट पाएगा, लेकिन नौसेना इसे ठीक करने और सेवा में वापस लाने के लिए तेजी से काम कर रही है। वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नौसेना डॉकयार्ड में युद्धपोत की मरम्मत तेजी से चल रही है। उसे फिर से समुद्र में चलने लायक बनाना प्राथमिकता है। यह पहली बार है जब वर्ष 2000 में सेवा में आए इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के दोबारा ऑपरेशन को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आई है। यह युद्धपोत कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया था।

दूसरे अधिकारी ने बताया कि, मरम्मत चरणबद्ध तरीके से चल रही है। सबसे पहले जहाज की ढांचा, प्रणोदन प्रणाली और बिजली उत्पादन को दुरुस्त किया जा रहा है ताकि फ्लोट और मूव क्षमता बहाल हो सके। युद्धपोत की फाइट यानी हथियार प्रणाली और सेंसर को पुनः सक्रिय करने

का कार्य भी समानांतर रूप से चल रहा है। सभी क्षतिग्रस्त उपकरणों को हटाकर डॉकयार्ड की वर्कशॉप में ले जाया जा रहा है, जहां उनकी मरम्मत या रिप्लेसमेंट हो रहा है। युद्धपोत के क्रू सदस्य भी मरम्मत कार्य में तकनीकी सहायता दे रहे हैं। बता दें कि 21 जुलाई 2024 को नौसेना डॉकयार्ड में खड़े 3,850 टन वजनी आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए बड़े पैमाने पर पानी पंप किया गया, जिससे युद्धपोत झुक कर पलट गया। इस हादसे में लीडिंग सीमैन सितेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। वह उस समय युद्धपोत के मरम्मत कार्य में शामिल थे। जबकि अधिकांश क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकल गए थे, कुछ ने समुद्र में छलांग लगाकर जान बचाई, लेकिन सितेंद्र सिंह डूब गए। इसके बाद युद्धपोत को नवंबर 2024 में ड्राई डॉक में ले जाया गया और फिर नुकसान का व्यापक मूल्यांकन कर मरम्मत की योजना बनाई गई।

डंपर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौके पर मौत

परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर मचाया हंगामा, शव को सड़क में रख कर करीब साढ़े 4 घंटे किया चक्काजाम प्रदर्शन, आर्थिक सहायता मिलने पर माने परिजन,पीएम के बाद सौपा गया शव, कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम सावरी का मामला ,मामले की जांच में जुटी पुलिस, बम्हनी घाट से रेत भरकर सिवनी जा रहा था डंपर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सावरी में रविवार को उस वक्त हंगामा मच गया। जब एक तेज रफ्तार रेत से भरे डंपर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार 02 युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।मृतको में ग्राम पिपरिया निवासी जीतेन्द्र मांडरे उम्र 28 वर्ष और कमलेश कोर्राम 30 वर्ष का शमावेश है।जिनकी डंपर में की चपेट में आने से मौत होने पर गुस्साए परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने घटना पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए डंपर चालक व मालक पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर जमकर हंगामा मचाया।तो वही कार्यवाही सहित मुआवजे की मांग को लेकर सुबह 11से लेकर दोपहर 3:30 बजे तक करीब साढ़े 4 घंटा मृतक दोनों युवकों के शव को सड़क में रख चक्काजाम प्रदर्शन किया।जहां डंपर मालिक द्वारा आर्थिक सहायता दिए जाने के बाद परिजन और ग्रामीण माने। जिसके उपरांत पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कटंगी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गांव में छाया मातम

बताया जा रहा है कि ग्राम सावरी में डंपर क्रमांक एमपी 28 जेडएम 6942 की चपेट में आने से बाइक सवार जिन दो युवकों की मौत हुई है वह आपस में दोस्त थे. प्राप्त जानकारी अनुसार हादसे में जितेन्द्र पिता यशवंत मांडरे उम्र 28 वर्ष और कमलेश पिता सुरज लाल कोर्राम उम्र 30 वर्ष दोनों निवासी पिपरिया की मौत हुई है. जितेंद्र के परिवार में एकमात्र वहीं पुरुष सदस्य था. जितेन्द्र के दो भाईयों और पिता की पहले ही मौत हो चुकी है. जितेन्द्र की मौत के बाद परिवार में एक बहन, भाभी और मां रह गई है. कमलेश की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा है. कमलेश की करीब डेढ़ वर्ष पहले ही शादी हुई थी. उसका 01 माह का शिशु है जिसके सिर से अब पिता का साया उठ चुका है. जितेन्द्र और कमलेश दोनों दोस्त थे और दोनों बाइक से अपने घर पिपरिया की तरफ जा रहे थे. जिनकी बाइक को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी।और घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

घर वापस जाते समय ग्राम सावरी के आम्बेडकर चौक में हुआ हादसा

कटंगी थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम सावरी आंबेडकर चौक में बम्हनी रेत घाट से तेज रफ्तार आ रहे रेत से भरे डंपर ने बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दी। जिसमे दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार जितेंद्र मांडरे उम्र 24 वर्ष एवम कमलेश कोर्राम उम्र 35 वर्ष दोनो पिपरिया निवासी किसी काम से कटंगी की तरफ आए थे। जो कटंगी तरफ से वापस अपने गृह ग्राम पिपरिया जा रहे थे। अभी वे ग्राम सावरी पहुंचे ही थे कि करीब 11 बजे ग्राम सावरी आंबेडकर चौक के पास रेत से भरे डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक में सवार दोनो युवक मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई।

डंपर चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भागे अन्य डंपर चालक

बताया गया कि जिस डंपर से यह हादसा हुआ है उस डंपर के चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है जबकि इस घटना के बाद अन्य डंपर जो रेत लेकर बोनकट्टा से कटंगी की तरफ से होकर सिवनी की तरफ जाने वाले थे. वह सभी डंपर चालक बढ़ते तनाव को देखते हुए मौका मिलते ही वाहनों को लेकर फरार हो गए।इन डंपरों के पास भी सागर की रायल्टी होने की बात सामने आई है।

गुस्साई भीड़ ने किया चक्काजाम, साढ़े 4 घण्टे चला प्रदर्शन

रेत से भरे तेज रफ्तार डंपर और युवको की मोटरसाइकिल के बीच हुई सीधी भिड़ंत में दोनों युवको की मौके पर ही मौत हो गई।जिसके बाद गांव वालो ने परिजनों के साथ मिलकर काफी हंगामा किया और घटनास्थल पर चक्का जाम कर दिया। जहां घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक दोनों युवकों के शव को सड़क पर रख जमकर हंगामा मचाया। जहां सुबह करीब 11 से 3:30 तक यह चक्काजाम प्रदर्शन चला रहा।बताया जा रहा है कि ग्रामीण एवं परिजन डंपर मालिक को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे। लेकिन डंपर मालिक मौके पर नहीं आए। जिन्होंने पुलिस के माध्यम से अंत्योष्टि के लिए सहायता राशि दी। जिसके उपरांत परिजन व ग्रामीण मान गए और उन्होंने करीब साढ़े 4 घंटे से चल रहे चक्काजाम धरना प्रदर्शन को समाप्त कर दिया।

छावनी में तब्दील हुआ पूरा गांव, 05 थानों के स्टाफ ने संभाली कानून व्यवस्था

उधर घटना की जनकारी मिलते ही तहसीलदार गीता रहांगडाले, एसडीओपी विवेक शर्मा, कटंगी थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ,तिरोड़ी थाना प्रभारी कौशल सूर्या, रामपायली, लालबर्रा और खैरलांजी थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे जिन्होंने गांव में तनाव का माहौल देखते हुए बालाघाट से भी पुलिस बल मौके पर बुला लिया।जिससे पूरा गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। जिन्होंने परिजनों और ग्रामीणों को समझाईस देकर मामला शांत कराया वहीं इस पूरे मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने का भी भरोसा दिलाया है तब कहीं जाकर यह मामला शांत हुआ।

18 वर्षीय लड़की की कीटनाशक दवाई के सेवन से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नरसिंगा में इसे ग्राम की एक 18 वर्षीय लड़की बबीता उर्फ अंजू पिता राजकुमार साठे ने जहरीली वस्तु का सेवन कर ली। जिसकी लामता के शासकीय अस्पताल में मौत हो गई इस लड़की ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन की स्पष्ट नहीं हो पाया है। लामता पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नरसिंगा निवासी राजकुमार साठे 50 वर्ष खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी प्रेमबती साठे के अलावा पांच लड़की है जिनमें अलका बाई, सोनम, माधुरी, बबीता और मंजू है। बबीता ने कक्षा नवी तक पढ़ाई की थी। जिसके बाद वह घर में ही रहती थी। 24 को सुबह 8:30 बजे राजकुमार साठे बाथरूम करने के लिए गये थे। बाथरूम से बाहर आकर देखा तो उसकी बेटी बबीता बाहर बैठी हुई थी। जिसे रामकुमार साठे ने पूछा कि ऐसे क्यों बैठी है ।तब बबीता ने बताई कि मैं थाइमेन्ट दवा खाली हूं और मुझे घबराहट हो रही है। तब राजकुमार साठे ने बबीता को उल्टी करने के लिए खटाई खिलाया। जिसे उल्टी नहीं हुई और बबीता बेहोश हो गईम जिसको इलाज के लिए तुरंत शासकीय लामता लेकर आए। जहा इलाज के दौरान बबीता की मृत्यु हो गई। बबीता ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन की अभी यह पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिसकी रिपोर्ट राजकुमार साठे ने लामता पुलिस थाने में की थी ।जहां से उप निरीक्षक दिलीप करण नायक ने लामता अस्पताल पहुंचकर मृतिका बबीता का शव पंचनामा कार्यवाही पक्षात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा सॉहिता2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)
विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

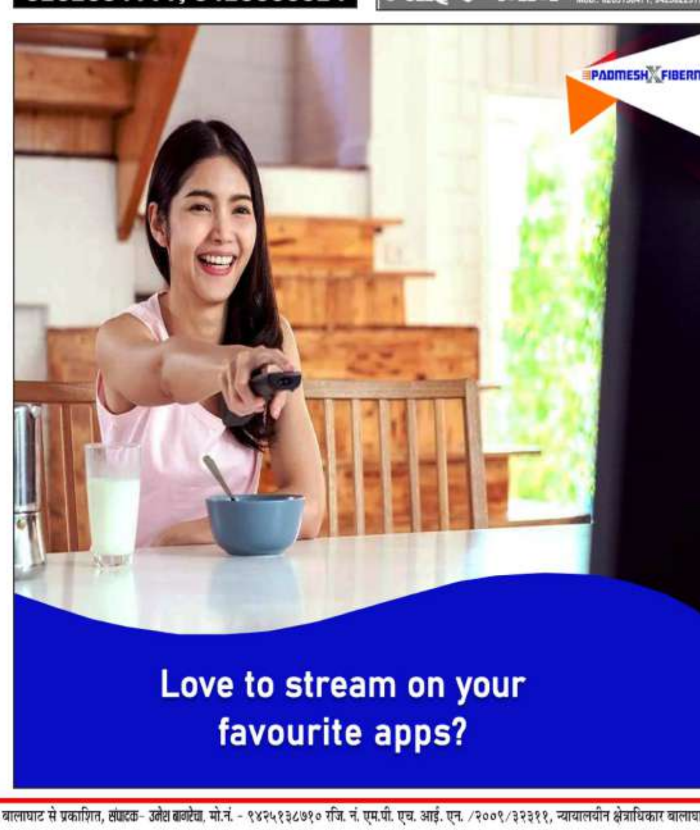

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट